राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 एनडीए में फूट डालने के लिए किया था एनसीपी ने .....

भारत में आयोजित वर्चुअल एससीओ बैठक में मौजूद रहेंगे चीनी राष्ट्रपति..... 11

वर्ष : 14 | अंक : 48 | नई दिल्ली, शनिवार, 01 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जीएसटी से खपत को मिली गति, परिवारों का मासिक बिल हुआ कम : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि छह साल पहले लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने न केवल नागरिकों पर कर का बोझ कम करने में मदद की है, बल्कि देश में खपत को गति भी दी है। कुल मिलाकर इससे परिवारों को मासिक बिल कम करने में मदद मिली है। सरकार ने जीएसटी लागू होने से पहले और बाद में विभिन्न वस्तुओं पर कर दरों की तुलना करते हुए यह बात कही है। उसने कहा कि जीएसटी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से लेकर निवेश को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने ट्विटर पर लिखा है, "जीएसटी के क्रियान्वयन ने करदाताओं के लिये कर कानून का पालन करना आसान बना दिया है। यह बात इस तथ्य से पता चलती है कि जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं की संख्या एक अप्रैल, 2018 तक 1.03 करोड़ थी। यह बढ़कर एक अप्रैल, 2023 तक 1.36 करोड़ हो गई है।" जीएसटी एक जुलाई, 2017 की

मध्यरात्रि को लागू हुआ था। इसमें 13 उपकर समेत उत्पाद शुल्क, सेवा कर और मूल्य वर्धित कर (वैट) जैसे 17 स्थानीय शुल्कों को समाहित किया गया है। माल एवं सेवा कर के अंतर्गत कर की चार दरें हैं। इसमें आवश्यक वस्तुओं पर कर से या तो छूट है या फिर पांच प्रतिशत की कम दर से कर लगाया जाता है। विलासिता और समाज के नजरिये से हानिकारक वस्तुओं पर 28 प्रतिशत की ऊंची दर से कर लगाया जाता है। कर की अन्य दरें 12 फीसदी और 18 फीसदी हैं। इसके अलावा, सोना, आभूषण और कीमती पत्थरों के लिये 3 प्रतिशत और तराशे तथा पॉलिश किये गये हीरे पर 1.5 प्रतिशत की विशेष दर है। सीतारमण के कार्यालय से किए गए ट्वीट में लिखा है, "छह साल पहले केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को समाहित कर लागू जीएसटी ने न केवल नागरिकों पर कर का बोझ कम करने में मदद की है, बल्कि यह देश में खपत को गति देने को लेकर इंजन भी साबित हुआ है।" जीएसटी लागू होने से पहले वैट, उत्पाद शुल्क, केंद्रीय बिक्री कर (सीएसटी) और उनके व्यापक प्रभाव के कारण एक उपभोक्ता को औसतन 31 प्रतिशत कर देना होता था। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, "जीएसटी के तहत कर की दरें कम होने से हर घर में खुशियां आई है। दैनिक उपयोग की विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं पर जीएसटी के माध्यम से राहत मिली है।" जीएसटी भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में पासा पलटने वाला साबित हुआ है और इसने सभी पक्षों को व्यापक लाभ उपलब्ध कराया है। सरकार ने कहा कि इससे जो लाभ हुए हैं, उसमें विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कमी, सभी करदाताओं के लिये समान अवसर और बेहतर अनुपालन के माध्यम से राजस्व वृद्धि शामिल है। जब माल एवं सेवा कर 2017 में पेश किया गया था, उस समय मासिक जीएसटी राजस्व 85,000 से 95,000 करोड़ रुपये था। वह बढ़कर अब 1.50 लाख करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गया है और इसमें वृद्धि जारी है। इस साल अप्रैल में यह अबतक के उच्चतम स्तर 1.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

मौसम

अधिकतम तापमान 36.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,545
चांदी	68,300
संसेक्स	62,970
निफ्टी	18,691

संक्षिप्त खबरें

राहुल ने मोइरांग में विस्थापितों से बातचीत की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को मणिपुर में विष्णुपुर जिले के मोइरांग का दौरा किया और विस्थापितों से बातचीत की। श्री राहुल को इंफाल से करीब 45 किलोमीटर दूर मोइरांग तक सड़क मार्ग जाने की अनुमति नहीं दी गई। वह हेलीकाप्टर से वहां पहुंचे। गुरुवार को यहां पहुंचने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ओ इबोबी, पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मेघचन्द्रा और कई अन्य चुराचांदपुर गए। कांग्रेस टीम को विष्णुपुर जिले में पुलिस ने दो घंटे तक रोके रखा। इसके बाद कांग्रेस टीम वापस इंफाल आ गयी ।श्री गांधी ने चुराचांदपुर जिले का दौरा किया और विस्थापितों के साथ दोपहर का भोजन किया। जिले में 03 मई को हिंसा शुरू हो गयी थी।

नीतियों और निर्णयों की वजह से भारतीय विश्वविद्यालयों की वैश्विक पहचान बढ़ रही है: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षा की भविष्योन्मुखी नीतियों और निर्णयों का परिणाम है कि आज भारतीय विश्वविद्यालयों की वैश्विक पहचान बढ़ रही है। उन्होंने हाल के वर्षों में आईआईटी, आईआईएम, एम्स की संख्या में हुई वृद्धि का हवाला दिया और उन्हें नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण बताया। दिल्लीर विश्वंविद्यालय के शताब्दी समारोह समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि छात्र सीखना क्या चाहते हैं जबकि पहले ध्यान इस बात पर दिया जाता था कि छात्रों को पढ़ाया क्या जाए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिल्लीत विश्विविद्यालय कंप्यूजटर सेंटर, प्रौद्योगिकी संकाय भवन और अकादमिक ब्लॉरक की आधारशिला भी रखी। ये भवन विश्वलविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में बनाए जाएंगे।अमेरिका की अपनी हालिया राजकीय यात्रा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ देश के युवाओं में दुनिया के विश्वास के कारण आज दुनिया में देश के सम्मान और प्रतिष्ठा में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल (आईसीईटी) को लेकर हुए एक समझौते मात्र से देश के युवाओं के लिए जमीन से लेकर अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर से लेकर कृत्रिम मेधा (एआई) तक नए अवसर पैदा होंगे। मोदी ने कहा कि भारत के युवाओं की उन प्रौद्योगिकियों तक पहुंच होगी जो कभी उनकी पहुंच से बाहर हुआ करती थीं। उन्होंने कहा कि माइक्रोन और गूगल जैसी

कंपनियां देश में भारी निवेश करेंगी। उन्होंने कहा, "यह आहट है कि भविष्य का भारत कैसा होने वाला है, आपके लिए कैसे-कैसे अवसर दस्तक दे रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा सिर्फ सिखाने की प्रक्रिया नहीं है बल्कि सीखने की भी प्रक्रिया है और लंबे समय तक शिक्षा को लेकर ध्यान इस बात पर केंद्रित रहा कि छात्रों को क्या पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "लेकिन हमने फोकस इस बात पर भी शिफ्ट किया कि छात्र क्या सीखना चाहता है। आप सभी के सामूहिक प्रयासों से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार हुई है और छात्रों को यह बड़ी सुविधा मिली है कि वह अपनी इच्छा से अपनी पसंद के विषयों का चुनाव कर सकते हैं।" उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, "शिक्षा की भविष्योन्मुखी नीतियों और निर्णयों का परिणाम है कि आज भारतीय विश्वविद्यालयों की वैश्विक पहचान बढ़ रही है। साल 2014 में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में केवल 12 भारतीय विश्वविद्यालय होते थे लेकिन आज यह संख्या 45 हो गई है।" जीवन के विभिन्न पहलुओं में दिल्ली विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केवल एक विश्वविद्यालय नहीं है बल्कि एक आंदोलन है। मोदी ने नालंदा और तक्षशिला में प्रसिद्ध प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों का उल्लेख किया और कहा कि वे खुशी और समृद्धि के स्रोत थे और भारत के विज्ञान ने उस युग में दुनिया का मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि तब वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की बड़ी हिस्सेदारी हुआ करती थी और सैकड़ों साल की गुलामी ने शिक्षा के केंद्रों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि जब भारत की बौद्धिक यात्रा रुक गई तो उसका विकास भी रुक गया। मोदी ने जोर देकर कहा कि जिनके पास ज्ञान है, वे खुश और मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्ट-अप की संख्या अब एक लाख को पार कर गई है, जबकि 2014 से पहले यह संख्या 100 के करीब थी। पिछले कुछ वर्षों में हुए भारत के विकास का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पेटेंट के आंकड़े उल्लेखनीय रूप से बढ़े हैं। मोदी ने कहा कि पिछली सदी के तीसरे दशक ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई गति दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस सदी का तीसरा दशक देश की विकास यात्रा को गति देगा। यह उल्लेख करते हुए कि विश्वविद्यालय का 125वां वर्ष देश की आजादी के 100वें वर्ष के साथ मेल खाता है, मोदी ने कहा कि इसे 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए खुद को समर्पित करना चाहिए। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालय के अब तक के सफर पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मेट्रो की सवारी की। उन्होंने लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन से दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन तक का सफर तय किया। इस दौरान प्रधानमंत्री को यात्रियों से संवाद करते देखा गया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, "दिल्ली मेट्रो से दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के लिए जाते समय..। युवाओं को अपने सह-यात्री के रूप में पाकर खुश हूं..।" प्रधानमंत्री ने अपनी इस यात्रा से जुड़ी तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं। अपने संबोधन में मोदी ने कहा, "आज मैं भी दिल्ली मेट्रो से अपने युवा दोस्तों के साथ गपशप करते हुए यहां पहुंचा हूं। इस बातचीत में कुछ किस्से भी पता चले और कुछ दिलचस्प जानकारियां भी मुझे मिलीं।" दिल्ली विश्व'विद्यालय की स्थातपना एक मई 1922 को हुई थी। पिछले 100 वर्षों में विश्व विद्यालय का काफी विस्ता र हुआ है और अब इसमें 90 कॉलेज और 86 विभाग हैं। अब तब छह लाख से अधिक विद्यार्थी दिल्लीु विश्व0विद्यालय से डिग्री प्राप्तह कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के तीन भवनों की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्लीर विश्वबविद्यालय के शताब्दी समारोह समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और इस दौरान दिल्लीन विश्वरविद्यालय कंप्यूकटर सेंटर, प्रौद्योगिकी संकाय भवन और अकादमिक ब्लॉलक की आधारशिला रखी। ये भवन विश्वदविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में बनाए जाएंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालय के अब तक के सफर पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मेट्रो की सवारी की। उन्होंने लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन से दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन तक का सफर तय किया। इस दौरान प्रधानमंत्री को यात्रियों से संवाद करते देखा गया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, "दिल्ली मेट्रो से दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के लिए जाते समय। युवाओं को अपने सह-यात्री के रूप में पाकर खुश हूं।" प्रधानमंत्री ने अपनी इस यात्रा से जुड़ी तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं। दिल्लीप विश्वि्वद्यालय की स्थाअपना एक मई 1922 को हुई थी। पिछले 100 वर्षों में विश्व विद्यालय का काफी विस्तावर हुआ है और अब इसमें 90 कॉलेज और 86 विभाग हैं। अब तब छह लाख से अधिक विद्यार्थी दिल्लीव विश्वीविद्यालय से डिग्री प्राप्त0 कर चुके हैं।

दिल्ली विवि पूरे देश का, राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी: प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) नाम से दिल्ली जुड़ता है लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही नहीं बल्कि पूरे देश का और हर नागरिक का विश्वविद्यालय है तथा इसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। दिल्ली विश्व विद्यालय के शताब्दी समारोह समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा कि देश में आपातकाल लागू होने के बाद जब नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिये गए थे, तब सबसे पहले दिल्ली विश्वविद्यालय ने इसके खिलाफ आवाज उठायी थी। प्रधान ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश की आजादी की लड़ाई देखी, यहां शहीद भगत सिंह आए और आजादी की लड़ाई लड़ते-लड़ते चंद्रशेखर आजाद ने भी इसमें कदम रखा था। शिक्षा मंत्री ने कहा, ह्यह्यदिल्ली विश्वविद्यालय नाम से ही दिल्ली से जुड़ता है। यह दिल्ली का ही नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का विश्वविद्यालय है, यह देश के हर एक नागरिक का विश्वविद्यालय है।" उन्होंने कहा "आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं लेकिन 1973-74 में जब भारत के संविधान पर संकट आया था और उसके बाद आपातकाल लागू होने पर नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिये गए थे तब इसके खिलाफ किसी ने आवाज उठायी थी..तो वह दिल्ली विश्वविद्यालय ही था। प्रधान ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश के दूसरे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 75 से 100 वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश को अनेकों वैज्ञानिक दिये, लोक नीति निमार्ता दिये, उद्योग जगत से जुड़ी हस्तियां दीं, कला एवं सहित्य जगत से जुड़े लोग दिये, न्यायविद दिये। उन्होंने कहा कि संस्थान जब अपने 100 साल पूरे कर रहा है जब चुनौतियां और जिम्मेदारियां बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से 34 साल बाद देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली और इसके अनुपालन को भी तीन साल हो गए हैं। प्रधान ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक भी क्षण गंवाये बिना राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर काम किया। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम है कि आज डीयू क्यूएस रैंकिग में देश के शीर्ष संस्थाओं में शामिल है। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने इस वर्ष करीब 2,200 शिक्षकों की भर्ती की जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कारण संभव हुआ।

प्रधानमंत्री शनिवार को भोपाल में 'राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन' की शुरूआत करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक जुलाई को मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे जहां वह 'राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन' की शुरूआत करेंगे। वह लाभार्थियों को सिकल सेल जेनेटिक स्टेटस कार्ड भी वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, इस मिशन का उद्देश्य सिकल सेल रोग से, विशेष रूप से जनजातीय आबादी के बीच उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करना है। इस सप्ताह यह प्रधानमंत्री मोदी का मध्य प्रदेश का दूसरा दौरा होगा। उन्होंने मंगलवार को भोपाल स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई थी और फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं को संबोधित भी किया था। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। केंद्रीय बजट 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की घोषणा की गई थी। यह मिशन देश के गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार और उत्तराखंड के 278 जिलों में लागू किया जाएगा। पीएमओ ने कहा कि यह मिशन 2047 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में सिकल सेल रोग को खत्म करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों में मील का एक महत्वपूर्ण पत्थर होगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर मध्य प्रदेश में लगभग 3.57 करोड़ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) कार्ड के वितरण की शुरूआत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री रानी दुर्गावती गौरव यात्रा के समापन के अवसर पर रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि देंगे। रानी दुर्गावती की वीरता और बलिदान को लोकप्रिय बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। रानी दुर्गावती, 16 वीं शताब्दी के मध्य में गोंडवाना की शासक थीं। उन्हें एक बहादुर, निडर और साहसी योद्धा के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी। एक अनूठी पहल के तहत प्रधानमंत्री शहडोल जिले के पकरिया गांव का दौरा करेंगे और जनजातीय समुदाय, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न पंचायत समितियों के नेताओं और ग्राम फुटबॉल क्लबों के कप्तानों के साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री जनजातीय और लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम देखेंगे और गांव में रात्रि भोजन भी करेंगे।

विपक्ष को सहन नहीं करना चाहती सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार विपक्ष को पसंद नहीं करती। इस लिए विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है। खड़गे ने राहुल गांधी की मणिपुर यात्रा को लेकर शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिंसा ग्रस्त राज्य मणिपुर में लोगों के सुख-दुख जानने गए हैं। वह मणिपुर में लोगों के हालात समझने, कठिनाई जानने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें वहां रोका गया और सत्ता पक्ष ने उनकी यात्रा को ड्रामा करार दिया। खड़गे ने कहा कि वह सत्ता पक्ष से पूछना चाहते हैं कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। ऐसे में अगर राहुल की यात्रा ड्रामा है तो गृह मत्री की यात्रा को क्या कहेंगे? उल्लेखनीय है कि हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को राहुल गांधी

मणिपुर पहुंचे। यहां उन्हें कई जगहों पर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर रोका गया। जिसको लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। अभी तक इस हिंसा में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। मणिपुर में हुई हिंसा पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने भी दुख प्रकट किया था और वहां के लोगों से शांति की अपील की थी।

जलगांव में पेड़ के वाहन पर गिरने से दो पुलिसकर्मियों की मौत, तीन अन्य घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक वाहन पर विशाल पेड़ गिरने से दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और उनके तीन सहयोगी घायल हो गए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हादसा बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े आठ बजे एरंडोल-कसौदा रोड पर हुआ। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सहायक पुलिस निरीक्षक सुदर्शन दातिर (36) और पुलिस नायक अजय चौधरी (38) के तौर पर हुई है। वे जलगांव पुलिस बल की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में तैनात थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना तब हुई जब ईओडब्ल्यू का दल एक मामले की जांच के लिए जा रहा था। उन्होंने कहा, ह्यह्यपुलिस का वाहन अंजनी बांध क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी एक विशाल व पुराना इमली का पेड़ उस पर गिर गया। इसमें सवार पांच पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।" अधिकारी ने बताया कि बाद में दातिर और चौधरी को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि तीन घायल पुलिसकर्मियों का जलगांव के एक सरकारी अस्पताल में इलाज जारी है और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है। जलगांव, मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित है।

स्थानान्तरण गुरुवार को देर रात अपर सचिव कर्मेन्द्र सिंह ने स्थानान्तरण के आदेश जारी किये.....

कर्मेन्द्र सिंह ने स्थानान्तरण के दिये आदेश, 22 आईएएस सहित 36 अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल

भरतपुर, एजेंसी

शासन ने गुरुवार देर रात्रि बड़े स्तर पर स्थानांतरण किया है। इनमें 22 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और 08 सचिवालय सेवा, 05 प्रांतीय सिविल सर्विस (पीसीएस) व 01 वित्त सेवा सहित 36 अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया गया है। गुरुवार को देर रात अपर सचिव कर्मेन्द्र सिंह ने स्थानान्तरण के आदेश जारी किये। आदेश के मुताबिक आईएएस मनीषा पंवार को अध्यक्ष परिवहन निगम के पद से मुक्त कर ललित लियना फैनई को यह दायित्व मिला है। आईएएस उदयराज सिंह को उधमसिंहनगर के नए जिलाधकारी के पद पर तैनाती दी गई है। बाध्य प्रतीक्षा में रही राधिका झा को सचिव समाज कल्याण और आयुक्त कल्याण की जिम्मेदारी दी गई है। हरिश्चंद्र सेमवाल निदेशक समेकित बाल विकास परियोजना हटाकर महानिदेशक संस्कृति और चंद्रेश यादव को वर्तमान दायित्व के साथ परियोजना निदेशक उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी मिला है। डॉ आर राजेश कुमार से मिशन निदेशक एनएचएम बदलकर वर्तमान के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मिला है। सी रविशंकर से अपर सचिव पर्यटन और अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन विकास परिषद बदलकर अपर सचिव कौशल विकास सेवायोजन दिया गया है। युगल किशोर पंत से जिलाधिकारी उधम सिंह नगर हटा कर अपर सचिव पर्यटन और अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन विकास परिषद दिया गया है। रणवीर सिंह चौहान से अपर सचिव संस्कृति और धर्मस्व महानिदेशक संस्कृति बदलकर अपर सचिव पेयजल डायरेक्टर और नमामि गंगे के डायरेक्टर की जिम्मेदारी मिली है। जिलाधिकारी हरिद्वार धीरज सिंह का गर्ब्याल से उपाध्यक्ष हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण हटा लिया गया है। रंजना को अपर सचिव विद्यालय शिक्षा मिला है, ईवा श्रीवास्तव से निदेशक स्वजल बदलकर कर्मेंद्र सिंह को यह जिम्मेदारी मिला है। योगेंद्र यादव को अपर सचिव विद्यालय शिक्षा हटा कर अपर सचिव समाज कल्याण और आयुक्त निशक्तजन दी गई है। रोहित मीणा को निदेशक एनएचएम और नवनीत पांडे को निदेशक समेकित बाल विकास परियोजना और निदेशक महिला कल्याण दिया गया है। मेहरबान सिंह बिष्ट को अपर सचिव गन्ना चीनी और प्रबंध निदेशक उत्तराखंड शुगर फेडरेशन और रुचि मोहन रयाल को अपर सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले, आपूर्ति शाखा आईटी की जिम्मेदारी मिली है। नमामि बंसल को अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा और अंशुल सिंह को उपाध्यक्ष हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही सचिवालय सेवा के ओमकार सिंह से गोपन हटाकर मदन मोहन सेमवाल को अपर सचिव विद्यालय शिक्षा और गोपन मिला है। लक्ष्मण सिंह को अपर सचिव राज्य संपत्ति और राज्य संपत्ति अधिकारी दिया गया है। प्रदीप सिंह रावत को अपर सचिव सचिवालय प्रशासन और सचिव उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग, निदेशक सचिवालय प्रशिक्षण का अतिरिक्त प्रभार मिला है। सुरेश चंद्र जोशी से अपर सचिव समाज कल्याण तथा आयुक्त निशक्तजन और मायावती ढक रियाल से अपर सचिव आवास को बदल दिया गया है। वित्त सेवा के अधिकारी अरुणेंद्र सिंह चौहान से अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा को हटा लिया गया। प्रांतीय सिविल सर्विस के रवनीत चीमा को वर्तमान के साथ अपर सचिव कृषि और कृषक कल्याण का अतिरिक्त प्रभार मिला है। प्रताप सिंह साह से अपर सचिव राज्य संपत्ति और राज्य संपत्ति अधिकारी हटा लिया गया है। इसके साथ ही बीएल फिरमाल से वर्तमान दायित्व बदलकर संभागीय खाद आयुक्त कुमाऊं संभाग बनाया गया है। बीएस चलाल को वर्तमान से हटा कर अपर निदेशक प्रशिक्षण हल्द्वानी की जिम्मेदारी दी गई है। रामदत्त पालीवाल को वर्तमान दायित्व के साथ निदेशक प्रशासन एवं मानिटरिंग पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय उधम सिंह नगर मुख्य कार्मिक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

संक्षिप्त समाचार

60 घंटे बाढ़वाला-जुड्डो मार्ग पर यातायात बहाल

देहरादून, एजेंसी। करीब 60 घंटे बाद बाढ़वाला-जुड्डो मार्ग पर देर शाम यातायात बहाल होने से लोग राहत महसूस कर रहे हैं। सड़क खोलने में विभाग के पसीने छूट गए। सड़क बंद होने से लोगों को वाया कालसी होकर 20-25 किमी का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा था, जिससे दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया था। राजकीय अवकाश के बावजूद अधिशासी अभियंता समेत सभी अधिकारी रास्ता खोलने के लिए मौके पर मौजूद रहे। बीते मंगलवार की सुबह भूस्खलन के चलते एक बड़ी चट्टान और मलबा जुड्डो-लोहारी के बीच किमी 12 पर झूला पुल के समीप आ गया था। जिसे हटाने के लिए विभाग ने दो जेसीबी लगाई थी, लेकिन फिर से चट्टान आने के कारण सड़क नहीं खुल सकी थी। उसके बाद विभाग ने एक और जेसीबी के साथ ही पोकलेन मशीन को लगाया था। बीते बुधवार की रात को एक बार फिर भूस्खलन के चलते एक और बड़ी चट्टान सड़क पर आ गई। जिस कारण चट्टान को तोड़ने में दिक्कतें आ रही हैं। लोनिवि निर्माण खंड देहरादून के अधिशासी अभियंता प्रवीण कर्णवाल ने बताया कि बड़ी चट्टानों के कारण सड़क खोलने में परेशानी हो रही थी। तीन जेसीबी और एक पोकलेन मशीन को लगाया गया। उन्होंने बताया कि देर शाम सड़क को खोल दिया गया है और वाहनों का आना-जाना शुरू हो गया है।

कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी को मिला प्रथम पुरस्कार

देहरादून, एजेंसी। कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के जोन-एक के राज्यों में सर्वोत्तम कृषि विज्ञान केंद्र का पुरस्कार मिला है। देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की तीन दिवसीय कार्यशाला में जोन-एक के निदेशक डॉ परमिंदर सिंह ने ढकरानी केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. एके शर्मा को यह अवार्ड प्रदान किया। 26 से 28 जून तक देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के जोन-एक के अंतर्गत आने वाले पांच राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू कश्मीर और लद्दाख के कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला में वर्ष 2022 के शोध कार्यों का परीक्षण किया गया। जिस आधार पर कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी को प्रथम पुरस्कार मिला। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. एके शर्मा ने प्रथम पुरस्कार मिलने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र के वैज्ञानिकों की मेहनत की बदौलत यह पुरस्कार मिला है। डॉ. संजय कुमार, डॉ. एमपी सिंह, डॉ. एके सिंह, रेखा चौधरी की मुख्य भूमिका रही।

हाईवे पर जाम से आए दिन लोग हो रहे परेशान

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्राचीन महाकाली मंदिर कालसी के समीप सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य चार दिन से बंद पड़ा है। निर्माण कार्य की सुस्त गति हाईवे पर सफर करने वाले यात्रियों और स्थानीय लोगों पर भारी पड़ रही है। आए दिन यहां जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। कई बार जाम में एंबुलेंस और सेना के वाहन भी फंस जाते हैं। बाढ़वाला-जुडडो मोटर मार्ग के बीते तीन दिन से बंद होने के चलते हाईवे पर वाहनों की दबाव बढ़ गया था। कालसी स्थित प्राचीन महाकाली मंदिर के निकट सुरक्षा दीवार दो साल से क्षतिग्रस्त थी। कुछ समय पूर्व विभाग ने निर्माण कार्य शुरू कराया, लेकिन निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। बीते चार दिन से निर्माण कार्य पूरी तरह से बंद है। पुश्ता ढहने से मरम्मत स्थल के समीप हाईवे बेहद संकरा हो गया है। जिससे आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जौनसार बावर के लोगों के साथ ही चारधाम यात्री, पर्यटकों और रवांई जौनपुर जाने वाले लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। तहसील मुख्यालय पहुंचने के लिए भी यही से गुजरना होता है। विकासनगर और देहरादून मंडी जाने वाले किसानों के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। स्थानीय निवासी मोहर सिंह, कल्याण सिंह, चतर दत्त का कहना है पुश्ता निर्माण पूरा होने से ही जाम की स्थिति से छुटकारा मिल सकेगा। लोनिवि राष्ट्रीय राजमार्ग खंड देहरादून के मानवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि मजदूरों के छुट्टी पर जाने के कारण मरम्मत का कार्य बंद कर दिया गया था। कार्य शीघ्र प्रारंभ करा कर मरम्मत कार्य पूरा कराया जाएगा। निर्माण कार्य के दौरान यातायात बाधित न हो यह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

रात्रि प्रवास पर झूसोऊ गांव पहुंची देव पालकियां

देहरादून, एजेंसी। मन्नत पूरी होने पर बृहस्पतिवार को बमराड़ गांव से शिलगूर और बिजट देवताओं की पालकियां एक रात प्रवास पर झूसोऊ गांव निवासी गेंदा सिंह के घर पहुंची। लोगों ने देवता के दर्शन कर मन्नतें मांगी। खत समाल्टा के के बमराड़ गांव में शिलगूर और बिजट देवता का प्राचीन मंदिर है। गेंदा सिंह ने बताया कि तीन पीढ़ी पूर्व उनके एक बुजुर्ग ने देवताओं को अपने यहां आमंत्रित किया था, लेकिन अब उन्हें देव पालकियों को अपने पैतृक घर ले जाने का अवसर मिला। करीब 4 बजे देवताओं के पद चिह्नों सहित पालकियां गेंदा सिंह के आवास पर पहुंची। जहां विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद पालकियों को घर में प्रवेश कराया गया। रातभर लोगों ने देवता की महिमा का गुणगान किया। भंडारे का भी आयोजन हुआ। इस मौके पर पुजारी अनिल जोशी, बजीर विपिन तोमर,भंडारी अमर सिंह चौहान, मंदिर समिति अध्यक्ष केशर सिंह चौहान, देव ठाणी बिक्रम सिंह रावत, सुल्तान सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

जनता को मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई

देहरादून, एजेंसी। महा जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा विकासनगर शहर मंडल के पदाधिकारियों ने विधायक मुन्ना सिंह चौहान के नेतृत्व में विशिष्ट परिवार से संपर्क कर उन्हें पत्रक वितरित किए। उन्हें केंद्र की मोदी सरकार के नौ वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां बताईं। केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर अभियान के संयोजक संजय मित्तल, जिला महामंत्री अमित डबराल, धीरेंद्र पटवाल, सभासद गुड्डी देवी, अंकित कंसल, अंकित जोशी मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने सहसपुर मुख्य बाजार में बूथ 42, 43, 44, और 45 पर बूथ समिति के साथ व्यापारियों और स्थानीय लोगों से जन संपर्क किया। विधायक ने कहा कि मोदी सरकार में पिछले 9 वर्षों में भारत ने तरक्की की है।

प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, बड़ी संख्या में 22 आईएएस और पांच पीसीएस समेत 36 के हुए ट्रांसफर

देहरादून, एजेंसी। आईएएस मनीषा पंवार को अध्यक्ष परिवहन निगम के पद से मुक्त किया गया है। वहीं, आईएएस उदयराज सिंह को उधमसिंहनगर के नए डीएम पद पर तैनाती दी गई है। धामी सरकार ने बृहस्पतिवार रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 22 आईएएस व पांच पीसीएस समेत 36 अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव कर दिया। ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत को हटाकर उदयराज को जिलाधिकारी बनाया गया है। युगल किशोर की शासन में अपर सचिव पद पर वापसी हो गई है। प्रतीक्षारत राधिका झा को सचिव एवं आयुक्त समाज कल्याण बनाया गया है।

घटकुना पेयजल योजना ध्वस्त होने से ग्रामीण परेशान

पिथौरागढ़, एजेंसी।
सड़क निर्माण के दौरान घटकुना पेयजल योजना ध्वस्त होने से ग्रामीणों में गुस्सा है। उन्होंने शीघ्र पेयजल आपूर्ति सुचारु किए जाने की मांग उठाई है।

पीएमजीएसवाई की ओर से पारी पौड़ी से पातल गांव तक सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। सड़क का मलबा सीधे नीचे डालने से पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही पातल छीरा से घटकुना तक की पेयजल योजना जिसकी लंबाई लगभग 3-30 किमी है निर्माण कार्य के मलबे से ध्वस्त हो गई है। ग्रामीणों को काफी दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जल्द पेयजल योजना की मरम्मत करने की मांग की है।

इधर ग्रामीणों की मांग पर ठेकेदार ने प्लास्टिक पाइप दिया लेकिन वह भी मलबे से ध्वस्त हो गया है। ग्रामीण मनोज सिंह बोरा और पंचम सिंह बोरा ने बताया कि छह माह से पेयजल लाइन ध्वस्त है। इससे उन्हें पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। भाजपा मंडल महामंत्री सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने शीघ्र पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है।

नगर के सरस्वती विहार जीआईसी क्षेत्र में रास्तों पर पानी बरबाद हो रहा है। इसके चलते लोगों को जरूरत का पानी नहीं मिल पा रहा है। लोग कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मुख्य सड़क से कॉलोनी तक पानी की लाइन से कई स्थानों पर रिसाव हो रहा है। रास्ते में ही पानी बरबाद होने से लोग परेशान हैं। कॉलोनी निवासी उमेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि जल संस्थान बिल तो लगातार भेज रहा है लेकिन तीसरे दिन भी 50 लीटर तक पानी नहीं मिल दे पा रहा है। उन्होंने लीकेज की समस्या का जल्द निवारण नहीं करने और पानी की आपूर्ति सुचारु नहीं होने पर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने की चेतावनी दी है।

आपदा सुरक्षा कार्य की आड़ में हुड्डी नदी से हो रहा अवैध खनन

टनकपुर (चंपावत), एजेंसी।
आपदा न्यूनीकरण मद से छीनीगोठ में हो रहे बाढ़ सुरक्षा कार्य की आड़ में हुड्डी नदी में धड़ल्ले से अवैध खनन कर निर्माण में खनिज सामग्री का उपयोग हो रहा है। बृहस्पतिवार को तराई पूर्वी वन प्रभाग की एसओजी टीम ने हुड्डी से अवैध खनिज ढोते एक ट्रक को पकड़कर वहां हो रहे अवैध खनन का भंडाफोड़ किया है। एसओजी ने ट्रक को सीज कर वन विभाग के सुपुर्द कर दिया है।

हुड्डी से कटाव की सुरक्षा के लिए छीनीगोठ ग्राम पंचायत में आपदा न्यूनीकरण मद से तीन करोड़ 36 लाख रुपये से 650 मीटर लंबी सीसी दीवार और वारयक्रेट्स का निर्माण हो रहा है। गांव छोर में किया जा रहा निर्माण बीती मई से शुरू हुआ है जिसे नौ माह की अवधि में पूरा किया जाना है। टेंडर की शर्त के अनुसार सीसी दीवार के निर्माण में क्रशर की खनिज सामग्री का उपयोग होना है लेकिन क्रशर के खनिज के साथ ही कथिततौर पर हुड्डी नदी के अवैध खनिज का भी धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है।

वारयक्रेट्स के निर्माण में भी हुड्डी के ही बोल्डर का उपयोग कर सरकार को राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। शिकायत के बाद तराई पूर्वी वन प्रभाग के डीएफओ के निर्देश पर बृहस्पतिवार को वन विभाग की एसओजी टीम ने छापामार इस गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया गया है। एसओजी प्रभारी प्रमोद बिष्ट के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मौके से अवैध खनिज ढो रहे ट्रक (यूजीपी 4623) को पकड़ा लिया।

टीम को देखते ही चालक खनिज लदा ट्रक छोड़कर फरार हो गया। टीम प्रभारी प्रमोद बिष्ट ने बताया कि डीएफओ को सूचित करने के बाद पकड़े गए ट्रक को सीज कर आगे की कार्रवाई के लिए खटीमा रेंज के सुपुर्द कर दिया गया है। टीम में वन दरोगा पान सिंह मेहता, खटीमा रेंज के वन रक्षक विनोद सुयाल आदि शामिल थे।

इससे पूर्व भी छीनीगोठ में हुड्डी नदी से अवैध खनन का मामला सामने आया था जिसका विरोध करने पर अवैध खनन में लिप्त लोगों ने कथित तौर पर ग्राम प्रधान पूजा जोशी के पिता दिनेश चंद्र जोशी से मारपीट भी की थी। तब भी वन विभाग ने एक डंपर को सीज कर डंपर स्वामी के खिलाफ संबंधित आरोप में कार्रवाई की थी।

नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हुए शिलगूर महाराज

देहरादून, एजेंसी।
विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद शिलगूर महाराज की पालकी को खत सिलगांव के देऊ गांव में बने नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कराया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने देव दर्शन कर मन्नतें मांगी। मंदिर परिसर दिन भर शिलगूर महाराज के जयकारों से गूंजता रहा। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं और पुरुषों ने नृत्य किया।

देऊ गांव में देवता का प्राचीन मंदिर था। इसकी जगह खत के लोगों ने सामूहिक प्रयास से देवता के लिए नए मंदिर का निर्माण कराया है। मार्च माह में देवता की पालकी को शाही स्नान के लिए हरिद्वार ले जाया गया था। 25 जून को पालकी को हिमाचल के चूडधार शाही स्नान के लिए ले जाया गया। बीते बुधवार को चूडधार से शाही स्नान के बाद देव पालकी पजिटिलानी गांव पहुंची थी। जहां रात्रि प्रवास के बाद बृहस्पतिवार की सुबह पालकी ने मंदिर के लिए प्रस्थान किया। करीब 11 बजे देव पालकी जिसोऊ, सुरेऊ, भंजरा गांव होते हुए देऊ गांव पहुंची। जहां पालकी की विशेष पूजा अर्चना की गई। पालकी पर लोगों ने पुष्प और चावल की वर्षा की। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पालकी के दर्शन किए। शाम करीब चार बजे पालकी और देव चिह्नों को मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कराया गया। देर शाम तक दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस मौके पर देव पुजारी रतिराम शर्मा, मंदिर समिति अध्यक्ष संतराम चौहान, आरएस चौहान, माया राम चौहान, संतन सिंह चौहान, चमन सिंह चौहान, बलवीर सिंह चौहान, अजब सिंह चौहान आदि मौजूद रहे। खत सिलगांव के देऊ गांव में 62 सरकारी कर्मचारियों और गांव के 40 से अधिक परिवार के सहयोग से मंदिर का निर्माण किया गया है। कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष संतन सिंह चौहान ने बताया कि मंदिर निर्माण में करीब एक करोड़ रुपये का खर्च आया है। देवदार की लकड़ी से तीन मंजिला मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर में नक्काशी की गई है।

साइबर ठगों ने निकाला पैसे हड़पने का नया तरीका

देहरादून, एजेंसी।
पुलिस का कहना है कि साइबर ठगों का जाल फैला है। लोगों से अपील है कि वह किसी प्रकार की कमाई के झांसे में न आएं।

साइबर ठगों ने पैसे हड़पने का नया तरीका निकाला है। अब ठग यूट्यूब चैनल लाइक और सब्सक्राइब करने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। यूट्यूब चैनल लाइक और सब्सक्राइब कर कमाई के झांसे में आकर एक युवती और एक युवक ने कुल 37.35 लाख रुपये गंवा दिए। दोनों को घर बैठे मोटी कमाई का लालच दिया गया था। पहले उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप पर जोड़कर बातें समझाई गईं। इसके बाद टेलीग्राम के एक ग्रुप में ले जाकर टास्क दिए गए। साइबर ठग टास्क पर टास्क देते गए और खातों में पैसे जमा कराते गए। पीड़ितों के जब खाते खाली हो गए तो पता चला कि वह ठगी का शिकार हो गए हैं। दोनों मामलों में साइबर थाने में मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र परिसर में रहने वाली प्रियंका नेगी को 13 जून को व्हाट्सएप पर मैसेज आया था। मैसेज करने वाली ने खुद का नाम अंकिता पंवार बताया और कहा कि वह ब्रैंडलूम डिजिटल मार्केटिंग का प्रमोशन का काम करती है। उसने नेगी को भी कमाई का झांसा दिया। प्रियंका उसकी बातों में आ गई। अंकिता ने उसे एक लिंक दिया जिसके माध्यम से वह टेलीग्राम के एक ग्रुप पर जुड़ गई। वहां पर पहले नेगी को यूट्युब चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करने को कहा गया। नेगी ने किया तो उसके खाते में कुछ रुपये आ गए। इसके बाद उन्हें कुछ और बड़ी कमाई के लिए टास्क दिए गए। इन्हें पूरा किया तो उसके टेलीग्राम में बने अकाउंट में अच्छी खासी कमाई दर्शाई जाने लगी। उसने निकालने के लिए आवेदन किया तो उसे यह कहकर रोका गया कि वह और टास्क पूरा करेंगी तभी पैसे निकाल सकती हैं। बार-बार टास्क देकर उनसे कुल 18.11 लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा करा लिए गए।

घोसियान मोहल्ला निवासी अनुज प्रताप सिंह को पिछले दिनों व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने उन्हें टास्क पूरे कर घर बैठे लाखों रुपये कमाने का लालच दिया। इसके बाद अनुज को भी एक टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ दिया। वहां पर कुल 400 लोग इस ग्रुप में जुड़े थे। वहां उसे कुछ टास्क दिए और पूरा होने पर उसके खाते में 500 रुपये आ गए। इसके बाद उसे फिर से टास्क पर टास्क दिए गए। इनके लिए मोटी कमाई कहकर कई बार खातों में रुपये जमा कराए गए। यह नंबर विदेश का था तो इस पर कॉल भी नहीं गई। जब कुल 19.24 लाख रुपये गंवा दिए तब पता चला कि वह ठगी का शिकार हो गया है।

आपदा से निपटाने के लिए चकराता के बिरमौ कांडी में बनेगा हेलिपोर्ट, एक साथ उतर पाएंगे दो हेलिकॉप्टर

देहरादून, एजेंसी।
आपदा की दृष्टि से जौनसार बावर जनजातीय क्षेत्र बेहद संवेदनशील है। यह क्षेत्र पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश और पड़ोसी जिले उत्तरकाशी और टिहरी से भी लगता हुआ है।

आपदा से निपटाने लिए तहसील मुख्यालय चकराता से करीब आठ किमी दूर स्थित बिरमौ कांडी में हेलिपोर्ट का निर्माण किया जाएगा। शासन ने हेलिपोर्ट को विकसित करने के लिए करीब 93 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है। निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को बनाया है। लोनिवि ने निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है।

आपदा की दृष्टि से जौनसार बावर जनजातीय क्षेत्र बेहद संवेदनशील है। यह क्षेत्र पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश और पड़ोसी जिले उत्तरकाशी और टिहरी से भी लगता हुआ है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन यहां लंबे समय से हेलिपोर्ट की जरूरत महसूस कर रहा था। जिला प्रशासन ने हेलिपोर्ट निर्माण के लिए खत सेली के बिरमोऊ कांडी में 2.730 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराने की बात कही थी।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण से हवाई सर्वेक्षण के लिए अनुरोध किया किया था। जिस पर बीते साल 24 नवंबर को बिरमौ कांडी का हवाई सर्वे किया था। सर्वे में यह स्थान हेलिपोर्ट के निर्माण के लिए उपयुक्त मिला था।

जौनसार बावर परगना तीन तहसील कालसी, चकराता और त्यूणी में विभक्त है। इसका क्षेत्रफल करीब 1002.07 वर्ग किमी है। कालसी तहसील में 169, चकराता 141 और त्यूणी तहसील में 53 राजस्व ग्राम हैं। कालसी तहसील में 17, चकराता 16 और त्यूणी तहसील 6 राजस्व क्षेत्र हैं।

चकराता से जौलीग्रांट एयरपोर्ट की हवाई दूरी 58 किमी/31 नॉटिकल माइल्स है। हेलिकॉप्टर से यह दूरी महज 15 मिनट में तय की जा सकती है।

लिपुलेख पास और लिंपियाधुरा से कैलाश दर्शन संभव

नैनीताल, एजेंसी।
कैलाश मानसरोवर भारत के हिंदुओं सहित जैन, बौद्ध और अन्य धर्मावलंबियों के लिए भी बेहद पवित्र और आस्था का केंद्र है। उत्तराखंड से होकर चीन तिब्बत होते हुए यहां जाने वाली यात्रा के लिए भक्त अत्यंत उत्साहित रहते हैं लेकिन बीते कई वर्षों से कभी कोरोना कभी चीन से तनावपूर्ण संबंधों के चलते यह यात्रा आयोजित नहीं हो रही है। भारत सरकार इस संबंध में कोई वैकल्पिक मार्ग की तलाश में थी जिससे चीन जाए बगैर कैलाश के दर्शन हो सकें। अब इस संबंध में आंशिक सफलता मिलती नजर आ रही है हालांकि भारत से कैलाश दर्शन स्थल ओल्ड लिपुलेख पास के अत्यधिक ऊंचाई पर होने, वहां तक का मार्ग दुष्कर होने और वहां चलने वाली बेहद तेज हवा के अलावा कोहरा बड़ी चुनौतियां हैं। इस संबंध में शासन के निर्देश पर यात्रा कराने वाली मुख्य संस्था केएमवीएन सहित लोनिवि, सेना, आईटीबीपी, पर्यटन विभाग, बीआरओ आदि के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र की रेकी की। इसकी विस्तृत रिपोर्ट अब शासन को सौंपी जानी है। कुमाऊं मंडल विकास निगम के महाप्रबंधक एबी बाजपेयी ने बताया कि पिथौरागढ़ जिले में नाभीढांग से दस किमी आगे जाकर लगभग दो किलोमीटर के ट्रेक के बाद ओल्ड लिपुलेख पास से कैलाश पर्वत के बहुत साफ दर्शन हुए। इसके अलावा जौलिंकोंग से 13 किमी आगे तक गाड़ी से जाकर फिर ट्रेकिंग के बाद भी लिंपियाधुरा मांचियाधुरा से तो एक साथ कैलाश और आदि कैलाश के सुंदर दर्शन हुए। उन्होंने बताया कि यहां से मात्र 18 किमी की हवाई दूरी पर कैलाश के मनोरम दर्शन किए जा सकते हैं। उन्होंने निगम के एमडी डॉ. संदीप तिवारी के हवाले से बताया कि इन दोनों ही स्थानों की ऊंचाई लगभग 19000 फीट है जहां ऑक्सीजन की कमी है साथ ही आम तौर पर यहां चलने वाली बेहद तेज हवा यहां से दर्शन के मार्ग में बाधक हैं। बाजपेयी ने बताया कि नाभीढांग से 8 किमी के बाद और जौलिंगकोंग से 13 किमी के बाद जो पैदल ट्रेक है वह भी बर्फीला फिसलन वाला रास्ता है। इस सब के बाद भी ऊपर पहुंच कर यदि कोहरा हो तो दर्शन होना मुश्किल है लेकिन इस सब के बाद भी यहां से सुगमता से कैलाश दर्शन की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

बुनियादी सुविधाएं बचाने के लिए सड़क पर उतरे आईडीपीएल के बाशिंदे

ऋषिकेश, एजेंसी।
आईडीपीएल आवासीय कॉलोनी में प्रशासन ने आज शाम से बिजली और पानी के कनेक्शन काटने की तैयारी कर रखी है। बुनियादी सुविधाओं को बचाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को कॉलोनी के लोग सड़क पर उतर आए और रैली निकालकर सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया।

आवासीय कल्याण समिति के बैनर तले आईडीपीएल आवासीय कॉलोनी के लोगों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। इस दौरान उन्होंने नगर निगम गेट से त्रिवेणी घाट गांधी स्तंभ तक आक्रोश रैली निकाली। गांधी स्तंभ पर हुई सभा को संबोधित करते हुए कॉलोनी के लोगों ने कहा कि एक जुलाई को बिजली, पानी के कनेक्शन काटने का फैसला वापस लिया जाना चाहिए। निरस्त किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि, आईडीपीएल कालोनी और कृष्णानगर के लोगों के रहने की स्थायी व्यवस्था की जाए। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो कालोनी के लोग कठोर निर्णय लेते हुए आंदोलन शुरू कर देंगे।

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा, आईडीपीएल में कार्यरत कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के स्थान पर जबरदस्ती सेवानिवृत्ति दी गई है। उनका वेतन रिवाइवल नहीं किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद पूरा पैसा भी नहीं दिया गया। स्थायी आवास नहीं मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन करने वालों में सुनील कुटलैहडिया, संदीप कुमार, रामेश्वरी चौहान, हेमंत, संजीव, राजेश, राकेश भाटिया, मुकेश, उर्मिला, नीलम, नेहा, सूरज, सुमित्रा बिष्ट, कुंती देवी, संगीता बंसल, भगवती चमोली, यशोद नेगी, विमला देवी रौथाण, सरुपी देवी, रविंद्र कौर शामिल थे।

इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (आईडीपीएल) एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है। कंपनी का एक संयंत्र वीरभद्र ऋषिकेश में राज्य सरकार की ओर से दी गई आरक्षित वन पट्टा भूमि पर है। 1967 में यहां उत्पादन शुरू हुआ था। 1991 की औद्योगिक नीति के कारण आईडीपीएल फैक्टरी पर संकट छा गया था। जिसके बाद तत्कालीन सरकार ने इसे रुग्ण फैक्टरियों की लिस्ट में शामिल कर दिया था। 1996 में फैक्टरी में उत्पादन सीमित कर दिया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 दिसंबर 2016 को कंपनी को बंद करने का निर्णय लिया था। कैबिनेट के फैसले के अनुसार संयंत्र में सभी उत्पादन गतिविधियां बंद हो गई और सभी नियमित कर्मचारियों को वीआरएस दे दिया गया। 17 जून 2020 को इस जमीन को राज्य सरकार को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। 27 नवंबर 2022 में फैक्टरी की लीज खत्म हो गई। जिसके बाद राज्य सरकार ने फैक्टरी को अपने अधीन कर लिया।

आईडीपीएल के जनरल मैनेजर संजय कुमार ने बताया कि इसी वर्ष सात जून को केंद्र सरकार ने आईडीपीएल में 30 जून 2023 की शाम से सभी बुनियादी सुविधाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रबंधन ने शासन प्रशासन से पत्राचार किया है।

इस फैक्टरी में 26 सौ आवासीय भवनों का निर्माण किया गया था। जिसमें करीब 1162 भवन खंडहर भी हो चुके हैं। जो भवन सही हालत में हैं उनमें लोग रह रहे हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से आईडीपीएल में करीब 15 सौ से अधिक भवन खाली करने के निर्देश दिए हैं। जिसमें प्रथम चरण में करीब 227 भवन खाली होंगे। अब तक करीब आधा दर्जन भवन खाली हो चुके हैं। तहसील प्रशासन की ओर से जल्द ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। लोगों ने बताया कि यहां रह रहे ज्यादातर परिवारों के पास अपना घर नहीं है, ऐसे में कॉलोनी खाली कराए जाने से उनके सामने छत का संकट खड़ा हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में आठ करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए आरोपित के पास से आठ करोड़ रुपये की हेरोइन और ट्रामडोल पाउडर बरामद हुआ है।

झारखंड के रहने वाले दोनों आरोपित पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान झारखंड के चतरा निवासी 26 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार और 40 वर्षीय विशेश्वर यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 1.505 किलोग्राम अच्छी गुणवत्ता वाली हेरोइन और 2.216 किलोग्राम ट्रामाडोल पाउडर जब्त किया है। 23 सूचना को पुलिस को मिली थी सूचना विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि 23 जून को पुलिस को सूचना मिली कि धर्मेंद्र कुमार अपने अन्य सहयोगियों के साथ कुछ लोगों को नशीली दवाओं की एक बड़ी खेप देने के लिए सराय काले खां में आएगा। सरगना को आपूर्ति कर रहा था ड्रग्स अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों ने ड्रग तस्कर होने और अपने साथ हेरोइन और ट्रामाडोल ले जाने की बात कबूल की। उन्होंने आगे बताया कि वे नेटवर्क के सरगना दिनेश यादव के निर्देश पर ड्रग्स की आपूर्ति कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सरगना दिनेश यादव को पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

लुटियन दिल्ली में सड़क की खुदाई पर रोक

नई दिल्ली। लुटियन दिल्ली में सितंबर महीने तक सड़क पर खुदाई नहीं कर सकेंगे। इस संबंध में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। एनडीएमसी के मुताबिक, मानसून को देखते हुए सड़क की खुदाई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया। यह प्रतिबंध एक जुलाई से 30 सितंबर तक लागू रहेगा। हालांकि, आपातकालीन स्थिति में सक्षम अधिकारी से अनुमति ले सकते हैं। जिन सड़कों पर पहले से काम चल रहे हैं, उनको साफ-सुथरा और समतल किया जाएगा।

जनता के टैक्स से मिल रहीं सारी सुविधाएं छोड़ें उपराज्यपाल : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता को मुफ्त की चीजों की आदत पड़ने के बयान पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर पलटवार किया। आप ने कहा कि उपराज्यपाल को केजरीवाल सरकार से दिल्ली की जनता को मिल रहीं मुफ्त सुविधाओं से इतनी दिक्कत है तो फिर उन्हें जनता के टैक्स के पैसों से मिल रहीं सारी सुविधाएं तत्काल छोड़ देनी चाहिए। उन्हें हर माह 3-4 हजार यूनिट बिजली, नौकर, स्टाफ, गाड़ी मिलती है। लिहाजा दिल्ली की जनता का अपमान करने के लिए उपराज्यपाल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उपराज्यपाल दिल्ली के बाहर के रहने वाले हैं इसलिए दिल्ली की जनता को बदनाम करने की कोशिश में लगे हुए हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि दिल्ली के लोगों में अपनापन नहीं है और फिर 29 जून को दिल्ली की जनता को मुफ्तखोर बता दिया। यह दिल्ली के लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग बहुत ही मेहनती है और सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं।

मुफ्त सुविधाओं से इतनी दिक्कत है तो जनता के टैक्स से मिल रही सारी सुविधाएं छोड़ दें एलजी: प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

एलजी वीके सक्सेना द्वारा दिल्ली की जनता को मुफ्तखोर कहने पर आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को कड़ी आपत्ति जताते हुए उन पर तीखा हमला बोला। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर एलजी को केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली की जनता को दी जारी मुफ्त सुविधाओं से इतनी दिक्कत है तो फिर उनको भी जनता के टैक्स के पैसे से मिल रही सारी सुविधाओं को तत्काल छोड़ देनी चाहिए। एलजी को दिल्लीवालों के टैक्स के पैसे से हर माह 3-4 हजार यूनिट बिजली, नौकर, स्टाफ, गाड़ी मिलती है। यह भी मुफ्त की सुविधाएं ही हैं। एलजी को इन सारी सुविधाओं का त्याग कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एलजी वीके सक्सेना बाहरी हैं। इसलिए उनको ये नहीं पता है कि दिल्लीवाले बहुत मेहनती हैं और वित्तीय वर्ष 2022-23 में केंद्र को सबसे ज्यादा 1.78 लाख करोड़ टैक्स दिए हैं। इसलिए दिल्ली की जनता का अपमान करने के लिए एलजी वीके सक्सेना को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि एलजी विनय सक्सेना दिल्ली के बाहर से रहने वाले हैं। इसलिए वो दिल्ली की जनता को बदनाम करने की कोशिश में लगे हुए हैं। हाल ही में एलजी विनय सक्सेना ने कहा था कि दिल्ली के लोगों में आपनापन नहीं है और फिर 29 जून को दिल्ली की जनता को मुफ्तखोर बता दिया। यह दिल्ली के लोगों का अपमान है। इसलिए मैं बाहरी एलजी को बताना चाहती हूं कि दिल्ली के लोग बहुत ही मेहनती हैं और सबसे ज्यादा टैक्स देते है। दिल्ली की जनता ने केंद्र सरकार को वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1.78 लाख करोड़ टैक्स दिया है। इतना ज्यादा टैक्स देने के बाद भी केंद्र सरकार से दिल्ली की जनता को मिलने वाला हिस्सा केवल 325 करोड़ है। उन्होंने यह भी कहा कि फाइनेंस कमीशन के हिसाब से

जानकारी

- एलजी को दिल्लीवालों के टैक्स के पैसे से हर माह 3-4 हजार यूनिट बिजली, नौकर, स्टाफ, गाड़ी मिलती है, उनको ये सारी सुविधाएं छोड़ देनी चाहिए - प्रियंका कक्कड़
- बाहरी एलजी को नहीं पता है कि दिल्लीवाले बहुत मेहनती हैं और वित्तीय वर्ष 2022-23 में केंद्र को सबसे ज्यादा 1.78 लाख करोड़ रुपए बतौर टैक्स दिए - प्रियंका कक्कड़

485 रुपये प्रति व्यक्ति सिविक बॉडी को मिलना चाहिए लेकिन इसमें केंद्र सरकार दिल्ली के लोगों को एक रुपया नहीं देती है। दिल्ली में एक ईमानदार सरकार है। यही केंद्र की परेशानी है। दिल्ली की ईमानदार आप की सरकार लोगों से वसूले गए टैक्स का पैसा उन पर ही वापस खर्च कर सुविधाएं मुहैया कराती है।

आप को मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि एलजी विनय सक्सेना को अगर लगता है कि दिल्ली की जनता को मिलने वाली सुविधाएं मुफ्तखोरी है तो एलजी को राजनिवास में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि वहा मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दिल्ली की जनता के टैक्स के पैसे से ही मिलता है। एलजी को मुफ्त की बिजली, बिजनेस क्लास का हवाई टिकट, उनके हर स्टाफ और पीए तक की सैलरी भी दिल्ली की जनता देती है। अगर एलजी को दिल्लीवालों को मिलने वाली सुविधाओं से इतनी दिक्कत है तो उन्हें सारी सुविधा छोड़ देनी चाहिए जो जनता के पैसे से मिलती है और उनको दिल्ली भी छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एलजी को इसलिए बैठा रखा है कि वे दिल्ली के जनता के पैसे से सुविधाएं ले और उन्हीं के कामों को रोक दें। एलजी ने योगा क्लासेज, रेड लाइट ऑन गाड़ी और ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जा रहे टीचर्स को रोक दिया। केंद्र ने क्या एलजी को इसलिए बैठा रखा है कि वो दिल्ली के लोगों का काम रोकेंगे और जनता का अपमान करेंगे? एलजी को अपने बयान के लिए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए और अपने बयान को वापस लेना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में हो रही झमाझम बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-ठउफ में मानसून सक्रिय होने के बाद लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार सुबह के बाद दोपहर में भी कई इलाकों में बारिश से राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाके का मौसम खुशनुमा हो गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के मौसम का हाल बताते हुए कहा कि शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे। इस दौरान तापमान में गिरावट होगी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

शुक्रवार को भी जारी है बारिश का दौर

मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को भी बादल छाए रहेंगे। अधिकतम न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 25 डिग्री रह सकता है। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम स्तर की बरसात होने का अनुमान है। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश के बाद मौसम विभाग ने शहर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में 45 प्रतिश हो चुकी है वर्षा

बीते गुरुवार यानी 29 जून तक दिल्ली में 45 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। जून की सामान्य वर्षा 66.7 मिमी है, जबकि इस बार अभी तक 96.7 मिमी दर्ज की जा चुकी है। इससे पूर्व मार्च-अप्रैल और मई में भी इस साल सामान्य से अधिक ही वर्षा रिकार्ड की गई है। वहीं, गुरुवार को लगातार पांचवे दिन वर्षा का दौर जारी रहा और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। बृहस्पतिवार को सुबह से ही बादल छाए हुए थे। दिन में भी बादलों की आवाजाही चलती रही। दिल्ली के कई इलाकों में तेज बरसात हुई। इससे न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 100 से 71 प्रतिशत रहा।

साफ हुई दिल्ली की हवा लगातार हो रही वर्षा और तेज हवाओं का खासा असर वायु गुणवत्ता पर भी नजर आ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक बुधवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 93 रहा। इस स्तर की हवा संतोषजनक श्रेणी में आती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में वायु गुणवत्ता का स्तर संतोषजनक या मध्यम स्तर पर बना रहेगा।

केजरीवाल तीन जुलाई को जलाएंगे अध्यादेश की प्रतियां

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र द्वारा लाए गए दिल्ली में अध्यादेश के खिलाफ लगातार आम आदमी पार्टी (आप) भाजपा पर हमलावर है। इसी कड़ी में पार्टी ने घोषणा कि है कि तीन जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने सभी मंत्री और विधायकों के साथ मिलकर पार्टी मुख्यालय पर अध्यादेश की प्रतियों को जलाएंगे। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर एक बार फिर इस अध्यादेश के खिलाफ भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पांच जुलाई को सभी 70 विधानसभाओं में इसकी प्रतियां जलाई जाएंगी। 6 से 13 जुलाई तक दिल्ली के हर गली-मोहल्ले-चौक पर अध्यादेश की प्रतियां जलाई जाएगी। इस आदेश की कॉपी जब दिल्ली के कोने-कोने में जलाई जाएंगी तब यह संकेत जाएगा कि इस काले अध्यादेश से यहां के लोग खुश नहीं है। भारद्वाज ने आगे कहा कि दिल्ली की जनता ने 2013 में केजरीवाल को पहली बार 70 में से 67 विधानसभाओं पर जीत देकर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। 2015 में दूसरी और 2020 में 62 सीटें जीताकर तीसरी बार अपना मुख्यमंत्री चुना है। कहा जा सकता है कि देश के सबसे प्रसिद्ध मुख्यमंत्रियों में केजरीवाल का नाम शुमार होता रहा है।

भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने तीनों चुनावों में खूब जोर लगाया, लेकिन उनको जीत हासिल नहीं हुई। अब भाजपा दिल्ली के लोगों से बदला लेना चाहती है। दिल्ली में बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा और बुजुर्गों की तीर्थयात्रा मुफ्त है। इससे केंद्र को बहुत दिक्कत है। केंद्र सरकार गैर कानूनी तरीके से दिल्ली की सत्ता पर कब्जा जमाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने चुनी हुई सरकार को अधिकार दिया। उसके विपरीत केंद्र ने रात में ही अध्यादेश लाकर दिल्ली की पावर उपराज्यपाल को सौंप दी।

मंत्री ने कहा है कि भाजपा के कट्टर समर्थक भी कह रहे हैं कि ये दिल्ली की जनता के साथ धोखा है। इस काले अध्यादेश का विरोध करना चाहिए। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी इस अध्यादेश का दिल्ली की सड़कों पर विरोध करेगी।

ट्रक चालक को वैन ने कुचला, मौत

नई दिल्ली। मुंडका इलाके में गुरुवार रात को सड़क पार कर रहे ट्रक चालक रंजीत सिंह (48) की वैन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रंजीत सिंह पंजाब के समाना जिले का रहने वाला था। वह गुरुवार को ट्रक पर सामान लादकर मुंडका के हिरनकूदना मोड़ के पास पहुंचा। फिर ट्रक को खड़ा कर सड़क पार करने लगा, तभी तेज रफ्तार वैन ने रंजीत को टक्कर मार दी। वहां से गुजर रहे शख्स ने वैन का नंबर नोट कर पुलिस को सूचना दी। साथ ही घायल को सोनिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने वैन मालिक को नोटिस देकर चालक के बारे में जानकारी मांगी है।

छावनी में तब्दील हुआ विश्वविद्यालय कैंपस

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे सुरक्षाकर्मी, सुबह से ही चलती रही कैंपस से जुड़ीं सभी सड़कों पर गश्त

नई दिल्ली। शताब्दी वर्ष के समापन समारोह की सुबह से ही दिल्ली विश्वविद्यालय का नॉर्थ कैंपस छावनी में तब्दील नजर आया। विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से डीयू को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती थी। कदम-कदम पर रास्ते से गुजरने वालों पर पुलिस नजर रख रही थी। नॉर्थ कैंपस की ओर जाने वाले छात्रों व राहगीरों से पूछताछ करने के बाद ही आगे जाने की अनुमति थी। छात्रों व आने-जाने वाले राहगीरों के पहचान पत्र की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा था। कोई अप्रिय घटना न घटे, इसके लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था। एनएसजी का डॉग स्क्वॉड भी गश्त कर रहा था। विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के अंदर व बाहर भी कड़ी सुरक्षा रही। किसी भी यात्री को स्टेशन में रुकने नहीं दिया जा रहा था।

सड़कें रहीं बंद

समारोह की सुरक्षा को लेकर विश्वविद्यालय के खेल परिसर व नॉर्थ कैंपस की ओर जाने वाली सभी सड़कें बंद कर दी गई थीं। कई स्तर पर बैरिकेडिंग की गई थी। किसी तरह से बाहरी वाहन अंदर न जा पाएं, इसे लेकर वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रखी थी। अगर कोई वाहन जा भी रहा था तो उसकी तलाशी ली जा रही थी। मेट्रो स्टेशन के आसपास भी किसी को भी बैठने नहीं दिया जा रहा था। इस दौरान मुख्य सड़क पर यातायात को कुछ देर के लिए रोक दिया था, जिससे जाम की स्थिति बन गई थी।

एक झलक पाने को बेताब दिखे छात्र

पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए छात्र बेताब नजर आए। कोई दोस्तों के साथ तो कोई अपने शिक्षकों के साथ आया था। छात्रों को मोदी के मेट्रो से आने की सूचना मिली, वैसे ही छात्रों का जमावड़ा विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के बाहर लग गया था। समारोह संपन्न होने के बाद जैसे ही मोदी मेट्रो स्टेशन की ओर बढ़े, वैसे ही मेट्रो स्टेशन के पास छात्रों व राहगीरों की बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई। सुरक्षाकर्मियों को इस मौके पर लोगों को दूर रहने व स्टेशन के पास क्षेत्र को खाली करने की अपील करनी पड़ी। हालांकि, छात्र मोदी के साथ सेल्फी लेने के लिए आतुर दिखे। मोदी के मेट्रो स्टेशन के अंदर जाने के बाद लोग उनके काफिले में शामिल वाहनों के साथ सेल्फी लेते दिखे।

मौके पर मौजूद छात्रा सृष्टि ने बताया कि उसे समारोह में जाने का मौका नहीं मिला, जिससे वह बाहर ही मोदी को देखने के लिए आई थी। वह कहती हैं कि यह एक अच्छा अनुभव है। वहीं, छात्र अनुभव सिन्हा का कहना था कि वह कार्यक्रम में शामिल होने के मौके से चूक गए। सुबह 8:30 बजे से पहले पहुंचने को कहा गया था, लेकिन उनको देरी हुई। नौ बजे पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर जाने से मना कर दिया। ऐसे में स्टेशन पर बैठकर ही प्रधानमंत्री को देखना पड़ा।

आजीवन कारावास की सजा पाए पिता को हाईकोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रेम संबंध के चलते बेटी की हत्या के आरोप से एक व्यक्ति को बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित नहीं कर सका। इस व्यक्ति को हत्या का दोषी ठहराने और आजीवन कारावास की सजा सुनाने के निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि केवल डीएनए विश्लेषण साक्ष्य के आधार पर पिता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। डीएनए विश्लेषण से यह साबित होता है कि जो शव बरामद हुआ है वह अपीलकर्ता की जैविक बेटी का है। लेकिन अभियोजन पक्ष यह प्रमाणित नहीं कर सका कि बच्ची का हत्यारोपी उसका पिता ही है। अदालत ने अपीलकर्ता को हत्या और साक्ष्य नष्ट करने के आरोप से बरी किया है। न्यायमूर्ति पूनम ए बंबा की पीठ ने निर्देश दिया कि यदि किसी अन्य मामले में आवश्यकता न हो तो उस व्यक्ति को तुरंत रिहा कर दिया जाए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 10 मई 2013 को पुलिस को महरौली इलाके में नाले से बोरे में बंद शव बरामद हुआ था। महरौली पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने पूछताछ की तो शख्स ने दावा किया कि उसने अपनी बेटी की हत्या कर दी। क्योंकि वह किसी ऐसे व्यक्ति के साथ उसके रिश्ते से नाराज था जिसे वह स्वीकार नहीं करता था। जब वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि व्यक्ति और उसकी पत्नी के रक्त के नमूने लिए गए। डीएनए मिलान के लिए नमूनों को केन्द्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), सीबीआई को भेजा गया। डीएनए सैंपल का मिलान हो गया। इस व्यक्ति ने अपनी दोषसिद्धि को इस आधार पर चुनौती दी कि अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ मामला स्थापित करने में विफल रहा है।

भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या मामले में लॉरेंस बिश्नोई-नंदू गैंग का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली । मटियाला विधानसभा के भाजपा नेता रहे सुरेंद्र मटियाला की हत्या के मामले में एक और बदमाश को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से सोफिस्टिकेटेड पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किये हैं।

आरोपी नंदू-लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया जा रहा है। साथ ही यह नजफगढ़ जोन, किसान मोर्चा का अध्यक्ष भी बताया जा रहा है। यह हरियाणा स्टेट लेवल पर बास्केटबॉल प्लेयर भी रह चुका है। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान सुनील के रूप में हुई है। यह हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर एचएस धालीवाल ने बताया कि भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की 14 अप्रैल को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस मामले में पुलिस कई और आरोपित को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। उस मामले की छानबीन कर रही स्पेशल सेल की टीम को पता चला कि रोहित उर्फ छारा जो सुनील का स्कूल फ्रेंड है। उसने इसको नंदू से टेलीफोन पर बात करवाई थी। उसके बाद रोहित ने सुनील को बताया कि नंदू की तरफ से यह पूछा गया है कि क्या वह सुरेंद्र मटियाला को उसके ऑफिस में उसकी हत्या कर सकता है।

उसके बाद रोहित, सुनील और दूसरे कई और एसोसिएट ने मिलकर सुरेंद्र मटियाला की हत्या का प्लान बनाया और सरोजिनी नगर के फ्लैट में यह लोग रुके। उसके बाद 14 अप्रैल को गोली मारकर सुरेंद्र मटियाला की हत्या कर दी गई थी। बाद में उस मामले में छानबीन में पता चला कि इस हत्या के पीछे नंदू गैंग का हाथ है।

वहीं से अमाउंट भेजा गया था। हत्या के लिए पिस्टल खरीदी गई थी। पुलिस के अनुसार इस गैंग को पूरी तरह खत्म करने के लिए एक-एक क्रिमिनल के बारे में पता लगाकर उन्हें पकड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में लगातार स्पेशल सेल की टीम गैंगस्टर को पकड़ रही है।

रेलवे में नौकरी और टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड का सदस्य बताकर रेलवे में नौकरियां और टेंडर दिलाने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने अंतरराज्यीय गैंग का आर्थिक अपराध शाखा ने खुलासा किया है। पुलिस ने एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला सामाजिक कार्यकर्ता है और राजनेताओं के साथ अपना फोटो दिखाकर लोगों को चंगुल में फंसाती थी। आरोपी 15 पीड़ितों से 3.5 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। दूसरे आरोपी पर ठगी के पांच से अधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान भास्कर पोन्नाला (60) और केशवकुंज, विकासपुरी निवासी उमा के रूप में हुई है। साल 2022 में चेन्नई निवासी एस रविचंद्रन और चार अन्य शिकायतकताओं ने दिल्ली के आर्थिक अपराध शाखा में ठगी की शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भास्कर पोन्नाला और उमा ने खुद को रेलवे बोर्ड का सदस्य बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि रेलवे के ग्रुप सी और डी सेवाओं में वह नौकरी लगवा सकते हैं। शिकायतकर्ता प्रलोभन में आकर रेलवे में नौकरी पाने के लिए उन्हें मोटी रकम दे बैठे। उसके बाद आरोपियों ने शिकायतकताओं को रेलवे के फर्जी ऑफर लेटर और नियुक्ति पत्र दिए। कागजात को लेकर रेलवे कार्यालय पहुंचे तो पता चला कि वह जाली हैं। इसके बाद पुलिस के पास इस तरह की 15 शिकायतें आईं।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के बैंक खातों का विश्लेषण किया। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस उपायुक्त मोहम्मद इरशाद हैदर के देखरेख में टीम को पता चला कि इस मामले का आरोपी भास्कर पोन्नाला ठगी के एक मामले में हैदराबाद जेल में बंद है। पुलिस ने उसे प्रोडक्शन पर हिरासत में लिया और दिल्ली लाने के बाद उससे पूछताछ की। पूछताछ के बाद उसे 27 जून को उसे गिरफ्तार कर लिया। इससे बाद 29 जून को उमा को भी नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि भास्कर पोन्नला 12 वीं पास है। वह पिछले 12 साल से दिल्ली में संपर्क (लाइजनिंग) कार्य कर रहा था।

हीलियम गैस से पाइपलाइन में लीकेज ढूढ़ेगी जल बोर्ड

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को गंदे पानी की आपूर्ति को लेकर जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान निर्णय लिया गया कि हीलियम गैस और पाइप कैमरे के जरिए लीकेज को ढूढ़कर उसे बंद किया जाएगा। केजरीवाल ने अधिकारियों से कहा कि जहां से भी गंदे पानी की शिकायतें आती हैं, उसे जल्द से जल्द दूर करें। बैठक में जल मंत्री सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि बारिश के मौसम में दिल्ली के कुछ इलाकों के अंदर संकरी गलियों में जलभराव होने से गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत आने लगती है। इस पानी के सेवन से लोग बीमार भी हो रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड पाइप लाइन में लीकेज का पता लगाने के लिए हीलियम गैस या आधुनिक कैमरे का प्रयोग करे। इसकी मदद से पाइपलाइन के लीकेज का सही पता लगाकर उसे ठीक करें। अधिकारियों ने कहा कि हीलियम गैस और पाइप कैमरे के जरिए 500 मीटर तक किसी भी लीकेज के बारे में जानकारी जुटाई जा सकती है। अधिकारियों ने इसके लिए बजट की भी मांग की,

तीन जुलाई को आप मुख्यालय पर मंत्रियों के साथ केंद्र के काले अध्यादेश की प्रतियां जलाकर विरोध जताएंगे केजरीवाल :भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- भाजपा के कट्टर समर्थक भी अब आध्यादेश के विरोध में हैं और ये मान कर रहे हैं कि केंद्र सरकार ने दिल्लीवालों के साथ धोखा किया है- सौरभ भारद्वाज

भाजपा शासित केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली पर थोपे गए काले अध्यादेश के खिलाफ अब आम आदमी पार्टी सड़क पर उतर कर दिल्लीवालों के हकों की लडाई लडेगी। आप के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर इस काले अध्यादेश के खिलाफ जमीन पर कड़ा विरोध जताने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तीन जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ मिलकर पार्टी मुख्यालय पर केंद्र के अध्यादेश की प्रतियां जलाकर विरोध जताएंगे। इसके बाद 5 जुलाई को सभी विधानसभाओं में और 6 से 13 जुलाई तक दिल्ली के हर मोहल्ले, गली और चौराहे पर काले अध्यादेश की प्रतियां जलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग इस काले अध्यादेश से खुश नहीं हैं और केंद्र सरकार ने दिल्ली के साथ उनके साथ धोखा किया है। इससे दिल्लीवाले बहुत नाराज हैं। एलजी के जरिए भाजपा असंवैधानिक तरीके से दिल्ली पर कब्जा करना चाहती है। अब तो भाजपा के कट्टर समर्थक भी केंद्र के काले आध्यादेश के विरोध में हैं।

आप के वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की जनता ने पहली बार 2013 में अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री चुना। फिर 2015 में दोबारा 70 में से 68 सीटें देकर और 2020 में तीसरी बार 70 में से 62 सीटें देकर दिल्लीवालों ने अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री चुना। कहा जा सकता है कि देश के सबसे प्रसिद्ध मुख्यमंत्रियों में हमेशा अरविंद केजरीवाल का नाम शुमार होता रहा है। भाजपा ने अपने पूरे केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर तीनों चुनावों में पूरा जोर लगाया। मगर दिल्ली में उनकी करारी हार हुई। अब भाजपा और केंद्र सरकार दिल्लीवालों से बदला लेना चाहती है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार दिल्ली की जनता को मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुक्त विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था, वर्ल्ड क्लास स्कूल, अस्पतालों और मोहल्ला क्लिनिक में मुफ्त दवा व इलाज, महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा समेत हर तरीके की सुविधाएं दे रही है। मगर इससे भी केंद्र सरकार को बहुत कष्ट होता है। किसी राज्य में बीजेपी के मंत्री जाते हैं, तो वहां लोग कहते हैं कि हमें अरविंद केजरीवाल जैसी सरकार चाहिए। जब केंद्र सरकार के सारे हथकंडे चुनावों में फेल हो गए, तो अब ये एलजी के माध्यम से किसी भी तरह दिल्ली पर एक गैरकानूनी कब्जा करना चाहते हैं। यह काला अध्यादेश उसी गैरकानूनी कब्जे का तरीका है।

आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत के 5 जजों के संवैधानिक पीठ ने फैसला लिया है कि अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार का है। इसे लेकर साढ़े 8 साल तक आम आदमी पार्टी ने लड़ाई लड़ी। अरविंद केजरीवाल सही कहते थे कि ये अधिकार दिल्ली की चुनी हुई सरकार के हैं। मगर केंद्र सरकार और बीजेपी दिल्लीवालों से झूठ कहती थी। यह अधिकार हमेशा से संविधान में दिल्ली की चुनी हुई सरकार को मिले थे। केंद्र ने उनके ऊपर जबरदस्ती कब्जा किया हुआ था। जिस दिन सुप्रीम कोर्ट छुट्टी पर गया, उसी रात यह काला अध्यादेश लाकर दिल्लीवालों से, अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी से बदला लिया गया।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के अंदर भाजपा के कट्टर समर्थक भी इस बात को कह रहे हैं कि केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर ठीक नहीं किया। यह एक तरह से दिल्लीवालों के साथ धोखा हुआ है। आज दिल्ली में गरीब से लेकर मिडल क्लास और बच्चों से लेकर युवाओं तक यही कह रहे है कि केंद्र सरकार के काले अध्यादेश का हर तरह से विरोध किया जाना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्लीवालों के साथ मिलकर इस काले अध्यादेश का विरोध करने के लिए एक तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू करने जा रही है। जिसमें सबसे पहले 3 जुलाई को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सभी कैबिनेट मंत्री और आप के विधायक दल के साथ मिलकर आम आदमी पार्टी मुख्यालय में केंद्र सरकार के अध्यादेश की प्रतियों को जलाएंगे। इसके बाद 13 जुलाई तक दिल्ली के हर गली-मोहल्ले, कॉलोनी- सेक्टर, चौराहे-सड़कों व कोने-कोने में इस काले अध्यादेश की प्रतियों को जलाया जाएगा। इस दौरान दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सभी उपाध्यक्ष सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली के हर मंडल पर इस काले अध्यादेश की प्रतियों को जलाया जाए।

आनंद पर्वत में बिल्डिंग की छ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 01 जुलाई, 2023

चुनिंदा इलाकों में आ रही गंदे पानी की समस्या का आधुनिक तकनीक से समाधान करेगी केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली के चुनिंदा इलाकों में आ रही गंदे पानी की समस्या का आधुनिक तकनीक की मदद से स्थाई समाधान करेगा। बारिश के दौरान जलभराव होने से अक्सर गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें बढ़ जाती हैं। इसका स्थाई समाधान करने को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उच्च स्तरीय बैठक कर डीजेबी के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी को पारंपरिक तरीकों के बजाय आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने पर जोर दिया और कहा कि डीजेबी हिलियम गैस या मॉडर्न कैमरा की मदद से पाइप लाइन के लीकेज का सही पता लगाकर उसे ठीक करने की संभावना भी तलाशे और इस पर शीघ्र काम शुरू किया जाए। दिल्ली के लोगों को साफ पानी की सप्लाई करने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के जल मंत्री एवं डीजेबी के चेयरमैन सौरभ भारद्वाज, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान कुछ चुनिंदा इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या को रोकना था। डीजेबी ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि बारिश के मौसम में दिल्ली के कुछ इलाकों के अंदर संकरी गलियों में जब जल भराव की स्थिति पैदा होती है, तब कुछ घरों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत आने लगती है। इस दौरान कुछ घरों में आपूर्ति होने वाला पानी गंदे पानी के साथ मिक्स हो जाता है। इस गंदे पानी का सेवन करने से लोगों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। जिसमे ज्वाइंडिस, पीलिया, टाइफाइड या पेट खराब होने जैसी बीमारियां शामिल हैं।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष पेश किया रोडमैप सीएम अरविंद केजरीवाल ने तीन सप्ताह पहले जोन के एसीएम को उन इलाकों की सूची बनाने का आदेश दिया था, जहां पर अक्सर गंदे पानी की शिकायतें आती हैं। पिछले दो हफ्ते में सभी एसीएम ने स्थानीय विधायकों के साथ मिलकर जानकारी इकट्ठी की, जहां गंदे पानी की शिकायत आती है और इन इलाकों की सूची तैयार की। साथ ही, एसीएम ने इस गंदे पानी की शिकायत को खत्म करने को लेकर एक रोडमैप बनाया। शुक्रवार को हुई बैठक के दौरान उस रोडमैप को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष पेश किया गया।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने गंदे पानी की समस्या को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर दिया बल इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने जल बोर्ड के अधिकारियों को पारंपरिक तरीकों को छोड़कर आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने पर जोर दिया, ताकि घरों में बारिश के दौरान गंदे पानी की सप्लाई की समस्या का स्थाई समाधान हो सके। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने गंदे पानी की समस्या के निवारण करने को लेकर दो आधुनिक उपायों के उदाहरण प्रस्तुत किए। पहला, हिलियम गैस द्वारा बिना किसी गली को खोदे और रोड को काटे ऐसे पॉइंट्स का पता लगा सकते हैं, जहां पर पानी की लाइन में लीकेज है और उससे गंदे पानी की आपूर्ति की संभावनाएं हैं। हिलियम गैस से सही प्वाइंट का पता लगाकर उसे खोदेंगे, जहां पर पाइप लाइन टूटी हुई है और उसकी मरम्मत की जा सकती है।

दूसरा, मौजूदा वक्त में फाइन ट्यूब के साथ मॉडर्न कैमरा उपलब्ध है, जिसको पाइप लाइन के अंदर डाल सकते हैं और वो कैमरा करीब 500 मीटर तक बता सकता है कि कहां-कहां पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है। कैमरा से ऐसी जगहों का पता लगाकर जल बोर्ड के अधिकारी उसकी मरम्मत कर गंदे पानी की समस्या से निजात दिला सकते हैं। इस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी को हिलियम गैस या मॉडर्न कैमरा की मदद से पाइप लाइन के लीकेज का सही पता लगाकर उसे ठीक करने की संभावना तलाशे का निर्देश दिया।

मीटिंग के दौरान दिल्ली जल बोर्ड ने आधुनिक तकनीक की मदद से गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या को दूर करने को लेकर कुछ बजट की भी मांग की। इस पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी के चेयरमैन को आदेश देते हुए कहा कि गंदे पानी की आपूर्ति की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी राशि को आने वाले बजट में शामिल किया जाए, ताकि इसके लिए पैसे की कमी न हो सके और युद्ध स्तर पर गंदे पानी की समस्या का स्थाई तौर पर समाधान किया जा सके। सीएम अरविंद केजरीवाल ने डीजेबी को दूषित जल आपूर्ति वाले सूचीबद्ध इलाकों की जांच और सत्यापन करने का भी निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर उच्च स्तरीय बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली जल बोर्ड के साथ नियमित समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से डीजेबी के उस विस्तृत प्लान के बारे में पूरी जानकारी ली, जिसके माध्यम से जल बोर्ड दिल्ली के कुछ चुनिंदा इलाकों में आ रही गंदे पानी की समस्या को खत्म करेगा।डीजेबी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना पूरा रोडमैप प्रस्तुत करते हुए ये बताया कि इस समस्या को खत्म करने के लिए जल बोर्ड आधुनिक तकनीक जैसे हीलियम गैस एवं अत्याधुनिक कैमरों का इस्तेमाल करेगा और पाइपलाइन लीकेज के बारे में पता लगाकर उसका स्थाई समाधान करेगा। मुख्यमंत्री ने इस सम्बंध में जल बोर्ड चेयरमैन एवं मंत्री सौरभ भारद्वाज को आदेश दिए कि दिल्ली के लोगों को साफ और स्वच्छ पानी की सप्लाई देने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इस प्लान को जल्द और बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया जाए।

मेट्रो में छात्रों से क्या बात कर रहे थे पीएम मोदी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने मेट्रो में पहुंचे थे, जहां उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास को लेकर चर्चा की। अब पीएम मोदी की मेट्रो यात्रा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें प्रधानमंत्री छात्रों से कई सवाल करते हुए नजर आ रहे हैं। वह वीडियो की शुरूआत में एक छात्रों से उनके मूल शहरों के बारे में पूछते हैं, जिस पर छात्र एक-एक कर जवाब देते हैं। इसके बाद पीएम उनसे देश के अलग-अलग राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं के बारे में पूछते हैं कि क्या वह उन भाषाओं के कुछ शब्दों को समझते हैं।

विद्यार्थी पीएम से परीक्षा पर चर्चा, विदेशों भारत की बदलती छवि से जुड़े कई सवाल पूछते हैं। इस पीएम कहते हैं कि इस देश के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। बस उसको सही दिशा मिलने की देर है फिर हमारे युवा हर मंच पर हमारे देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री ने शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा सिर्फ सिखाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि ये सीखने की भी प्रक्रिया है। आज युवा कुछ नया करना चाहता है, अपनी लकीर खुद खींचना चाहता है। हमारे देश में साल 2014 से पहले सौ स्टार्टअप थे। अब भारत में स्टार्टअप की संख्या 1 लाख पार कर गई है। हमारे एजुकेशन इंस्टिट्यूट्स दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। एक वक्त था जब छात्र किसी इंस्टीट्यूट में एडमिशन से पहले केवल प्लेसमेंट को प्राथमिकता देते थे, पर आज युवा कुछ नया करना चाहते हैं। अकऔर श्फसाइंस फिक्शन, जिसको हम फिल्मों में देखते थे। वह अब हमारे जीवन का हिस्सा हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 1 मई, 1922 को हुई थी। पिछले सौ वर्षों में, विश्वविद्यालय का काफी विकास हुआ है और अब इसमें 86 विभाग, 90 कॉलेज, 6 लाख से अधिक छात्र हैं जो राष्ट्र निर्माण में बेजोड़ योगदान दे रहे हैं।

अडानी घोटाले का सच जेपीसी जांच से आएगा सामने : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी की घनिष्ठता के कारण अडानी महा घोटाला हुआ है और इसमे कोई भी जांच असरदार नहीं होगी इसलिए सिर्फ संयुक्त संसदीय समिति(जेपीसी) की जांच से ही इसकी असलियत सामने लाई जा सकती है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि पार्टी पहले से ही मानती है कि उच्चतम न्यायालय की विशेषज्ञ समिति और सेबी की जांच का दायरा सीमित है और सिर्फ जेपीसी ही अडानी ग्रुप के साथ प्रधानमंत्री मोदी के घनिष्ठ संबंधों की जांच कर सकती है।

उन्होंने कहा कि इस जांच से यह भी पता लगा सकता है कि श्री मोदी ने अपने करीबी दोस्तों की मदद के लिए कानूनों, नियमों और विनियमों को बदलकर देश तथा विदेशों में अडानी समूह के व्यवसाय को व्यक्तिगत रूप से कैसे सुविधाजनक बनाया है। उनका कहना था कि यह महा घोटाला है और इसके सभी पहलुओं को सिर्फ जेपीसी जांच के माध्यम से ही सामने लाया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा, सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी ने अडानी महा घोटाले पर सेबी के दृष्टिकोण के संबंध में सॉफ्ट लेकिन दोषी ठहराने जैसी भाषा का इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सेबी की तरफ से विनियामक विफलता नहीं हुई है, हालांकि जांच में कई विनियामक विफलताओं का उल्लेख है। इनमें नियमों में बदलाव भी शामिल है, जिनकी वजह से अपारदर्शी विदेशी फंड्स को भारी मात्रा में अडानी की कंपनियों में निवेश करने की इजाजत मिली। सेबी बोर्ड की 28 जून की बैठक के बाद सख़्त रिपोर्टिंग नियमों को फिर से लागू करना नियामक संस्था द्वारा सार्वजनिक रूप से अपराध स्वीकार करना दशार्ता है। उन्होंने कहा कि सेबी का निदेशक मंडल स्वीकार करता है कि उसे न्यूनतम पब्लिक शेयर होल्डिंग की आवश्यकता जैसे नियमों की अनदेखी को रोकने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है और ठीक यही आरोप अडानी ग्रुप के खिलाफ है और इसीलिए इसने उन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए स्वामित्व, आर्थिक हित और नियम अतिरिक्त विस्तृत स्तर के खुलासे को अनिवार्य कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, इस संबंध में पार्टी ने सरकार से 100 सवाल किए लेकिन कोई जवाब इन सवालों का नहीं मिला। अब पार्टी को 14 अगस्त को आने वाली सेबी की रिपोर्ट का इंतजार है। हम महत्वपूर्ण सवालों पर स्पष्टता की उम्मीद करते हैं और जानना चाहते हैं कि अडानी की कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपए कहां से आए।

आइसा का मोदी के डीयू दौरे से पहले उसके कार्यकताओं को नजरबंद करने का दावा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा माले की छात्र इकाई आइसा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दौरे से पहले उसके कार्यकताओं को उनके घरों के अंदर हिरासत में रखा गया और उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। हालांकि, दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि किसी भी छात्र को हिरासत में नहीं लिया गया है।

आइसा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष अभिज्ञान ने कहा, प्रधानमंत्री की यात्रा का हवाला देते हुए, मुझे और आइसा डीयू सचिव अंजलि को हमारे फ्लैट में हिरासत में रखा गया है और हमें परिसर में जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा, हमें कोई वारंट या आदेश नहीं दिखाया गया और हमें नहीं मालूम कि वे यहां कितने समय तक रहेंगे। अभिज्ञान ने अपने फ्लैट के बाहर पुलिस की वर्दी में बैठे लोगों की दो तस्वीरें भी ट्विटर साझा कीं।

मोदी विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह की अध्यक्षता करने के लिए आज दिल्ली विश्वविद्यालय गए। इससे पहले, उन्होंने नॉर्थ कैंपस जाने के लिए दिल्ली मेट्रो में यात्रा की।

इहबास में हुआ ओटी.के पास बने पार्क का उद्घाटन : डॉ.उपाध्याय

नई दिल्ली। इहबास अस्पताल में हुआ ओटी के साथ बने गीता गार्डन पार्क का उद्घाटन। गीता गार्डन पार्क का उद्घाटन असिस्टेंट नर्सिंग सुप्रीटेंडेंट बिमला गुप्ता, न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी डॉ पी के उपाध्याय और ऑपरेशन थिएटर इंचार्ज रेखा खत्री ने किया। ओटी के साथ बनाए नए गीता गार्डन पर बात करते हुए डॉ उपाध्याय ने बताया की इस गार्डन को बनाने के पीछे का हमारा यह मकसद था कि जब कभी भी किसी मरीज का ऑपरेशन होता है तो वह न सिर्फ परेशान होता है बल्कि उसे मानसिक तनाव भी बहुत होता है व मरीज के साथ साथ जो उसके परिजन होते है वह भी परेशान होते है और उन्हें भी मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है, तो हमनें सोचा क्यों न कुछ ऐसा किया जाए जिससे मरीज और उसके परिजन दोनों का ही तनाव कमहो, तब हमने ओटी के साथ की पारदर्शिता खाली जगह पर गीता गार्डन बनाने की सोची ताकि जब भी कोई मरीज ऑपरेशन के लिए ओटी में जाए तो ओटी के साथ की पारदर्शिता जगह पर गीता गार्डन देख के, फूल पत्तियां देख के, पेड़ पौधे देख के उसका मानसिक तनाव कम हो और मरीज को सुकून मिले। इसके साथ साथ ऑपरेशन के दौरान मरीज के परिजन भी परेशान होते है तो अपनी परेशानी को दूर करने के लिए और अच्छा महसूस करने के लिए वह भी गीता गार्डन में घूम सकते है, बैठ सकते है, आराम कर सकते है क्योंकि हरियाली को देख के लोगों को सुकून मिलता है और उनका मानसिक तनाव भी कम होता है।

आर डब्ल्यू ए राम नगर ने पौधे लगाकर दिया सन्देश : दीपक शर्मा

नई दिल्ली । आर. डब्ल्यू ए राम नगर ने शाहदरा जिला के जिलाधिकारी के आहवान पर वृक्ष मित्र सदस्यों के साथ मिलकर राम नगर वार्ड स्थित श्री राम पार्क में अधिक संख्या में पौधारोपण किया इस मौके पर स्कूल लिटिल फ्लॉवर के डायरेक्टर रोहित दुआ ने बडी संख्या में छात्र छात्राओं के साथ पहुँचकर समाज को एक सन्देश दिया कि शिक्षा के क्षेत्र में तो हमारा स्कूल अव्वल है लेकिन समाज को पर्यावरण के प्रति जागरुक करने व अन्य सामाजिक कार्यों में भी हमारा स्कूल आगे रहता है। इस मौके पर आर डब्ल्यू ए के चैयरमेन रवि पण्डित व महासचिव देवेंद्र पाल शर्मा ने सभी छात्र छात्राओं को जलपान कराया इस अवसर पर आर डब्ल्यू ए के संस्थापक/अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा भारत की संस्कृति का मान रखते हुए यह शुभ कार्य क्षेत्र के समस्त वरिष्ठ नागरिकों (बुजुर्गों)के हाथों से पौधे लगवाये और वृक्ष मित्र के सदस्य धीरज यादव व उनकी पूरी टीम व लिटिल फ्लावर स्कूल के डायरेक्टर रोहित दुआ का आभार प्रकट किया यह स्कूल ऐसे सामाजिक कार्यों में बढचढ कर हिस्सा लेता है इनसे और स्कूलों को सीख लेनी चाहिए इस अवसर पर आर डब्ल्यू ए के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे जिसमें कानूनी सलाहकार सुभाष सभरवाल, आनंद तिवारी, प्रमोद शर्मा, ईश्वर ठाकुर, राधे श्याम शर्मा, बलबीर सिंह, गजेंद्र मलिक, शूरवीर चौहान, परमानन्द माहेश्वरी, राम किशन वर्मा, किशन गोपाल यादव, गौरव सोनी व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जगदीश टाइटलर के खिलाफ केस में मंजीत सिंह जी.के. जबरन शिकायतकर्ता बनने का प्रयास कर रहे हैं: हरमीत

- माननीय न्यायाधीश ने आज सारा रिकार्ड तलब कर मामले की सुनवाई 6 जुलाई तक के लिए मुलतवी कर दी।
- न्यायाधीश द्वारा स्पष्ट कहा गया कि सभी दस्तावेजों का पूरा अध्ययन करने के बाद वह सुनवाई करेंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह जी.के. 1984 सिख नरसंहार मामले में जगदीश टाइटलर के खिलाफ केस में जबरन शिकायतकर्ता बनने का प्रयास कर रहे हैं। आज यहां जगदीश टाइटलर के खिलाफ मामले की सुनवाई के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए हरमीत सिंह कालका व जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि मनजीत सिंह जी.के द्वारा बार-बार अदालत में स्वयं को शिकायतकर्ता के तौर पर पेश करने का प्रयास किया गया जिसका माननीय कोर्ट ने गंभीर नोटिस लिया है। माननीय न्यायाधीश ने जी.के को स्पष्ट कहा कि वह जबरन शिकायतकर्ता नहीं बन सकते। अगर सी.बी.आई को उनकी गवाही की आवश्यकता पड़ी तो उन्हें बता दिया जाएगा पर वह मामले में शिकायतकर्ता नहीं बन सकते। उन्होंने बताया कि समूचा रिकार्ड कड़कड़ढूमा कोर्ट में है। माननीय न्यायाधीश ने आज सारा रिकार्ड तलब कर मामले की सुनवाई 6 जुलाई तक के लिए मुलतवी कर दी। न्यायाधीश द्वारा स्पष्ट कहा गया कि सभी दस्तावेजों का पूरा अध्ययन करने के बाद वह सुनवाई करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस केस की सी.बी.बाई द्वारा बहुत ही गंभीरता के साथ पैरवी की जा रही है।

पत्नी को अपशब्द कहने के विरोध पर चाकू से हमला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सागरपुर इलाके में पत्नी को अपशब्द कहने का विरोध करने पर आरोपी ने 4 वर्षीय मासूम के सामने पिता पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित के मकान मालिक ने उसे अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 30 वर्षीय महेन्द्र साहनी डाबरी एक्सटेंशन में रहता है। परिवार मूलतः सीतामढ़ी बिहार का रहने वाला है। परिवार में पत्नी और 4 वर्षीय बेटी है। महेंद्र ने बताया कि वह बेटी कृति के साथ दूध लेने संतोष की दुकान पर गया था। वहां संतोष और उसका रिश्तेदार प्रभाकर शराब पी रहे थे। दुकान पर संतोष की पत्नी बैठी थी। संतोष ने महेंद्र की पत्नी को लेकर अपशब्द बोलने शुरू कर दिए। महेन्द्र ने विरोध किया तो उन्होंने झगड़ा शुरू कर दिया और बेटी के सामने गले पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों आरोपी घायल महेन्द्र की पिटाई करते रहे। इसे देख महेन्द्र की बेटी घर गई और मकान मालिक के बेटे रोहित मौर्या को बताया। रोहित मौके पर पहुंचा और महेन्द्र को डीडीयू अस्पताल में भर्ती कर पुलिस को सूचना दी। सागरपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे गुट को फंसाने के लिए फायरिंग कराई, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सब्जी मंडी पुलिस ने किन्नर के घर पर अंधाधुंध फायरिंग के मामले में मुख्य आरोपी को सोमवार रात को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी देवेश उर्फ देवा ने बताया कि दूसरे गुट को फंसाने के लिए उसने फायरिंग कराई थी। डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि इस साल तीन फरवरी को पायल किन्नर के घर पर स्कूटी सवार बदमाशों ने छह राउंड फायरिंग की थी। इलाके के बंटवारे को लेकर पायल और बुलबुल किन्नर में विवाद चल रहा था। इसलिए पायल ने बुलबुल और उसके साथी सोनू सरदार पर फायरिंग करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और फुटेज के आधार पर दो युवकों को गिरफ्तार किया। दोनों बदमाश सोनू सरदार गिरोह के नहीं थे, इसलिए फायरिंग की वजह का पता नहीं चल पाया। इन दोनों को भी फायरिंग के विषय में जानकारी नहीं थी। एसएचओ राम मनोहर मिश्रा की टीम को पता लगा कि देवेंद्र उर्फ देवा इस वारदात के पीछे था। वह पुलिस अपनी योजना सफल होने पर सब्जी मंडी इलाके में अपने मकान को किराए पर देकर आजादपुर सब्जीमंडी इलाके में रहने लगा था। टीम को सूचना मिली कि सोमवार रात को देवेश किराया लेने के लिए बर्फखाना चौक के पास आया है। इस जानकारी पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। देवेश ने बताया कि वह सोनू पहलवान गिरोह का सदस्य है। इस समय सोनू पहलवान जेल में है जिसकी वजह से प्रतिद्वंद्वी सोनू सरदार गिरोह का वर्चस्व इलाके में बढ़ रहा था। इसे कम करने के लिए उसने पायल पर फायरिंग कराई और बुलबुल से निकटता होने की वजह से सोनू सरदार का नाम इसमें आया।

अब दिल्ली मेट्रो में दो बोतल शराब ले जा सकेंगे यात्री

- यह बयान जारी कर डीएमआरसी ने मेट्रो में शराब ले जाने पर लगाई गई अपनी पाबंदी वापस ले ली है।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों को शराब की दो बोतलें लेकर सफर करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने आधिकारिक बयान में कहा है कि दिल्ली मेट्रो के नियमों में बदलाव किया गया है।

एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के प्रावधानों के अनुरूप अब दिल्ली मेट्रो में प्रति व्यक्ति को शराब की दो सीलबंद बोतलें ले जाने की अनुमति है। डीएमआरसी ने अपने बयान में साफ किया है कि सिर्फ शराब की सीलबंद दो बोतल लेकर चलने की अनुमति दी गई है। शराब पीकर गलत हरकत करने या मेट्रो में शराब पीने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बयान जारी कर डीएमआरसी ने मेट्रो में शराब ले जाने पर लगाई गई अपनी पाबंदी वापस ले ली है।

अभी तक दिल्ली मेट्रो की सिर्फ एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में ही शराब की बोतलें लेकर यात्रा करने की अनुमति थी। नियमों में बदलाव के बाद अब मेट्रो की अन्य सभी लाइनों में भी शराब की बोतल लेकर यात्रा की जा सकेगी। मेट्रो में शराब लेकर चलने पर प्रतिबंध के फैसले को लेकर सीआईएसफ अधिकारियों के साथ डीएमआरसी के अफसरों ने समीक्षा की थी। इसके बाद यह फैसला लिया गया।

आतिशी ने पहली बार स्कूल लीडरशिप और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग लेने पहुँचे एमसीडी प्रिंसिपलों का बढ़ाया उत्साह

इतिहास में पहली बार एमसीडी स्कूलों के प्रिंसिपलों को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है आईआईएम अहमदाबाद

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

शिक्षा मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को आईआईएम अहमदाबाद जाकर पहली बार स्कूल लीडरशिप और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग लेने पहुँचे एमसीडी प्रिंसिपलों से बातचीत की और उनका उत्साह बढ़ायो एमसीडी के इतिहास में पहली बार हुआ है जब इन स्कूलों के प्रिंसिपलों को ट्रेनिंग के लिए आईआईएम भेजा गया है ऐसे में शिक्षा मंत्री का आईआईएम का दौरा करना और वहां एमसीडी स्कूलों के प्रिंसिपलों से मिलना एक बहुत ही सराहनीय कदम साबित हुआ और इससे शिक्षकों में ट्रेनिंग के लिए आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा है इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों के बाद अब एमसीडी के स्कूलों में भी शिक्षा क्रांति आएगी और ये सभी प्रिंसिपल उस क्रांति के ध्वजवाहक बनेंगे उन्होंने प्रिंसिपलों से कहा कि, आप सभी प्रिंसिपल एमसीडी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों व उनके पैरेंट्स के बेहतर भविष्य की उम्मीद है, इसलिए एक मिशन की तरह ट्रेनिंग के हर पहलू पर ध्यान दें उन्होंने कहा कि, हमारा मानना है कि, जब एमसीडी प्रिंसिपल विश्वस्तरीय संस्थानों से सीखेंगे तभी अपने स्कूल में विश्वस्तरीय शिक्षा का वातावरण बना सकेंगे इसलिए आप प्रिंसिपलों को ट्रेनिंग के लिए आईआईएम अहमदाबाद भेजा गया है जहाँ आपको वर्ल्ड क्लास एक्सपोजर मिल सकेगो शिक्षा मंत्री के साथ अपनी बातें साझा करते हुए प्रिंसिपलों ने भी कहा कि, अब से पहले किसी ने भी एमसीडी स्कूलों के शिक्षकों की बेहतरी के लिए नहीं सोचा, लेकिन अब सुविधाओं के साथ मिल रहा है पूरा मान-सम्मान इसलिए सरकार ने हमें जिस विजन के साथ आईआईएम में ट्रेनिंग के लिए भेजा है, शिक्षा के उस विजन को पूरा करने के लिए हम कड़ी मेहनत करेंगे और अपने स्कूलों को विश्वस्तरीय संस्थानों में तब्दील करेंगे

शिक्षा मंत्री ने कहा कि, किसी भी स्कूल के लिए प्रिंसिपल उसका अहम् हिस्सा होता है आप प्रिंसिपल के आचार-व्यवहार और काम करने के तरीके को देखकर पता लगा सकते है कि उसका स्कूल कैसा होगो हमने 2015 में दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार बनने के बाद जब शिक्षा पर काम करना शुरू किया तो प्रिंसिपलों की कैपेसिटी बिल्डिंग और उनका प्रोफेशनल डेवलपमेंट भी हमारा फोकस रहो इस दिशा में हमने अपने प्रिंसिपलों को आईआईएम अहमदाबाद सहित अन्य आईआईएम से उनके लिए डिजाईन स्पेशल स्कूल लीडरशिप और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दिलवाई, प्रिंसिपलों को थोड़ी स्वायत्ता दी और इसके परिणाम के रूप में आप सभी आज दिल्ली सरकार के स्कूलों में आए बदलावों को देख सकते है

उन्होंने कहा कि, एमसीडी में पिछली सरकारों ने हमेशा शिक्षकों की उपेक्षा की लेकिन आप की सरकार में अब एमसीडी शिक्षकों को सम्मान के साथ उनके प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए सभी सुविधाएँ मिलेंगी दिल्ली सरकार के स्कूलों के बाद अब एमसीडी के स्कूलों में भी शिक्षा क्रांति आएगी और हमारे एमसीडी स्कूलों के सभी प्रिंसिपल उस क्रांति के ध्वजवाहक बनेंगे ये ट्रेनिंग हमारे एमसीडी स्कूलों के प्रिंसिपलों को स्कूल चलाने के दौरान रोजमर्रा आने वाली चुनातियों को अनूठे ढंग से हल करना तो सिखाएगी ही साथ ही उनके बेहतर ढंग से प्रबंधन करना भी सिखाएगी ताकि वे एडमिनिस्ट्रेशन के साथ-साथ स्कूल के अकेडमिक वातावरण को भी बेहतर बना सकें शिक्षा मंत्री ने कहा कि, मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी का विजन है कि दिल्ली के हर बच्चे को चाहे वो किसी भी तबके से आता हो उसे विश्वस्तरीय शिक्षा मिलनी चाहिऐ इसके लिए जरुरी है।

ऑटो रिक्शा परमिट घोटाले में आप नेता जिम्मेदार: कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने आरोप लगाया कि ऑटो रिक्शा परमिट घोटाले में आम आदमी पार्टी के नेता जिम्मेदार हैं। 14 लोगों की गिरफ्तारी से यह बात साबित होती है। चौधरी अनिल ने शुक्रवार को कहा कि सक्षम विधायकों की कमी के चलते पहली बार विधायक बनी आतिशी को वित्त, राजस्व, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित 12 महत्वपूर्ण विभाग आवंटित किए गए हैं। इसके जरिए आप के प्रमुख नेता अपनी जिम्मेदारियों से भागना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो रिक्शा परमिट घोटाले में बुराड़ी परिवहन अथॉरिटी के अधिकारी सहित 14 लोगों को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा द्वारा गिरफ्तार किया गया। इससे आप द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार मुक्त शासन की पोल खुल गई। आप पार्टी के शासन वाली दिल्ली सरकार में कोई ऐसा विभाग नहीं है, जो भ्रष्टाचार में लिप्त न हो।

संक्षिप्त खबरें

पिपराही गांव में हुए मारपीट में दूसरे पक्ष ने चार के विरुद्ध कराई प्राथमिकी

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के पिपराही गांव में 25 जून की शाम जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में दूसरे पक्ष के घायल मदन यादव ने प्रथम पक्ष के चार लोगों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई है। इसके पूर्व मामले में घायल मिंता देवी का आवेदन पर द्वितीय पक्ष के राकेश यादव, उनके भाई संजय यादव, सुनील यादव और उनके पिता मदन यादव के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई थी। द्वितीय पक्ष के घायल मदन यादव ने आरोप लगाया कि 25 जून की शाम वह अपने बथान में बैठे हुए थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोग आए उन्हें गाली गलौज देने लगे। जिसका उन्होंने विरोध किया तो आरोपितों ने उन्हें लोहे की रड और लाठी-डंडे से पीटकर जख्मी कर दिया।बीच बचाव में आए उनके भाई राकेश यादव की भी पिटाई की गई। दोनों घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया है। मामले में घायल मदन यादव के आवेदन पर गांव के रामनाथ यादव, उनके बेटे जयप्रकाश, देवप्रकाश यादव और रितेश यादव के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

साथी से चार दिन पहले बालिग लड़की का अपहरण

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के साथी गांव से घर से बाहर निकली एक 18 वर्षीय बालिक लड़की का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया। घटना 26 जून के दिन की बताई जा रही है। काफी खोजबीन के बाद भी जब लड़की का कहीं पता नहीं चला तो मामले को लेकर अपहृत लड़की के पिता के आवेदन पर थाना क्षेत्र के साथी गांव के आकाश यादव और उसकी बहन भूमि यादव के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

सारण जिले में खुला संगीत महाविद्यालय

छपरा। सारण जिले में शिक्षा प्रेमियों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी मिली है। बताते चलें कि सारण जिले के भेल्दी में रेडिएंट कला संगीत महाविद्यालय खोला गया है। उक्त महाविद्यालय प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस महाविद्यालय में मुख्य रूप से छात्र कला विशेषकर संगीत एवं पेंटिंग की पढ़ाई कर सकते हैं। अब जिले के छात्र छात्राओं को जिनको संगीत एवं पेंटिंग में रुचि है उनको कहीं दूर भटकना नहीं पड़ेगा। संगीत महाविद्यालय से नामांकन कराने एवं परीक्षा के बाद बिहार सरकार शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक नियोजन में शामिल होकर शिक्षक बनने का अवसर भी प्राप्त होगा, क्योंकि उक्त महाविद्यालय मान्यता प्राप्त महाविद्यालय है जिसकी डिग्री सरकारी नौकरी के लिए मान्य होगी। इसकी जानकारी सुरेन्द्र प्रसाद चैरसिया ने दी।

अमरनाथ यात्रा में मशरक से 180 भक्तों का जत्था रवाना, भंडारा आयोजित

छपरा। मशरक में अमरनाथ यात्रा के लिए मशरक से 180 शिव भक्तों का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए भंडारे के बाद रवाना हुआ। जिसको लेकर स्टेशन रोड में पूजा कलेक्शन के सामने विशाल भंडारा लगाया गया। भंडारे की शुरूआत के पहले बाइक रैली निकाली गई जो भूखे को अन्न , प्यासे को पानी। जय बाबा बफार्नी एवम जय शिव का नारा लगाते हुए बाजार क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में भ्रमण किया। भंडारे के आयोजन के बारे में जय भोले भंडारी सेवा दल के प्रखंड अध्यक्ष शिवजी प्रसाद रस्तोगी ने बताया कि मशरक, पानापुर और बनियापुर से 180 शिव भक्तों का जत्था छपरा जंक्शन से रवाना होगा वही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बनियापुर के बीरेंद्र राय , मशरक से सुरेश सिंह शिक्षक , शिव जी , शंभूप्रसाद रस्तोगी, डा सचिन चैधरी , पप्पू रस्तोगी , विकास सिंह सहित हजारों लोगों ने भाग लिया।

क्लब ने नए अध्यक्ष सचिव को दी शुभकामनाएं

छपरा। इनरव्हील क्लब सारण की वर्तमान अध्यक्ष सुषमा गुप्ता और सचिव शिल्पी कुमारी की अध्यक्षता में शहर के नगरपालिका चैक स्थित होटल अशोका ग्राण्ड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें इस वित्तीय वर्ष में क्लब की गतिविधियों में सहायक सदस्यों एवं मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया गया स इस अवसर पर अध्यक्ष ने नए सत्र की अध्यक्ष एवं सचिव व अन्य सहयोगियों को शुभकामना देते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि नए अध्यक्ष एवं सचिव के नेतृत्व में क्लब का विस्तार होगा और सामाजिक गतिविधियों में जिला में क्लब का अहम योगदान रहेगा स इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य मौजूद थे स कार्यक्रम का मंच संचालन अनीता राज ने किया। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष सुषमा गुप्ता,सचिव शिल्पी कुमारी, कोषाध्यक्ष अंजू फैशन, वाइस प्रेसिडेंट तनु जयसवाल, आईएसओ अंकिता जयसवाल, आईपीपी अनिता राज, पूर्व प्रेसिडेंट अनु जयसवाल एवं रूपा गुप्ता आदि उपस्थित थी।

ग्रीन मैन डॉ सत्य प्रकाश को मिला 2023 का लिव्रम अवार्ड

हथुआ प्रात : किरण संवाददाता

छोटे कस्बों से निकलकर जब बड़ी इबादत लिखी जाती है तो हर किसी का सीना गर्व से ऊंचा हो उठता है। इसी सीना को ऊंचा उठाने का कार्य गोपालगंज जिला के पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश ने किया है। पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए जाने को लेकर जिला के पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश को 2023 का लिव्रम अवॉर्ड देकर काशी नगरी वाराणसी में सम्मानित किया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी की अंगीभूत इकाई डी ए वी पी जी कॉलेज, वाराणसी में लिव्रम फाउंडेशन एवं के टू प्रकाशन के संयुक्त तत्वावधान में ष्पर्यावरण साहित्य और सिनेमाष पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन एवं फिल्म महोत्सव में डॉ सत्य प्रकाश को पर्यावरण के प्रति सच्ची निष्ठा व समर्पण को देखते हुए यह अवार्ड प्रदान किया गया। 28 और 29 जून को दो दिवसीय कार्यक्रम में पर्यावरण मित्र डॉ प्रकाश ने देश विदेश से पहुंचे एक हजार वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, पर्यावरणविद्, शोधार्थी, साहित्यकार, समाजसेवी, जादूगर, पत्रकारों के समक्ष दूषित हो रहा पर्यावरण पर अपनी बातें बारीकी से रखी। जिसपर लिव्रम ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन रूपेश कुमार गुप्ता, प्रबन्धक व के टू प्रकाशन के डॉ विजय यादव, डॉ श्वेता सरन ने कार्यक्रम में मौजूद प्रो सत्य गोपाल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष व साहित्यकार प्रो सुरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो सत्यदेव सिंह, डॉ ब्रह्मदेव मण्डल सहित देश के ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों, शिक्षाविदों, पर्यावरणविदों की उपस्थिति में पर्यावरण मित्र को अंग वस्त्र, मोमेंटो, लिव्रम अवार्ड 2023 का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस सम्मान मिलने पर पर्यावरण मित्र डॉ सत्य प्रकाश को बधाई देने वालों का ताता लग गया। पर्यावरण मित्र को बधाई देने वालों में डॉ सी पी सिंह, डॉ ब्रह्मदेव मण्डल, दयाशंकर, डॉ संजीव कुमार, डॉ विभू कुमार, डॉ राम विष्णु प्रसाद, दिलीप कुमार, सोमेश्वर तिवारी, अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो सुबोध कुमार, डॉ मनोज कुमार, डॉ आलोक कुमार पाण्डेय सहित तमाम लोगों ने इनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दिया है। यह विदित हो कि पर्यावरण मित्र हथुआ प्रखंड के बरवा गांव के मूल निवासी है। ये बीस वर्षों में अबतक एक लाख पौधा लगा चुके है। इनको ग्रीन मैन, वनमाली, पर्यावरण पुरुष, युवा पेड़ प्रेमी, पर्यावरण मित्र, पर्यावरणविद् की उपाधि विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा मिल चुकी है।

गोपालगंज में लाखों की जब्त शराब पर चला बुलडोजर

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज में छापेमारी में जब्त की गई शराब की बोतलों को जेसीबी चला कर नष्ट किया गया। उत्पाद विभाग ने पिछले दिनों विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी, इसमें 1260 लीटर देसी और विदेशी शराब जब्त किया गया था।

इसके बाद अब कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त शराब की बोतलों पर बुलडोजर चलवा दी गई। शुक्रवार की दोपहर मद्य निषेध विभाग के अधिकारी और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में एनएच के किनारे 1260 लीटर देशी और विदेशी शराब पर जेसीबी चलाया गया। नष्ट किए गए शराब की कीमत लाखों में बताई जा रही है। उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि शराबबंदी अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस पड़ोसी उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार छापेमारी कर कार्रवाई कर रही है। इसका नतीजा है कि उत्पाद विभाग द्वारा दर्जनों कांडो में जप्ब करीब 1260 लीटर अवैध शराब को जब्त कर उसे जेसीबी से नष्ट कराया गया। शराब को नष्ट करने की इस कार्रवाई की वीडियोग्राफी करवा कर इसे कोर्ट के साथ-साथ जिलाधिकारी को भी सौंपा जाएगा। उन्होने कहा कि शराब तस्करों को पनाह नहीं दी जाएगी। पुलिस व उत्पाद विभाग की टीम लगातार अभियान चलाकर शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, साथ ही अवैध शराब को भी नष्ट करेगी।

माँझी ताटम्बरी बाबा के ब्रम्हलीन होने पर विशाल शोभा यात्रा निकाली गई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मांझी के मझनपुरा स्थित राम जानकी मंदिर के 70 वर्षीय पुजारी संत ताटम्बरी बाबा के ब्रम्हलीन होने पर शुक्रवार को विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। मालूम हो कि गुरुवार को हार्ट अटैक के बाद उक्त संत का देहावसान हो गया था। संत के परलोक गमन के उपरांत गुरुवार की रात मन्दिर परिसर में भजन कीर्तन व सत्संग का आयोजन किया गया।

रुक रुक कर हो रही बरसात के बीच गाजे बाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा मझनपुरा पेट्रोल पंप से माँझी के बलिया मोड़ तथा पुनः मन्दिर परिसर पहुँची। शोभायात्रा में शामिल सैकड़ों श्रद्धालु भक्त जय श्री राम तथा ताटम्बरी बाबा अमर रहे का जयघोष कर रहे थे। बाद में स्थानीय गंगोपडायन घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल समाधि दे दी गई। शोभायात्रा में जन सुराज के नेता व कौरुधौरु पंचायत के मुखियापति उदय शंकर सिंह परमात्मा सिंह रंजन सिंह सहदेव यादव स्वामीनाथ शर्मा तथा बीरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष व साधु संत आदि भी सम्मिलत हुए।

50 वर्षों से माँझी में बतौर पुजारी रहे ताटम्बरी बाबा: गुरुवार को देव शयनी एकादशी की तिथि को ब्रम्हलीन हुए संत ताटम्बरी बाबा माँझी के दुगार्पुर शिव मंदिर तथा मझनपुरा रामजानकी मन्दिर पर लगभग 50 वर्षों तक पुजारी बनकर रहे। मन्दिर परिसर में गोपालन करने में रुचि रखने के कारण आसपास के संतों के साथ साथ गोपालकों में भी वे बेहद लोकप्रिय थे। आसपास के गांवों में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों में भी वे बढ़चढ़कर भाग लेते थे तथा गीत संगीत में भी रुचि रखते थे। उनके संयोजकत्व में हर साल सावन के महीने में मन्दिर परिसर में झूला कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता था जिसमें दूर दराज से अनेक नामीगिरामी कलाकार भी भाग लेने आते थे।

सड़क के बीच जलजमाव होने से आक्रोशित ब्यवसाई ग्रामीणों ने सड़क के बीच धान की रोपनी कर किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अमनौर में वर्षा के आभाव में जहा लोग गर्मी से त्राहिमाम हो रहे थे, किसानों को खरीफ फसल उगाने की चिंता थी, लेकिन हल्की वर्षा क्या हुई अमनौर बाजार के बीच सड़क पर घुटने भर जल जमाव हो गया। जिससे स्थानीय ग्रामीण व व्यवसायी आक्रोशित हो गए। शुक्रवार को एसएच-73 मुख्य पथ कॉलेज रोड को बास के बल्ले से घेरकर रास्ता बंद कर दिया, सड़क के बीच धान की रोपनी कर बिरोध प्रदर्शन किया। इनका आरोप है कि सड़क के किनारे नाला निर्माण नही हुआ है। हल्की वर्षा क्या हुई एस एच 73 सड़क के बीच घुटने भर पानी गया। सड़क के बीच पानी भरने से कई दुकानों में पानी प्रवेश कर गया। आती जाती वाहन के छीटे से पूरा दुकान भर जा रहा है।देखने से तो सड़क नही छोटी तलाब दिखता है, जल जमाव होने से लोगो को आने जाने में परेशानी रहती है। जल जमाव के कारण व्यवसाययी दुकान बंद रखने को मजबूर है,अगर खोलते है तो छीटे पड़ने से सामग्री खराब हो जाएगी, आक्रोशित ब्यवसाइयो ने जल्द नाला निर्माण करने की मांग किया। यातायात अवरुद्ध होने की घटना सुन अमनौर सीओ मृत्युंजय कुमार मौके पर पहुँच आक्रोशित ग्रामीणों ब्यवसाइयो को समझाया बुझाया,नाली कटवाकर सड़क से पानी की निकासी करवाया गया।प्रदर्शन करने वालो में मिंटू कुमार,भुअर प्रसाद,नागेंद्र शर्मा मुनमुन साह बिकाश कुमार शर्मा,अजय शर्मा,राहुल कुमार,ऋतु कुमार समेत दो दर्जन से अधिक लोग शामिल थे।

भाजपा ने लाभार्थी जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन कर मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत हर घर संपर्क अभियान में आज पार्टी के नेताओं द्वारा अरवल प्रखंड के ईटवां में एक लाभार्थी जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामछपित बिंद ने किया । वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के स्वच्छता अभियान के प्रदेश संयोजक पीयूष शर्मा , पूर्व जिलाध्यक्ष रामविनय शर्मा , पार्टी के जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार व भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रजेश कुमार उपस्थित हुए । ईटवां बाजार में उपस्थित जनसमूहों को संबोधित करते हुए भाजपा स्वच्छता अभियान के प्रदेश संयोजक पीयूष शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरे देश में जो विकास की लकीर खींचने का काम किया है वह ऐतिहासिक है । आज मोदी देश के लिए आवश्यकता बन गये हैं ।बिहार में जो भी विकास का काम हो रहा है वह केंद्र द्वारा जारी पैसे के बदौलत हो रहा है। बिहार के कुल बजट का 76% पैसा केन्द्र सरकार का है और मात्र 24% राज्य सरकार दे रही है । गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत बिहार में 8 करोड़ 01 लाख लोगों को मुफ्त में अनाज देने का काम किया जा रहा है। बिहार के 41 लाख परिवार को आवास योजना,81 लाख परिवार को किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ,1 करोड़ 21 लाख परिवारों को उज्ज्वला योजना का लाभ दिया जा रहा है । पूर्व जिलाध्यक्ष रामविनय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना जैसी महामारी में देश को मंहगाई , बेरोजगारी से बचाने का काम किया है तो वह मोदी हैं । जिस कांग्रेस ने एक टीवी के टिक्के निमार्ण में 15 वर्ष लगा दिए , वहीं मोदी का दृढ़ संकल्प ने महज एक वर्षों में स्वनिर्मित दो वैक्सीन का निर्माण कर पूरे भारत के नागरिकों को मुफ्त में लगवाने का काम किया । जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 10.7 करोड़ परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज देने का काम किया गया । भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रजेश कुमार ने कहा कि यह सरकार सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है ।शिक्षा के क्षेत्र में कई मेडिकल कॉलेज और आई आई टी की स्थापना, पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत हर घर नल योजना ,गली नली योजना में कुल 34000 करोड़ राशि व्यय किया गया है , जिसमें 24000 करोड़ भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया है । केन्द्र की मोदी सरकार गरीबों, पिछड़ों , सवर्णो सबके लिए हितकारी है । आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है,जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हीं देन है । मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराकर पूरे देश के हिन्दुओं को गौरवान्वित करने का काम किया है।

कुर्बानी से होते फकीर , फकीर को मिलते हैं अल्लाह : इमाम बुखारी

प्रात : किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेरः इदुल अजहा का त्यौहार जिले में मुसलमानों ने उत्साह से भर कर मनाया। अल सुबह साफ-सुथरे कपड़े पहन मुख्यालय के जामा मस्जिद व ईदगाह सहित अन्य सभी में दो रेकात कुरआन के साथ मुसलमान भाइयों ने अकीदतमंद हो नमाज अता किया। किला गिर्द पुरानी मस्जिद में नमाज अता कराने के बाद इमाम अब्दुल्ला बुखारी ने कहा- कुबार्नी से इन्सान में फकीरी (संत- भाव) आती है। तभी अल्लाह का दीदार होता है।अपने तकरीर में इमाम बुखारी ने कहा कि पैगंबर इब्राहिम वसल्लम की याद में हर वर्ष कुबार्नी का दिन ईद उल अजहा याद किया जाता है। इस मौके पर उस दिन को याद किया जाता है जब पैगंबर इब्राहिम साहब ने 84 वर्ष की उम्र में अपने सब से अजीज इकलौते बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने के लिए उसे बली के बकरे की तरह झुका कर गर्दन पर चाकू चलानी चाही तब अचानक एक चमत्कार होता है और उनके बेटे इस्माइल की जगह एक दुम्बा आ जाता है। इब्राहिम पैगंबर तो आंख मूंद कर छुरा चलाने वाले थे, परंतु अल्लाह की मर्जी यह थी कि बंदा मेरे इंतहान में सफल होता है या नहीं... यह देखना है। जब कुबार्नी के लिए इब्राहिम ने छूरा उठाया तो अल्लाह ने झुके हुए उसके बेटे की जगह दूसरे जानवर दुंबा को रख दिया। इस तरह बेटे की जान बच गई। तब से यह यकीन लेकर लोग बकरीद का त्यौहार मनाते हैं कि कुबार्नी का का जज्बा ही सब से ऊंची चीज है। यह कहा कि हर इंसान को अपनी सभी बुराइयों और स्वार्थ की कुबार्नी देने के बाद ही जब अच्छे कामों को करने के लिए आगे बढ़ेगा तभी अल्लाह उसकी कुबार्नी को सही मानेंगे और उसका वाजिब फल भी देंगे। बुखारी साहब ने बताया की इंसान जब तक स्वार्थ और नफरत जैसी बुराइयों को छोड़ कर किसी की भलाई करने, किसी दुखी इंसान का भला चाहने, किसी भूखे का पेट भरने के साथ ही जरूरतमंद को कपड़े, भोजन आदि देने जैसा शवाब का काम करता है तो उसकी बुराइयां खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। बुराइयों को जब इंसान त्याग देता है तो अच्छाई का रास्ता उसे रूहानी सुकून देता है। यह सुकून इबादत की ओर इंसान को ज्यादा ले जाता है। फिर माया-मोह और लालच जैसी बुराइयों को छोड़ वह अपने अंदर फकीरी का एहसास करता है। फकीरी वह भाव है कि दुनिया में रहते हुए दुनिया ऐशो आराम तथा बनावटी जिंदगी को दरकिनार कर के अल्लाह-तला से जी लगाता है। जब इंसान के अंदर फकीरी आ जाती है तो वह अल्लाह-ताला की ओर झुक जाता है, उसकी इबादत में अपने आप को भूल जाता है और इस तरह अकीदत मंद होने के बाद ही अल्लाह उस पर करम करते हैं... उसे अपना दर्शन देते हैं। दूसरी ओर बकरीद के उत्साह से भर कर लोग अपने अपने घरों में मंडी से लाए हुए या पाले गए बकरों की कुबार्नी देकर भोज का आयोजन करते हैं । रिश्तेदारों व दोस्तों को बुला कर परिवार के साथ गोश्त, पुलाव और सलाद और मकूती आदि खाया। अपने अंदर त्याग और देश के लिए बलिदान का जज्बा पैदा करने का यह त्यौहार है, जिससे इंसान सही मायने में इंसानियत को अपना कर अपनी जिंदगी को कामयाब कर सकता है।

शरीर में टेप से चिपकाकर लाई जा रही शराब की खेप बरामद, तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के एकडंगा चेकपोस्ट के समीप वाहन जांच के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद पुलिस ने गिरफ्तार धंधेबाजों की बाइक भी जब्त कर ली है। धंधेबाजों ने शरीर में टेप चिपका कर शराब की बोतलें छिपाई थीं। इस मामले में पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार धंधेबाज को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसकी जानकारी देते हुए उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि मीरगंज थाने के एकडंगा चेकपोस्ट के समीप उत्पाद विभाग की टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के तरफ से आ रहे एक बाइक सवार को रोक कर जब उसकी सघन तलाशी ली तो बाइक सवार दो तस्करों के शरीर में टेप से चिपकाई गई देसी शराब जब्त की गई, जिसके बाद उत्पाद पुलिस ने धंधेबाजों को गिरफ्तार करते हुए उनकी बाइक को जब्त कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाज मीरगंज थाना क्षेत्र के हरखौली पश्चिम टोला गंव के दिलीप यादव और पिपरा खास गांव के विकास कुमार बताए गए है।

उत्पाद विभाग की टीम गिरफ्तार धंधेबाजो से पूछताछ करने में जुट गयी है। उन्होने बताया कि किसी भी हाल में शराब की तस्करी नही होने दिया जाएगा। इसके लिए चेकपोस्ट वा हैंड स्कैनर मशीन से जांच की जा रही है। जबकि दियारे इलाके में ड्रोन कैमरे की मदद से शराब तस्रको पर नजर रखी जा रही है।

महम्मदपुर थाने की पुलिस ने चोरी कांड का किया खुलासा

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज ।जिले के महम्मदपुर थाने की पुलिस ने करसघाट गांव में हुयी चोरी की घटना का उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने चोरी के सामान के साथ एक शातिर चोर को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोर सिधवलिया थाने के परसौनी गांव का दिनदयाल महतो बताया गया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि पिछले 16 जून की रात्रि करसघाट गांव के मेघनाथ साह के घर से अज्ञात चोरो के द्वारा लाखो की संपति चोरी कर ली गयी थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच पडताल शुरू कर दी। जांच के दौरान चोरी के मोबाइल, चांदी का बाजूबंद, चांदी का बिछिया, चांदी का पायल सहित अन्य सामान के साथ एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार चोर से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। गिरफ्तार चोर ने इस गृहभेदन कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही कांड में शामिल अन्य चोरो को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। छापेमारी में मुख्य रूप से थानाध्यक्ष नेहा कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षण अमित कुमार, डीपीसी जवान अनील कुमार शर्मा, सिपाही विनय कुमार राम, मंसूर आलम शामिल थे।

कटेया में धोखाधड़ी सहित 18 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज । जिले के कटेया थाने की पुलिस ने समकालिन अभियान के तहत धोखाधडी कांड के दो, एससीएसटी कांड के एक और शराब सेवन के आरोप में 14 लोगो को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस गिरफ्तार आरोपयिों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि समकालिन अभियान के तहत पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहो पर छापेमारी कर धोखाधडी कांड के दो, एससीएसटी कांड के एक आरोपित समेत शराब सेवन के आरोप में 14 आरोपितो गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को इनकी तालाश पिछले काफी समय से थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस लगातार वांरट सहित अन्य मामलों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। इसके साथ ही यूपी से शराब का सेवन कर लौटने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होने बताया कि किसी भी हाल में थाना क्षेत्र शराब का कारोबार नही होने दिया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालु हुए रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शुक्रवार को छपरा रेलवे स्टेशन पर अमरनाथ एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा बाबा अमरनाथ की यात्रा में जा रहे हजारों श्रद्धालुओं से राणा यशवंत प्रताप सिंह(प्रदेश प्रवक्ता भाजपा युवा मोर्चा, बिहार) ने मुलाकात कर महान संत परमहंस दयाल स्वामी श्री 1008 अद्वैतानंद जी, जिनकी समाधि पाकिस्तान के टेरी में है, महानुभाव की धर्म यात्रा छपरा से प्रारंभ होकर सम्पूर्ण भारत के साथ साथ विश्व में गोचर रही, की जीवनी पुस्तक और यात्रा संबंधी सहायक वस्तुएं सभी श्रद्धालु यात्रियों को भेंट की। राणा यशवंत ने इस अवसर पर सबको संबोधित करते हुए कहा कि इन श्रद्धालुओं के कारण सनातन संस्कृति व सनातन धर्म को संबल मिलता है। धर्म के प्रति समर्पण ही राष्ट्र के प्रति समर्पण है और सत्य पथ पर चलना ही धर्म है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संबल एवम प्रतिबद्धता के कारण संभव हो परिलक्षित हुआ है। अनेक धर्म स्थलों का पुनर्निर्माण एवम पुनरुत्थान जैसे काशी, मथुरा, अमरनाथ, उज्जैन आदि के कारण आज यह यात्रा विशाल है और विशाल होती जा रही है।भाजपा के 9 वर्ष का शासन बेमिसाल रहा है साथ ही यह यात्रा आजादी के अमृत महोत्सव में सनातनियो के मानसपटल पर सनातन संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतिबिंब अंकित कर सनातनियों को जागृत करने का कार्य कर रही। इस शुभ अवसर पर भाजपा के अनेक कार्यकताओं की उपस्थिति रही जिसमें छपरा के विधायक श्री ब छ ळनचजं जी एवम अंगद सिंह, मनीष सिंह, विवेक गुप्ता, राजीव सिंह व दर्जनों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

टमाटर की कालाबाजारी

आज टमाटर देश के खुदरा बाजार में और रेहड़ियों पर 100-140 रुपए प्रति किलोग्राम बेचा जा रहा है, तो वह दौर याद आने लगता है, जब कृषि मंडियों के सौदागरों ने किसान का टमाटर मात्र 1-2 रुपए प्रति किलो खरीदने का भाव दिया था। यह कोई पुराना दौर नहीं है। अभी 3-4 माह ही बीते हैं, जब किसानों का ऐसा आर्थिक शोषण और मानसिक उत्पीड किया गया। किसान को मुफ्त का प्राणी समझा गया। उसे फसल का उचित मूल्य देने की बजाय मात्र 2 रुपए अथवा 10 रुपए के चेक देकर अपमानित किया गया। वे भी 15 दिन बाद के चेक! कुछ मामले ऐसे सामने आए कि मंडियों के आढ़तियों ने गोल-मोल हिसाब करके किसान से ही भुगतान की मांग की। किसान आज भी आढ़तियों के मोहताज हैं, लिहाजा उनके जाल में फंसे हैं। नतीजतन किसान की आमदनी कैसे बढ़ सकती है? हम उन 86 फीसदी किसानों की बात कर रहे हैं, जिनके पास मात्र 2 हेक्टेयर जमीन है या वे खेतिहर मजदूर हैं। ऐसे हालात में किसान आत्महत्याएं करने पर विवश न हों, तो वे क्या करें? घर-परिवार कैसे चलाएं? अगली फसल कैसे बोएं? आढ़ती से उधार लेते रहें, तो एक दिन इतने कर्जदार हो जाएंगे कि सब कुछ नीलाम हो सकता है! किसी भी सरकार ने न तो तब हस्तक्षेप किया और न ही अब इस कालाबाजारी को रोक पा रही है। बेचारे किसानों को टमाटर सडकों पर फेंकना पड़ा अथवा उसने अपनी ही फसल को ट्रैक्टर तले कुचल दिया। लागत गई, फसल नष्ट हो गई, लेकिन बाजार के जमाखोरों की बल्ले-बल्ले होती रही है।

टमाटर, प्याज आदि एक निश्चित मौसम में अचानक महंगे कर दिए जाते हैं। न जाने कौन-सी नियामक शक्ति यह फैसला लेती है और टमाटर देश भर में 100-140 रुपए प्रति किलो बिकने लगता है! राजधानी दिल्ली के कई बाजारों में टमाटर 90-140 रुपए किलो बेचा जा रहा है। जून के पहले पखवाड़े तक टमाटर 30-35 रुपए किलो मिल रहा था। अचानक 80, 100 और फिर 140 रुपए प्रति किलो के भाव में बेचा जाने लगा। खुदरा विक्रेता का एक ही बहाना है कि मंडी से ही महंगा आ रहा है। फिर दलीलें दी जाने लगीं कि बारिश के कारण टमाटर की सप्लाई अवरुद्ध हुई है, लिहाजा टमाटर कम हो गया है, नतीजतन महंगा बिक रहा है। भारत के कई राज्य टमाटर बोते हैं और साल में दो फसलें मिलती हैं। अनुमान है कि इस बार 2 लाख टन टमाटर पैदा हुआ है। वह संपूर्ण फसल कहां गई? यदि टमाटर महंगा बेचा जा रहा है, तो क्या इसका फायदा किसानों को भी मिलेगा? हमारा जवाब है कि बिल्कुल भी नहीं। यदि मंडियों के सौदागर कुल मिला कर 10 रुपए किलो के भाव से टमाटर खरीदते और फिर भी 120-140 रुपए में बेचा जाता, तो बीच का बाकी पैसा किसकी जेब में जाता? जाहिर है कि जो व्यापारी टमाटर की कालाबाजारी और जमाखोरी से जुड़े हैं, उनकी तिजौरियों में ही जाता।

यह वाहियात दलील भी दी जाती रही है कि किसान टमाटर की फसल नष्ट करने की बजाय कोल्ड स्टोरेज में जमा रखे और सही अवसर पर अपनी फसल बेचे, तो उसे ज्यादा मुनाफा मिल सकता है, लेकिन मंडी कानून में अलग ही प्रावधान हैं कि लाइसेंस प्राप्त मंडियों से ही खरीद की जा सकती है। किसान खुले बाजार में फसल बेच सके, इसका तो कानून लाया गया था, जिनके विरोध में करीब एक साल तक किसान आंदोलन चलाया गया। अंततः प्रधानमंत्री को वे तीनों कानून वापस लेने पड़े और संसद के जरिए उन्हें खारिज करना पड़ा। टमाटर सलाद में भी खाया जाता है और सब्जियों में भी डाला जाता है। टमाटर हर रसोई और घर के लिए जरूरी है। यदि एक किलो टमाटर खरीदने वाला 250 ग्राम ही खरीदने लगे, तो उसके मायने ये भी होंगे कि आम आदमी अपना खर्च कम करता जा रहा है। उसके असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेंगे, क्योंकि भिंडी, अदरक, मिर्च, फूल गोभी के साथ-साथ तुअर और अरहर की दालें भी महंगी हैं। बहुत कुछ महंगा है, लिहाजा सरकार जो खुदरा महंगाई दर 4.25 फीसदी प्रचारित कर रही है, वह नकली लगती है। आगामी लोकसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं है। लगता है इस बार महंगाई चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेगी।

मणिपुर हिंसा: नस्लीय या सांप्रदायिक?

राम पुनियानी

उच्च न्यायालय द्वारा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद से मणिपुर में भड़की जबरदस्त हिंसा में अब तक कम से कम एक सौ लोग मारे जा चुके हैं और एक लाख से ज्यादा अपने घरबार छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए हैं। इस हिंसा के कारण आम लोग बहुत तकलीफें भोग रहे हैं और महिलाओं, बच्चों और विस्थापितों की हालत दयनीय है। इस स्थिति से निपटने में सरकार की विफलता के कारण देश बहुत शर्मसार हुआ है।

यह हिंसा 3 मई से शुरू हुई थी (या भड़काई गई थी) और आज करीब दो महीने बाद भी जारी है। कुकी और अन्य मुख्यतः ईसाई आदिवासी समूहों और उनकी संपत्ति को निशाना बनाया जा रहा है। हिंसक भीड़ चर्चों को चुन-चुनकर नष्ट कर रही है। अब तक करीब 300 चर्च नफरत की आग में खाक हो चुके हैं। इस बात का जवाब सरकार को देना ही होगा कि क्या यह हिंसा ईसाई-विरोधी है।

इस हिंसा के शुरू होने के बाद से माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने इस मुद्दे पर अपना मुंह खोलने की जहमत नहीं उठाई है। जिस समय मणिपुर जल रहा था उस समय प्रधानमंत्री कर्नाटक में अपनी पार्टी के प्रचार में दिन--रात एक किए हुए थे। वे अब तक चुप हैं। इस मामले में उनसे चर्चा करने के इच्छुक एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मिलने का उन्हें समय नहीं मिला। वे मणिपुर को जलता छोड़कर अमरीका उड़ गए। क्या उनकी चुप्पी रणनीतिक है? आखिरकार इस हिंसा का शिकार हो रही कुकी और अन्य पहाड़ी जनजातियां ईसाई धर्म की अनुयायी हैं, जिसे संघ परिवार ह्यविदेशीह्न मानता है? मोदी अनेक बार उत्तरपूर्व की यात्रा कर चुके हैं परंतु जिस समय हिंसा की आग को शांत करने के लिए उनकी जरूरत है तब वे वहां से मीलों दूर हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कर्नाटक में ताबड़तोड़ प्रचार करने के बाद काफी वक्त दिल्ली में बिताया और फिर वे मणिपुर पहुंचे। उन्होंने वहां खूब बैठकें की परंतु नतीजा सिफर रहा। मणिपुर में अब भी हिंसा जारी है। मणिपुर में भाजपा का शासन है और दिल्ली में भी सरकार भाजपा की ही है। अर्थात मणिपुर में डबल इंजन सरकार है जिसके बारे में कहा जाता है कि वह विकास की गंगा बहा देती है। यहाँ यह याद दिलाना भी प्रासंगिक होगा कि भाजपा का एक लंबे समय से दावा रहा है कि उसके राज में साम्प्रदायिक हिंसा नहीं होती।

उत्तरप्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ विभूति नारायण राय ने अपनी लब्धप्रतिष्ठित कृति काम्बेटिंग कम्युनल कनफ्लिक्ट्स में लिखा है कि अगर राजनैतिक नेतृत्व की इच्छा हो तो किसी किस्म की भी हिंसा को 48 घंटे के भीतर नियंत्रण में लाया जा सकता है। और मणिपुर में तो दो माह से हिंसा जारी है। ऐसा प्रचार किया जा रहा है कि मणिपुर में कुकी और अन्य पहाड़ी कबीलाई समूहों का कृषि भूमि के अधिकांश हिस्से पर कब्जा है और मैतेई लोगों को जमीन में उचित हिस्सेदारी नहीं मिल रही है। वर्तमान कानूनों के अनुसार आदिवासियों की जमीन गैर-आदिवासी न तो खरीद सकते हैं और ना ही उस पर कब्जा कर सकते हैं। मणिपुर की कुल आबादी में मैतेई का प्रतिशत 53 और कुकी का 18 है। शेष आबादी में अन्य पहाड़ी जनजातियां आदि शामिल हैं। पहाड़ी जनजातियों का दानवीकरण किया जा रहा है। उन्हें अफीम उत्पादक, घुसपैठिया और विदेशी धर्म का अनुयायी बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने हिंसा के पीछे राजद्रोहियों का हाथ होने की बात कही है। द टेलिग्राफ अखबार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व संयुक्त निदेशक सुशांत सिंह के हवाले से लिखा है कि मुख्यमंत्री का यह आरोप अनावश्यक और निराधार है और इससे ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री सभी कुकी लोगों को आतंकी बताकर बदनाम करना चाहते हैं। दरअसल, नफरत इसी तरह की सोच से उपजती है। नफरत पैदा करके ही अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा भड़काई जाती है। मणिपुर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी। वाय। चन्द्रचूड़ को बताया है कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलने के खिलाफ आन्दोलन तो हिंसा का केवल बहाना था। पत्रकारों, लेखकों, सामाजिक कार्यकताओं, महिला अधिकार कार्यकताओं आदि सही करीब 550 नागरिकों ने एक बयान जारी कर हिंसा पर अपनी चिंता व्यक्त की है और प्रदेश में शांति की अपील करते हुए कहा है कि हिंसा पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए और उनका पुनर्वास होना चाहिए। बयान में कहा गया है, मणिपुर आज जल रहा और इसके लिए काफी हद तक केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकारों की विघटनकारी राजनीति जिम्मेदार है। और लोग मारे जाएँ उसके पहले इस गृहयुद्ध को समाप्त करवाने की जिम्मेदारी भी उनकी ही है।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के लिए ऑप एड

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इन विविधताओं को सजोएं रखने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया है। हम एक ऐसे भारत की कल्पना को आगे बढ़ा रहे हैं, जहां पर एक - एक भारतीय को गुणवत्ता युक्त जीवन की चिंता की जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक देश की आधुनकि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचा पाएं, इसके लिए भारत सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में, लगभग 706 विभिन्न जनजातियाँ हैं, जो कुल जनसंख्या का 8.6% हैं। हमारी जनजातीय आबादी हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, भारत का अतीत, वर्तमान और भविष्य आदिवासी समुदाय के बिना कभी भी पूरा नहीं होगा। भारत सरकार जनजातीय नैतिक मूल्य प्रणालियों, परम्पराओं, सामाजिक-आर्थिक स्थितियों और जनजातीय संगठनों का समुचित संज्ञान लेकर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

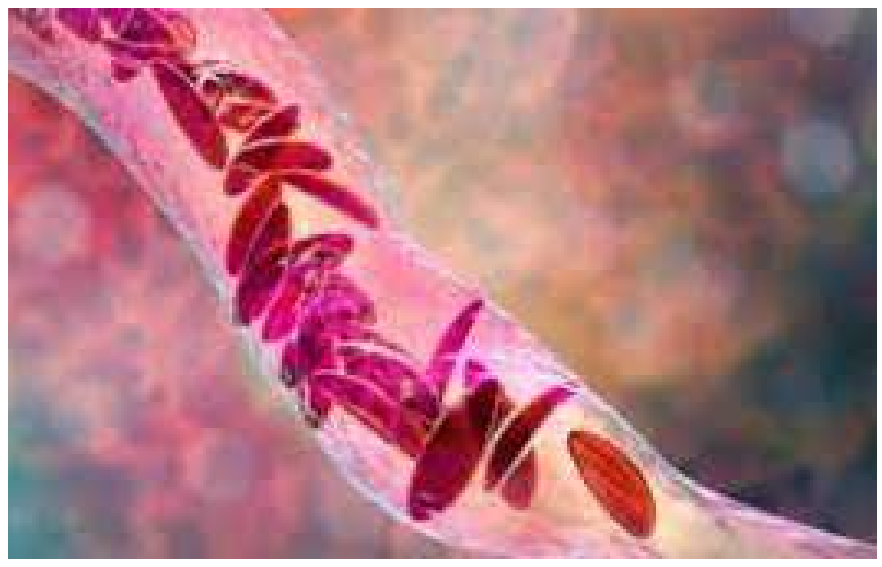

डॉ मनसुख मांडविया,
केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

हिंदुस्तान विविधताओं का देश है और विविधताओं में एकता यह हमारी पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इन विविधताओं को सजोएं रखने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया है। हम एक ऐसे भारत की कल्पना को आगे बढ़ा रहे हैं, जहां पर एक - एक भारतीय को गुणवत्ता युक्त जीवन की चिंता की जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक देश की आधुनकि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचा पाएं, इसके लिए भारत सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में, लगभग 706 विभिन्न जनजातियाँ हैं, जो कुल जनसंख्या का 8.6% हैं। हमारी जनजातीय आबादी हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, भारत का अतीत, वर्तमान और भविष्य आदिवासी समुदाय के बिना कभी भी पूरा नहीं होगा। भारत सरकार जनजातीय नैतिक मूल्य प्रणालियों, परम्पराओं, सामाजिक-आर्थिक स्थितियों और जनजातीय संगठनों का समुचित संज्ञान लेकर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।भारत की जनजाति आबादी में सिकल सेल रोग एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। Sickle Cell एक आनुवांशिक बीमारी है, जिसमें व्यक्ति के रक्त कणों को आकार विकृत होकर दराती जैसा हो जाता है। यह बीमारी सामान्यतः आदिवासी जनजाति में पाई जाती है। यह रोग हमारी जनजातियों के भविष्य और अस्तित्व के सामने बहुत बड़ा खतरा है, इस रोग के प्रसार को समय पर रोकना अनिवार्य है। इस अनुवांशिक बीमारी को रोकने के लिए अभी तक जितने प्रयास होने चाहिए थे, उतने प्रयास पिछले सरकारों में नहीं हुए हैं, जिसके कारण दुनिया के अन्य देश जैसे कि इटली, जापान इत्यादि ने इस रोग पर काबू कर लिया है लेकिन भारत आज भी इस रोग से लड़ रहा है। मैं खासतौर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट करना चाहूंगा जिन्होंने सिकल सेल की इस चुनौती को खत्म करने के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में,

बीमारी 2 तरह से इंसान के शरीर में रहती है, जिसमें मरीज को कोई बीमारी या लक्षण नहीं दिखते हैं और इंसान नॉर्मल जिंदगी जीता है। दूसरे में '' बीमारी के लक्षण पाए जाते हैं। देश के 13 राज्य राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलांगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में यह बीमारी का है, जबकि देश के 4 राज्य बिहार, असम, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश में इसका है।

सिकल सेल रोग (एससीडी) से पीड़ित व्यक्ति को बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करता हैं, जिनमें शरीर में दर्द रहना, कमजोरी रहना और खून की कमी जैसे कारणो से मरीज का पूरा जीवन बीमारी के बीच काटता हैं। सिकल सेल एनिमिया रोग को खत्म करने के लिए दो पहल पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें पहला है झ इस रोग की रोकथाम, ताकि आगे नए मरीज पैदा न हो और जो मरीज है उसके उपचार प्रबंधन और अच्छे स्वास्थ्य सुविधा कैसे उपलब्ध हो उसके लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है।

अगर दो ऐसे इंसान शादी करते हैं, जो दोनों Sickle Cell trekit हैं, तो उनसे पैदा होने वाला बच्चा Sickle Cell बीमारी होने की संभावना बहुत है। अगर पहले से ही Sickle Cell का स्क्रीनिंग करके ऐसे 2 लोगों को शादी करने से रोका जाए तो यह बीमारी का प्रसार रूक सकता है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनजातीय मंत्रालय और राज्यों के साथ मिलकर अगले 2-3 साल में देश के 17 राज्यों के लगभग 200 जिलों में बस रही आदिवासी व अन्य समूह की 0-40 साल से कम आयु वाली 7 करोड़ जनसख्ंया को 3 साल में स्क्रीनिंग कर अमृतकाल में 2047 तक Sickle Cell बीमारी को खत्म करने की योजना बनाई है। स्क्रीनिंग के बाद सभी को उनकी स्थानीय भाषा में स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा, जिससे शादी करने वाले लड़का और लड़की को आसानी से पता चल सकेगा कि शादी के बाद होने वाले बच्चें सिकल सेल से ग्रस्त होगें या नहीं।

इस पूरे कार्यक्रम को चलाने के लिए, जनभागीदारी को सुनिश्चित करने और बड़े पैमाने पर जागरूकता लाने के लिए अलग अलग स्तर पर मॉनिटरिंग मेकेनिज्म बनाया जाएगा। स्क्रीनिंग में बीमार पाए जाने वाले लोगों को नियमित रूप से टेस्टिंग हो, उपचार और दवाई मिले, अन्य रोगों की वैक्सीन लगे, डाइट सपोर्ट मिले और समय - समय पर काउंसिलिंग की सुविधा मिलती रहे, वह भी सुनिश्चित किया जाएगा।

इस रोग से लड़ने के लिए सरकार ने पर्याप्त बजट आवंटन, उच्च तकनीक का इस्तेमाल, स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण, जरूरी इंफ्रास्ट्रचर, सामाजिक जागृति और सामाजिक हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के प्रयास किये हैं। यह एक मजबूत इच्छाशक्ति और नीतिगत फैसलों का परिणाम है।

पहले से ही देश में आयुष्मान भारत योजना के जरिए, देश में 1.60 लाख हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर का पूरा नेटवर्क 2014 के बाद तैयार किया गया है, जिसके जरिये हमने कोविड जैसी महामारी से लड़ाई लड़ी। यह सेंटर बाकि रोगों के साथ सिकल सेल रोग को खत्म करने में भी एहम भूमिका निभाएंगे। हमने सिकल सेल के मरीजो को बेहतर इलाज देने के लिए इन सेंटर में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित कर लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 27 जून, 2023 को सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन मिशन की लॉन्चिग मध्य प्रदेश से करेंगे। यह पहल सिकल सेल एनिमिया की लड़ाई को बहुत मजबूती प्रदान करेगी। सिकल सेल के मरीजों का पूर्ण रूप से ट्रेकिंग करने के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए एक वेब पॉर्टल बनाया गया है, जिसमें उन मरीजों का परमानेंट रिकार्ड रहेगा। मुझे विश्वास है कि यह मिशन वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनिमिया के उन्मूलन का मार्ग प्रसश्त करेगा और भारत की जनजाति आबादी जो यह देश की विरासत को संजोए रखी है, वह आबादी का अस्तित्व सुरक्षित हो जाएगा।

कानून से अपराध नियंत्रित होते तो भारत की महिलाएं सुरक्षित होतीं

राजनीतिक फायदे के लिए समान नागरिक संहिता बनाने की जो कोशिश हो रही है भारतीय जनता पार्टी को भले लगता हो, कि इसका चुनाव में फायदा होगा। लेकिन ऐसा होना किसी भी हालत में संभव नहीं है। उल्टे इससे नुकसान बड़े पैमाने पर भाजपा को होगा। समान नागरिक संहिता को लेकर सभी विपक्षी दल सरकार से ड्राफ्ट मांग रहे हैं। सरकार किस तरह का कानून बनाना चाहती है। उसे सरकार सार्वजनिक करे, भाजपा और सरकार इसको लेकर मौन है। भारत की आबादी लगभग 140 करोड़ है। 140 करोड़ लोग खंड-खंड में बंटे हुए हैं। धार्मिक आधार पर मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी, जैन समुदाय भारतीय नागरिक हैं। मौलिक अधिकारों में जो धार्मिक स्वतंत्रता दी गई है। धर्म की जो आस्था इन समुदायों में बनी हुई है। समान कानून बनाकर आस्थाओं को खत्म करना, किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं है। यदि ऐसा होता, तो भारत के लोकतंत्र में जो मौलिक अधिकार नागरिकों को संवैधानिक रुप से दिए गए हैं। उनमें धर्म का कोई उल्लेख नहीं होता। समान कानून में राष्ट्र का भी एक धर्म हो सकता है। धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं को यदि एक ही लाठी से हांका जाएगा तो कल कोई भी सरकार कानून बनाकर सभी धर्मों, सभी भाषाओं और सभी परंपराओं को खत्म कर सकती है।

सनत कुमार जैन
लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

भारत में एक बार फिर सामान नागरिक संहिता को लेकर 1947 वाली स्थितियां पैदा की जा रही हैं। इससे देश को एक बार फिर बांटने की कोशिश हो रही है। राजनीतिक फायदे के लिए समान नागरिक संहिता बनाने की जो कोशिश हो रही है भारतीय जनता पार्टी को भले लगता हो, कि इसका चुनाव में फायदा होगा। लेकिन ऐसा होना किसी भी हालत में संभव नहीं है। उल्टे इससे नुकसान बड़े पैमाने पर भाजपा को होगा। समान नागरिक संहिता को लेकर सभी विपक्षी दल सरकार से ड्राफ्ट मांग रहे हैं। सरकार किस तरह का कानून बनाना चाहती है। उसे सरकार सार्वजनिक करे, भाजपा और सरकार इसको लेकर मौन है। भारत की आबादी लगभग 140 करोड़ है। 140 करोड़ लोग खंड-खंड में बंटे हुए हैं। धार्मिक आधार पर मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी, जैन समुदाय भारतीय नागरिक हैं। मौलिक अधिकारों में जो धार्मिक स्वतंत्रता दी गई है। धर्म की जो आस्था इन समुदायों में बनी हुई है। समान कानून बनाकर आस्थाओं को खत्म करना, किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं है। यदि ऐसा होता, तो भारत के लोकतंत्र में जो मौलिक अधिकार नागरिकों को संवैधानिक रुप से दिए गए हैं। उनमें धर्म का कोई उल्लेख नहीं होता। समान कानून में राष्ट्र का भी एक धर्म हो सकता है। धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं को यदि एक ही लाठी से हांका जाएगा तो कल कोई भी सरकार कानून बनाकर सभी धर्मों, सभी भाषाओं और सभी परंपराओं को खत्म कर सकती है। यह भय अब हर समुदाय में बन रहा है। भारत में धार्मिक आधार पर मुस्लिम, ईसाई बौद्व धार्मिक अल्पसंख्यक की बड़ी आबादी है। वर्तमान सरकार इनको निशाने पर ले रही है। जब कानून बनेगा, तो उसका असर बौद्ध, सिख और जैन समुदाय पर भी पड़ेगा। भारत में सबसे बड़ी संख्या में बौद्ध समुदाय के हिंदुओं की संख्या है। उसके बाद सिख और जैन धर्म मानने वालों की संख्या है। भारत में बौद्ध और मुसलमान धर्म मानने वालों की आबादी लगभग 80 करोड़ से ज्यादा की है। आदिवासियों की संख्या भी भारत में कम नहीं है। बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों में अधिकांश पिछड़े और दलित समुदाय की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। आदिवासी समुदाय भी धार्मिक आधार पर अपने आपको हिंदू नहीं मानता है। वह बड़े देव की पूजा अपने तौर तरीके से करता है। आदिवासियों की भी अपनी धार्मिक एवं सामाजिक मान्यताएं हैं। बौद्ध धर्म मानने वाले लोग हिंदुओं के उच्च वर्ग को मनुवादियों का प्रतिनिधि मानकर, पिछले 5 दशक से लगातार इसके विरोध में खड़े हो रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी के कांशीराम ने इन्हें हिंदू समाज से अलग सोच दी है। आदिवासियों के जंगलों को जिस तरह से कानून बनाकर हड़पा जा रहा है। आदिवासियों को जंगल से बेदखल करने से नक्सलवादी घटनाएं हो रही हैं। उसके पीछे जल, जंगल और जमीन की लड़ाई पिछले कई दशकों से देखने को मिल रही है। पिछले 60 सालों में नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के बारे में सभी वर्ग सजग हुए हैं। सभी अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख गए हैं। वहीं समयानुसार जो सामाजिक परिवर्तन आने चाहिए। वह समाज में शनैःशनैः आ भी रहे हैं। यह सारे सामाजिक परिवर्तन कानून के जरिए लागू नहीं हुए हैं। आज भारत के सभी राज्यों में खान-पान, कपड़ों को पहनने, भाषायी ज्ञान सब कुछ बदल रहा है। इसके लिए कोई कानून नहीं बनाया गया था। मुस्लिम पर्सनल ला में निकाह, तलाक, विरासत, जायजाद में लड़कियों का हिस्सा बहुविवाह इत्यादि के प्रावधान हैं। ईसाई समुदाय में विवाह अधिनियम 1872 के अंतर्गत कानूनन मान्य है। भारत में हजारों समुदाय हैं। सबके अपने-अपने देवी देवता हैं। सबकी अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। उन्हीं मान्यताओं और आस्थाओं के आधार पर लोग अपनी धार्मिक और सामाजिक नैतिकता के साथ अपना जीवन जीते हैं। समान नागरिक संहिता में इन सभी वर्गों के ऊपर असर पड़ेगा। केवल मुसलमान और ईसाई के ऊपर या बहुविवाह इत्यादि के समले तक सीमित नहीं रहेगा। हिन्दुओं के लिए भी अलग कानून बना हुआ है। भाजपा और केंद्र सरकार ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर बरैया के छत्ते में हाथ डाल दिया है। इससे बच पाना सरकार के लिए बहुत मुश्किल होगा। वह भी ऐसे समय पर जब बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट से लगभग लगभग 90 फीसदी आबादी जूझ रही हो। केंद्र सरकार आज जो करना चाहती है। 1947 से संविधान बनने तक, हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने धार्मिक और भाषाई आधार को मौलिक अधिकारों में शामिल किया। ताकि भारत एकजुट रह सके। धार्मिक आधार पर यदि कोई रीति-रिवाज और धार्मिक आस्थायें थी। उन्हें धार्मिक आधार पर स्वीकार किया गया। भारत की धार्मिक एवं सामाजिक विविधता को एक माला के स्वरुप में पिरोने का जो काम हमारे राजनेताओं ने किया था। वह अपने आप में उस समय का सबसे दुरूह कार्य था। हजारों, लाखों वर्षों से भारत राजा रजवाड़ों का देश रहा है। नागरिकों ने स्वतंत्रता कभी राजतंत्र में देखी ही नहीं थी। अंग्रेजों के 90 साल की शासन व्यवस्था में हजारों राज्यों के राजा जब अंग्रेजों के अधीन आए, तब अंग्रेजों ने ही भारत में नियम कायदे कानून बनाकर एक शासन व्यवस्था शुरू की। सारे देश को एक सूत्र में पिरोने का काम अंग्रेजों ने किया। अंग्रेजों के समय पर भी समान नागरिक संहिता नहीं बनाई जा सकी। जबकि हम गुलाम थे। 1947 के बाद से भारत के नागरिक स्वतंत्र हैं। सभी नागरिकों को जनतंत्र में मौलिक अधिकार दिए गए हैं। सभी धर्म के लोगों को अपनी- अपनी आस्था के अनुसार धर्म को मानने की स्वतंत्रता दी गई है। न्याय के लिए न्यायपालिका है। धर्म धारण करने की वस्तु है। नैतिकता से व्यक्ति, परिवार, समाज और देश का उत्थान होता है। धर्म नैतिकता का सबसे बड़ा आधार है। धर्म चाहे कोई भी हो। धार्मिक आस्थायें हमारी नैतिकता को बरकरार रखती हैं। जो समाज नैतिक होता है, वह धर्म और कानून से स्व नियंत्रित होता है। कानून बनाकर और दंडित करके कभी भी कोई व्यवस्था नहीं बन सकती है। यदि बन सकती होती, तो इतने सारे कानून हैं। उन कानूनों का पालन आसानी से होने लगता। अपराधों को रोकने के लिए, भारत सरकार ने बहुत सारे कानून पिछले वर्षों में बनाए हैं, बहुत कठोर कानून हैं। इसके बाद भी अपराध नियंत्रित ना होकर और बढ़ते ही जा रहे हैं। यह मान लेना कि समान नागरिक संहिता बनाकर हम राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समीकरणों को मजबूत कर लेंगे, कभी संभव नहीं होगा। आस्था, विश्वास और नैतिकता के सहारे ही व्यक्ति , परिवार, समाज का उत्थान संभव है। कानून की जगह हमें नैतिकता पर ध्यान देने की जरुरत है। जिस दिन हम नैतिकता के साथ निजी जीवन जीना शुरू कर देंगे। उसके बाद कानून में समान नागरिक संहिता बनाने की जरूरत नहीं होगी। ना तो किसी व्यक्ति के एक से विचार हो सकते हैं। न ही उसका एक धर्म हो सकता है। न ही किसी एक विषय पर उसकी आस्था हो सकती है। मान्यवर यहां यह भी ध्यान रखना होगा, कि पौराणिक कथाओं के अनुसार ब्रह्मा, विष्णु और शिव संप्रदाय के लोग आपस में एक दूसरे के साथ लड़ते रहे हैं। ब्रह्मा, विष्णु और शिव संप्रदाय को मानने वाले सारे लोग सनातन धर्म मानने वाले हिंदू हैं। लेकिन यह सभी हिन्दू अनादि काल से आज तक न तो कभी एक हुए हैं, न कभी एक होंगे। सबकी अपनी अपनी मान्यताएं हैं। भारत महावीर का देश है। उन्होंने अनेकांतवाद का सिद्वांत दिया तभी देश में हिंसा रुकी। किसी भी दो व्यक्ति के विचार एक नहीं हो सकते है। परिवार में माता-पिता और बच्चों के विचार कभी एक नहीं हुए। जैसे ही हम अपने विचारों को मानने के लिए विवश करते हैं। वहीं से हिंसा शुरू हो जाती है। कानून बनाकर हम पारिवारिक हिंसा को नहीं रोक पा रहे हैं। तब करोडों लोगों की हजारों आस्थाओं और परम्पराओं को कानून बनाकर कैसे रोक सकते हैं। इससे सामूहिक हिंसा बढ़ना तय है।

सामाजिक, आर्थिक समानताओं का क्या?

अजीत द्विवेदी

सबके लिए समान कानून होने चाहिए और कानून के समक्ष सबको समान होना चाहिए, यह एक आदर्श स्थिति है। लेकिन सबको पता है कि कानूनी समानता या कानून के समक्ष समानता एक मिथक है या एक यूटोपिया है, जिसकी कम से कम भारत में कल्पना नहीं की जा सकती है। फिर भी यह अच्छी बात है कि सबके लिए समान कानून बनाने की पहल हो रही है। 22वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर लोगों की राय ले रहा है और प्रधानमंत्री सार्वजनिक रूप से इसकी जरूरत बताते हुए इसकी वकालत कर रहे हैं। इस बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा जा चुका है। भारत जैसे विविधता वाले देश में तमाम जातीय व धार्मिक समुदायों के साथ समान नागरिक संहिता का कैसे तालमेल बैठेगा और कैसे उसे स्वीकार्य बनाया जाएगा, यह एक बड़ा सरोकार है। लेकिन उससे बड़े सवाल यह है कि कानूनी समानता से आगे क्या? क्या कानूनी समानता से देश में सदियों से बनी दूसरी असमानताएं समाप्त हो जाएंगी? इस सवाल पर समान नागरिक संहिता को बहस से अलग रख कर ही विचार किया जा सकता है क्योंकि कानूनी समानता की कथित जरूरत को दूसरी असमानताओं के साथ जोड़ने से कई लोगों की भावनाएं आहत होने लगती हैं। इसलिए समान नागरिक संहिता को अलग रखते हैं और बाकी असमानताओं पर विचार करते हैं। क्या किसी भी सरकार के पास कोई आइडिया है कि सदियों से जो सामाजिक असमानता है उसे कैसे दूर करेंगे? शैक्षणिक असमानता को कैसे दूर करेंगे? जन विरोधी सरकारों की नीतियों की वजह से जो आर्थिक असमानता पैदा हुई है और बढ़ती जा रही है उसे कैसे दूर करेंगे? क्या अच्छा नहीं होता है कि सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक विषमता को दूर करने की जरूरत पर पहले नहीं तो कम से कम साथ साथ ही विचार किया जाता?

भारत में इन विषमताओं की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसकी एक मिसाल इन दिनों सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। देश की सामाजिक विषमताओं पर विचार करने वाले एक सार्वजनिक बुद्धिजीवी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की एक तस्वीर सोशल मीडिया में साझा की, जिसमें राष्ट्रपति दिल्ली के हौजखास स्थित जगन्नाथ मंदिर के दरवाजे से बाहर खड़े होकर पूजा कर रही हैं। इसी के साथ एक दूसरी तस्वीर भी साझा की गई, जिसमें केंद्र सरकार के मंत्री और दिल्ली के उप राज्यपाल उसी मंदिर में अंदर जाकर पूजा कर रहे हैं और भगवान को छू रहे हैं। हालांकि बाद में मंदिर का संचालन करने वाले श्री नीलांचल सेवा संघ के सचिव रविंद्र नाथ प्रधान की ओर से कहा गया कि मंदिर का नियम है कि सिर्फ यात्रा के समय उसे खोला जाता है और उस समय जो मुख्य अतिथि होता है वह मंदिर के अंदर जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंदिर के अंदर जाने के लिए नहीं कहा, अगर वे कहतीं तो उनको अंदर ले जाया जाता। हो सकता है कि मंदिर का ऐसा नियम हो लेकिन इससे मंदिर प्रवेश को लेकर भारत में जो मान्यताएं हैं उनकी एक फॉल्टलाइन जाहिर हुई है। अनेक मंदिरों में प्रवेश को लेकर कई तरह की पाबंदियां हैं। केरल के सबरीमाला मंदिर से लेकर महाराष्ट्र

संक्षिप्त खबरें

बदायूं में बैंक लॉकर चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के अलापुर थाना पुलिस और एसओजी/स्वाट टीम ने अंतरराज्यीय बैंक लॉकर चोरों के गिरोह के तीन सदस्यों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया, ह्यपुलिस टीम ने अलापुर थाना क्षेत्र के ककराला के गुड्डू कालिया उर्फ अय्याज, अली नईम उर्फ गोरा और यूसुफ खान को गिरफ्तार किया है। तीनों बैंक चोरों के गिरोह के सदस्य हैं जो बैंक लॉकरों को काटकर सोने की चोरी करते थे। श्रीवास्त व ने दावा किया, ह्यतीनों आरोपी कर्नाटक और तेलंगाना में बैंक लॉकरों में चोरी की कम से कम तीन हालिया घटनाओं में शामिल थे। आरोपियों ने पिछले दो वर्षों में बैंक लॉकरों से लगभग 13 किलोग्राम सोना चुराया। उनका गिरोह महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में भी इसी तरह की घटनाओं में शामिल था। उन्हों ने बताया कि पुलिस टीम ने शुक्रवार तड़के आरोपियों को घेर लिया। तीनों ने पुलिस टीम पर गोलियां चलायी लेकिन मुठभेड़ के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने विधिक प्रक्रिया पूरी कर आरोपियों को जेल भेज दिया है।

प्रधानमंत्री सात जुलाई को गोरखपुर में गीता प्रेस शताब्दी वर्ष के समापन में ले सकते हैं हिस्सा

प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी का 07 जुलाई को गोरखपुर और कुशीनगर का दौरा संभावित है। प्रधानमंत्री गोरखपुर में गीता प्रेस शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में शिरकत करेंगे और इसके बाद कुशीनगर में प्रस्तावित गौतमबुद्ध कृषि विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रख सकते हैं। गोरखपुर और कुशीनगर जिला प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। गोरखपुर जिले के आला अधिकारियों ने गुरुवार को गीता प्रेस पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। गीता प्रेस के प्रबंधक लालमणि तिवारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन के लोगों ने गीता प्रेस आकर यह बताया है कि 07 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी का दौरा संभावित है। इस दौरान उन्होंने यहां की तैयारियों के बावत विचार-विमर्श भी किया। इस दौरान प्रधानामंत्री मोदी चित्रमय महाशिव पुराण का लोकार्पण भी करेंगे। उधर, भाजपा के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि कुशीनगर जिले में प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बरवां जंगल में होगा। बरवां जंगल स्थित आलू फार्म की जमीन का समतलीकरण किया जा रहा है। वहां जनसभा होने की उम्मीद है। हालांकि जिले के अधिकारी अभी प्रधानमंत्री के किसी भी कार्यक्रम से इनकार कर रहे हैं।

खेत पर जा रही मां-बेटी को पीटा,चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

गजरौला।खेत पर जा रही मां-बेटी को मारपीट कर गांव निवासी चार लोगों ने घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।क्षेत्र के गांव कांकाठेर निवासी शशि अपनी बेटी के साथ बीती 23 मार्च की शाम अपने खेत पर जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में खड़े गांव निवासी चार लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने मामले में कांकाठेर निवासी सोनू, बिजेंद्र, भोले व कुवंरपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही है।गाजीपुर जिले की निवासी एक महिला का धर्म परिवर्तन कराकर पहले दुष्कर्म और फिर निकाह करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ चार दिन पूर्व रिपोर्ट दर्ज की गई थी। क्षेत्र के गांव कसेरुआ निवासी एक युवक की 14 साल पूर्व गाजीपुर जिले की निवासी दूसरे समुदाय की एक युवती से दोस्ती के बाद बातचीत होने लगी। आरोप है कि युवक ने युवती को अपना गलत धर्म व नाम बताकर दोस्ती की और शादी करने का वादा किया। इस पर युवती गाजीपुर से गजरौला आ गई। आरोप है कि यहां युवक ने उसका धर्म परिवर्तन कराते हुए निकाह कर लिया। इसके कुछ ही दिन बाद आरोपी युवक ने उसे गांव के ही निवासी तीन अन्य लोगों को बेच दिया। पीड़िता ने थाना पुलिस स्तर पर शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। वहीं मामले में बीते रविवार को बजरंग दल कार्यकर्ता महिला के साथ थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सीओ अरुण कुमार के मुताबिक मामले में आरोपी अजरुद्दीन पुत्र निसार अहमद को गिरफ्तार कर चालान किया गया है।

पहले की सरकारें माफिया के साथ खड़ी होती थीं : योगी

प्रयागराज, एजेंसी

योगी आदित्यनाथ प्रयागराज दौरे पर हैं। शुक्रवार को सीएम ने लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से छुड़वाई जमीन पर बने 76 फ्लैट की चाबियां गरीबों को सौंपी। इस दौरान सीएम ने 20 लाभार्थियों से संवाद किया। कहा- हमारी सरकार गरीबों के साथ खड़ी है। पहले की सरकारें माफिया के साथ खड़ी होती थीं। पहले जमीनों पर सरकार से संरक्षित माफिया कब्जा करते थे। अब हमारी सरकार में ऐसा नहीं हो सकता है। सीएम योगी ने 768 करोड़ के 226 प्रोजेक्ट का लोकार्पण-शिलान्यास भी किया। इससे पहले सीएम ने पीडीए अफसरों के साथ फ्लैट के कंस्ट्रक्शन का निरीक्षण किया। इसके बाद बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चाकलेट भी दिया। इस दौरान सीएम के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी मौजूद रहे। लीडर प्रेस मैदान में सीएम ने कहा, ह्व2017 से पहले कोई भी जमीन पर कब्जा कर लेता था। अब उन्हीं जमीनों पर गरीबों के आवास बनवा रहे हैं। अब व्यापारियों और गरीबों को कोई परेशान नहीं करता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में 54 लाख लोगों को घर मिले हैं। पहले प्रदेश की सरकार किसी गरीब को आवास नहीं देना चाहती थीं। जल्द 10 लाख लोगों को नए घर मिलने वाले हैं।ह्व सीएम ने कहा,ह्व768 करोड़ की परियोजनाओं के साथ आज कुख्यात माफियाओं के कब्जे से मुक्त करवाकर गरीबों को आवास दिए जा रहे हैं। कहने के लिए ये 76 आवास हैं, लेकिन इसके पीछे एक भाव है कि ये माफियाओं से मुक्त करवाकर दिए जा रहे हैं। प्रयागराज एक पौराणिक नगरी है। शिक्षा और न्याय की धरती रही है। आज प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों से कहना चाहूंगा कि वो भी अपने जनपद मे ऐसे ही माफियाओं की कब्जाई जमीन पर गरीबों के लिए आवास बनवाने का कार्य करें।ह्व उन्होंने कहा, ह्वयहां

एक कन्वेंशन सेंटर भी बनना चाहिए। प्रयागराज प्राधिकरण डीपीआर तैयार करें। फरवरी मे हमने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट किया। हमको 36 हजार करोड़ के निवेश प्राप्त हुए। अगर प्रदेश मे माफिया होते, तो ये मिलना मुश्किल था। 2025 का प्रयागराज कुंभ भव्य और दिव्य होगा।ह्व उन्होंने कहा, ह्वजिस स्पीड के साथ भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। इसको बनाए रखेंगे तो 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। ये देश नारों से नहीं चलेगा। जो कार्य हुए है, उससे चलेगा। आज भारत और उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है। केशव बोले- कमल का बटन दबाने का मतलब, गरीब को आशियाना देना इससे पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ह्वमाफिया के कब्जे से छुड़वाई जमीन पर गरीबों के आशियाना बन जाए, तो इससे ज्यादा खुशी हो नहीं सकती है। बीजेपी की डबल इंजन सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है। कमल के बटन दबाने का मतलब, किसी गरीब को घर देना। कमल का बटन दबाने का मतलब, माफिया जेल पहुंचाना है। इसलिए 2024 लोकसभा चुनाव में कमल का बटन दबाना जरूरी है। नंदी बोले- सपा सरकार होती, तो खास जाति के लोगों को ही फ्लैट मिलते केंद्रीय मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने कहा,ह्व ये जो 76 घर दिए जा रहे हैं। अगर सपा की सरकार होती, तो सिर्फ एक खास जाति को मिलते। लेकिन, अभी आप देख लीजिए। सबका साथ, सबका विकास ही दिखेगा। पहले नौकरियां निकलती थीं, तो उसमें भी यही होता था। एक खास वर्ग को फायदा दिया जाता था।ह्व उन्होंने कहा, ह्वप्रयागराज के लिए ये बड़ा दिन है। 768 करोड़ के प्रोजेक्ट सीएम लोगों को सौंप रहे हैं। सिर्फ 1 मिनट के लिए आंख बंद करके सोचिए, 2014 से पहले के हाल। फिर आज के हाल। पहले कैसे गुंडागर्दी होती थी। सरकारें कुछ करती नहीं थी। बोलती तक नहीं थीं। मंत्री ने कहा कि जब पुलवामा में पीएम नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को घर में घुसकर मारा। इसलिए कह सकते हैं कि हम सशक्त भारत में रहते हैं। 2022 के चुनाव में आपने सुना ही होगा कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। या सुना होगा कि बुलडोजर बाबा। 2017 से पहले वो लोग आते थे कहते थे कि अखिलेश भैया से मिलकर आ रहे है। अधिकारियों का ट्रांसफर नहीं होगा। पहले हिसाब किताब होगा। आज वो लोग जेल में है। मिट्टी में मिल गए हैं। 2021 में योगी ने कहा था, यहां गरीबों के लिए घर बनाएंगे 2021 में सीएम ने अतीक के अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर फ्लैट्स बनाने का ऐलान किया था। दिसंबर 2021 में सीएम भूमि पूजन करने प्रयागराज आए थे। इस प्रोजेक्ट को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने डेढ़ साल में पूरा किया। यहां 76 फ्लैट बनकर तैयार हुए हैं। 1731 वर्गमीटर में तैयार किए गए 76 फ्लैटों के लिए कुल 6071 लोगों ने आवेदन किया था। ढऊअ वीसी अरविंद सिंह चौहान ने बताया,ह्वएक फ्लैट के लिए 80 गरीबों ने आवेदन किया है। पात्रों को लकी ड्रॉ के जरिए फ्लैट्स आवंटित किए गए हैं। 3 किस्त में चुकानी होगी फ्लैट की कीमत अरविंद सिंह चौहान ने बताया, ह्वफ्लैटों के आवंटन के लिए पिछले साल 30 जून से 31 जुलाई तक आवेदन लिए गए थे। इसके लिए 150 रुपए रजिस्ट्रेशन शुल्क और 5000 रुपए आवेदन शुल्क तय किया गया था। लूकरगंज में एक बिल्डिंग 3 मंजिला है। इसमें प्रत्येक फ्लैट का कवर एरिया 22.77 वर्गमीटर है। योजना के तहत फ्लैट के लिए आवंटी को कुल साढ़े 3 लाख रुपए पीडीए को भुगतान करने होंगे। इसमें 45 हजार रुपए आवंटन के समय और शेष बचे तीन लाख रुपए छह माह की किस्त में देनी होगी।

लोकसभा चुनाव के लिए यूसीसी को लेकर दुष्प्रचार कर रही भाजपा : शिवपाल सिंह यादव

इटावा, एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर दुष्प्रचार कर रही है। शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र जसवंतनगर में पत्रकारों से बातचीत में शिवपाल सिंह यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। यूसीसी को लेकर भाजपा के रुख पर जब उनसे सवाल किया गया तो यादव ने कहा, ह्यह्यजब भी चुनाव आते हैं, ये (भाजपा) लोग इस तरह का प्रचार करते हैं। उन्हें ना तो

कुछ करना है और ना ही वे कुछ कर पाएंगे। वे चुनाव से पहले इस तरह की बातें करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान समान नागरिक संहिता की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि संविधान में भी सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार होने का उल्लेख है। मोदी ने यह भी कहा कि भाजपा ने फैसला किया है कि वह तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति का रास्ता नहीं अपनाएगी। मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष समान नागरिक संहिता के मुद्दे का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने और भड़काने के लिए कर रहा है। यहां अपने निर्वाचन क्षेत्र जसवंतनगर में एक मेडिकल स्टोर का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवपाल सिंह यादव ने यह भी आरोप लगाया कि जो भाजपा कानून-व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, उसकी सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। सहारनपुर में बुधवार को भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद पर हुए हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। उन्हों ने कहा, ह्वलोग ना तो पुलिस थानों में सुरक्षित हैं, ना पुलिस हिरासत में और ना ही अदालतों में और उन्हें खुलेआम मारा जा रहा है। अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं। यादव ने कहा कि प्रदेश में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है, लेकिन भाजपा और सरकार झूठे दावे कर रही है और उसे महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी जैसे मुद्दों की कोई चिंता नहीं है। जनता के बीच भाजपा की साख गिरने का दावा करते हुए यादव ने कहा कि विकास का काम सपा ने पूरी तरह से किया, सडकें दी, पुल बनवाए, किसानों के कर्ज माफ किये और जनता को अन्य कई सुविधाएं दीं।

श्री खाटू श्याम बाबा के भंडारे का हुआ आयोजन, हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया

प्रात : किरण, संवाददाता

हसनपुर। शुक्रवार को नगर के श्री झारखंड शिवाला मंदिर पर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया बताते चलें कि श्री खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में गुरुवार को श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा एक निशान यात्रा निकाली गई थी तथा आज शुक्रवार को श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं अन्य सभासद ने पहुंचकर बाबा के दर्शन किए आशीर्वाद लिया प्रसाद ग्रहण किया इस संबंध में श्री श्याम मित्र मंडल के शैंकी अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को देर शाम खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में भंडारे के उपरांत एक भजन संध्या का भी आयोजन किया जा रहा है जो शाम 7:00 बजे से प्रारंभ होकर देर रात्रि तक चलेगा उन्होंने बताया कि बाहर से आए कलाकारों द्वारा श्री खाटू श्याम बाबा के भजनों पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी तथा कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भक्तों के पहुंचने का अनुमान है उधर बाबा के भंडारे में हजारों की संख्या में पहुंचे भक्त लोगों ने बाबा के भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी, सभासद नितिन सैनी, राहुल सैनी, राजपाल सैनी एवं श्री श्याम मित्र मंडल के गौरव अग्रवाल शैंकी, पराग अग्रवाल, आशु चौहान, मोहित चौहान, संदीप अग्रवाल, शोभित शर्मा, मोहित शर्मा, हनी अग्रवाल, प्रवीण प्रजापति, नितिन अग्रवाल, शुभम बंसल, शुभम आर्य, पुनीत अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, पूर्व सभासद वेद प्रकाश अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, खुशी सक्सेना, राजू सक्सेना, मोहित अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, संजय आदि सहित भारी संख्या में भक्तों ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया।

देवशयनी एकादशी पर हारे का सहारा.....

खाटू श्याम बाबा का हुआ सिंगर, भजनों पर थिरके भक्त

प्रात : किरण, संवाददाता

धनौरा। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी के उपलक्ष्य में भव्य श्रंगार कर दुःख हर्ता युवराज सरकार की 193वीं पवित्र ज्योति प्रज्वलित कर खाटू नरेश श्याम बाबा का संकीर्तन श्री नवदुर्गा शिव साईं मन्दिर टीचर कालोनी महादेव में किया गया। जिसमें अर्पित कौशिक ने खाटू से आया बाबा श्याम देखो कीर्तन में दीपक शर्मा ने हारा हूँ बाबा पर तुझ पे भरोसा है , मीनू शर्मा ने प्यारा दरबार है सुंदर श्रंगार है, शौर्य मित्तल ने अर्जी लिख दी मैंने तेरे दरबार में,गोलू सांवरिया ने मेरी जो लाज है बाबा तेरे हाथ है सूरज वशिष्ठ ने लहरादे लहरादे बाबा मोरछड़ी लहरादे, क्रश वर्मा बिगड़ी बने न बाबा श्याम के बिना

सेवादार दीपक शर्मा ने मोरछड़ी का झाड़ा लगाया। द्वादशी (बारस)पर हारे के सहारे श्याम सरकार को खीर, चुरमें ,गुड़ चने, बिस्कुट दही चावल बूरा, का भोग लगाकर बाबा से अर्जियों पर मोहर लगवाने को प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विपिन अग्रवाल, सुमित शर्मा, मनोज, विनीत राठी, सर्वेश शर्मा, सुमन, महेश, प्रीती, संतोष, सुधांशू शर्मा,नरेंद्र, राजू बादशाह, सचिन, मोहित, नमन, विशाल, पुष्पेंद्र, आदि मौजूद रहे ।

बांदा में एक वाहन खड़े ट्रक से टकराया, सात लोगों की मौत

बांदा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के बबेरू कोतवाली क्षेत्र में तेज गति से जा रहे वाहन के खड़े ट्रक से टकराने के कारण सात लोगों की मौत हो गयी और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को दी। बबेरू क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि परइयादायी मंदिर के नजदीक बृहस्पतिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे तेज रफ्तार से जा रहा एक वाहन (बोलेरो जीप) सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। उन्होंने बताया कि हादसे में जीप सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल एक व्यक्ति का इलाज मेडिकल कॉलेज बांदा में चल रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों

की पहचान शकील (25), मुशाहिद (24), मोहम्मद कैफ (18), शायराबानो (37), कल्लू (13), जाहिल (25) के रूप में हुई है। हादसे में मृत सातवें व्यक्ति की पहचान राज खेंगर (28) के रूप में हुई है। जाहिद गंभीर रूप से घायल है, उसका मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। सीओ ने बताया कि बृहस्पतिवार की देर शाम शायराबानो का बेटा कल्लू (13) करंट लगने से झुलस गया था। उसको परिजन इलाज के लिए जीप से बबेरू अस्पताल ले जा रहे थे, तभी सड़क के किनारे खड़े ट्रक में तेज रफ्तार जीप ने पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि सभी लोग तिलौसा गांव के रहने वाले हैं। सिंह ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भाग गया। सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच आरंभ कर दी गयी है और ट्रक व उसके चालक की तलाश की जा रही है। सीओ के अनुसार, प्रथमदृष्टया सड़क हादसे में बोलेरो जीप के चालक

आगरा-मथुरा के बीच हेलीकॉप्ट र सेवा शीघ्र

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग आगरा और मथुरा के बीच हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार है। राज्य कैबिनेट ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत शहर के हेलीपोर्ट्स को राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को पट्टे पर देने की मंजूरी दे दी है। राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, हेलिकॉप्टर आगरा के एत्मादपुर उपमंडल में नवनिर्मित हेलीपोर्ट से मथुरा के गोवर्धन तक संचालित होंगे, जहां एक और हेलीपोर्ट निमार्णाधीन है। इससे पहले, आगरा और मथुरा के बीच सेवाएं शुरू करने के लिए टेंडर प्रक्रिया में कम से कम पांच हेलिकॉप्टर ऑपरेटिंग कंपनियों ने भाग लिया था, इसमें से राजास एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को दोनों शहरों के बीच हेलिकॉप्टर सेवाएं प्रदान करने के लिए चुना गया था। प्रमुख सचिव, पर्यटन, मुकेश मेश्राम ने कहा, राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी लेनी होगी, जिसके बाद कंपनी आगरा और मथुरा के बीच सेवाएं शुरू कर सकती है। दूसरे चरण में, सेवाएं लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु में और उसके बाद वाराणसी और अयोध्या में शुरू होंगी। उन्होंने कहा, दो से चार वर्षों में राज्य के 20-25 शहरों में सेवाएं चालू हो जाएंगी। उन्होंने बताया, यह पहली बार है कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ऐसी सेवा संचालित कर रहा है। हेलीपोर्ट को राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को 25,00,500 रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से पट्टे पर दिया जाएगा। दो हेलीपोर्ट के वित्तीय मॉडल के आधार पर, डिपार्टमेंट कंसल्टेंसी फर्म केपीएमजी ने न्यूनतम आधार मूल्य 13.50 लाख रुपये तय किया, जिसके मुकाबले फर्म द्वारा बोली मूल्य 85.20 प्रतिशत अधिक है। पट्टे की शर्त के तहत चयनित फर्म को अनुबंध निष्पादित होने से पहले 2,03,84,000 रुपये का भुगतान करना होगा। लीज 30 साल के लिए है। डेवलपर को विकास कार्य के लिए दो साल का समय दिया जाएगा जिसके बाद पट्टे को 30 साल के लिए नवीनीकृत किया जाएगा।

शादी से नाखुश पति ने पहले पत्नी और बाद में खुद को मारी गोली

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में चार महीने पहले हुई शादी से नाखुश पति ने शुक्रवार की सुबह तड़के पहले पत्नी को गोली मारी फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस आनन फानन में मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बताया जा रहा है कि गांव मखियाली निवासी नसीम की शादी गाजियाबाद की लोनी निवासी

तमन्ना के साथ चार महीने पहले हुई थी। पुलिस के मुताबिक, नसीम और तमन्ना की शादी नसीम के मौसेरे भाई सद्दाम ने कराई थी। इस रिश्ते से नाखुश नसीम का मानना था कि सद्दाम ने गलत शादी करा दी है। नसीम और तमन्ना के बीच अकसर झगड़े होते रहते थे और गुरूवार देर रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद नसीम तमन्ना को मोटरसाकिल पर बैठाकर बिचौलिए मौसेरे भाई सद्दाम के गांव गादला सुबह तड़के ही पहुंच गया और घर के बाहर उसका नाम लेकर चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर सद्दाम तो नहीं पडोसी बाहर निकलने और उसने नसीम से चिल्लाने की वजह पूछी। इस पर गुस्साये नजीम ने पड़ोसी पर फायरिंग कर दी। इसके बाद वह तमन्ना को लेकर मोटरसाइकिल से बाहर चला गया जहां गांव के बाहर उसने पहले तमन्ना को गोली मारी और उसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एसपी देहात ने बताया कि दोनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। जांच की जा रही है। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि सीने में गोली लगने के बाद तमन्ना सड़क पर तड़पती रही। हालांकि, आसपास के लोग उसकी मदद करने की बजाए वीडियो बनाते रहे। पुलिस के पहुंचने से पहले तमन्ना ने सड़क पर ही दम तोड़ दिया। नसीम और तमन्ना की शादी कराने वाले सद्दाम को पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने पर बैठाया हुआ है। जानकारी मिली है कि नसीम शादी से पहले सउदी अरब में था, वहां वो बतौर ड्राइवर काम करता था। उसके पास पिस्टल कहां से आई, क्या उसका कोई आपराधिक इतिहास है। पुलिस इस बारे में भी जांच-पड़ताल कर रही है।

यूपी में बाघ ने किसान को मार डाला

पीलीभीत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक बाघ ने 50 वर्षीय किसान को मार डाला और उसके शरीर का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खा लिया। उसके अवशेष गन्ने के खेतों में पाए गए। मृतक किसान की पहचान लालता प्रसाद के रूप में हुई है। घटना तब हुई जब लालता और उसका भाई कैलाश चंद्र काम करने के लिए खेत में गए थे। लेकिन कैलाश कुछ उपकरण लेने के लिए घर लौट आया और लालता को अकेला छोड़ दिया। जब कैलाश वापस लौटा तो उसे अपना भाई नहीं मिला। कैलाश ने कहा, जब मैंने मिट्टी पर बाघ के पगमार्क देखे, तो मैंने मदद के लिए फोन किया, तो साथी ग्रामीण मौके पर पहुंचे। अगले दिन, हमें बगल के गन्ने के खेत में आंशिक रूप से खाया हुआ एक पैर और एक पैर का हिस्सा मिला। बाद में, हमें 250 मीटर दूर स्थित एक अन्य गन्ने के खेत में सिर, श्वासनली और दाहिने हाथ को छोड़कर, शरीर के बाकी आधे खाए हुए हिस्से मिले। पूरनपुर सर्कल के रेंज अधिकारी कपिल कुमार ने कहा कि यह स्थल पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के माला वन रेंज से लगभग 1.5 किमी दूर है। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) अचल कुमार और कालीनगर सर्कल के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट लोगों को शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे। जीवविज्ञानी ज़िब्रान अली के नेतृत्व में भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट की एक टीम ने पीटीआर के प्रभागीय वन अधिकारी नवीन खंडेलवाल के निर्देश पर हमले स्थल के चारों ओर 10 कैमरा ट्रैप लगाए। इसके अतिरिक्त, बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पीटीआर और वन एवं वन्यजीव प्रभाग की फील्ड वन टीमों को तैनात किया गया है। अली ने कहा, पगमार्क से पता चलता है कि यह एक नर वयस्क बाघ था। डीएफओ ने कहा, ह्वमृतक के परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा।

अडानी घोटाले का सच जेपीसी जांच से आएगा सामने : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी की घनिष्ठता के कारण अडानी महा घोटाला हुआ है और इसमे कोई भी जांच असरदार नहीं होगी इसलिए सिर्फ संयुक्त संसदीय समिति(जेपीसी) की जांच से ही इसकी असलियत सामने लाई जा सकती है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि पार्टी पहले से ही मानती है कि उच्चतम न्यायालय की विशेषज्ञ समिति और सेबी की जांच का दायरा सीमित है और सिर्फ जेपीसी ही अडानी ग्रुप के साथ प्रधानमंत्री मोदी के घनिष्ठ संबंधों की जांच कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस जांच से यह भी पता लगा सकता है कि श्री मोदी ने अपने करीबी दोस्तों की मदद के लिए कानूनों, नियमों और विनियमों को बदलकर देश तथा विदेशों में अडानी समूह के व्यवसाय को व्यक्तिगत रूप से कैसे सुविधाजनक बनाया है। उनका कहना था कि यह महा घोटाला है और इसके सभी पहलुओं को सिर्फ जेपीसी जांच के माध्यम से ही सामने लाया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा,ह्वसुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी ने अडानी महा घोटाले पर सेबी के दृष्टिकोण के संबंध में सॉफ्ट लेकिन दोषी ठहराने जैसी भाषा का इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सेबी की तरफ से विनियामक विफलता नहीं हुई है, हालांकि जांच में कई विनियामक विफलताओं का उल्लेख है। इनमें नियमों में बदलाव भी शामिल है, जिनकी वजह से अपारदर्शी विदेशी फंड्स को भारी मात्रा में अडानी की कंपनियों में निवेश करने की इजाजत मिली। सेबी बोर्ड की 28 जून की बैठक के बाद सख़्त रिपोर्टिंग नियमों को फिर से लागू करना नियामक संस्था द्वारा सार्वजनिक रूप से अपराध स्वीकार करना दशार्ता है। उन्होंने कहा कि सेबी का निदेशक मंडल स्वीकार करता है कि उसे न्यूनतम पब्लिक शेयर होल्डिंग की आवश्यकता जैसे नियमों की अनदेखीह्व को रोकने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है और ठीक यही आरोप अडानी ग्रुप के खिलाफ है और इसीलिए इसने उन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए ह्वस्वामित्व, आर्थिक हित और नियम अतिरिक्त विस्तृत स्तर के खुलासेको अनिवार्य कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, इस संबंध में पार्टी ने सरकार से 100 सवाल किए लेकिन कोई जवाब इन सवालों का नहीं मिला। अब पार्टी को 14 अगस्त को आने वाली सेबी की रिपोर्ट का इंतजार है। हम महत्वपूर्ण सवालों पर स्पष्टता की उम्मीद करते हैं और जानना चाहते हैं कि अडानी की कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपए कहां से आए।

आज अधीक्षण अभियंता विधुत वितरण निगम कार्यालय का घेराव करेगा भाकियू शंकर

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा। जनपद के सभी विद्युत उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याएं विद्युत कनेक्शन और होते हुए भी रिपोर्ट दर्ज करना विजिलेंस टीमों द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करना किसानों के ट्यूबवेल के लाइने बना कर दो माह चलाकर उनको काट कर डाल देना, ट्रांसफार्मर लगाकर किसान के ट्यूबवेल से उठा लाना, कोई भी कार्य अवर अभियंताओं द्वारा संविदा पर लगे कर्मचारियों के माध्यम से अवैध वसूली कराना, घरेलू उपभोक्ताओं की महीने वार रीडिंग ले लेना, दिल अनाप-शनाप तरीके से बनाना बाद में संशोधन के नाम पर उगाही करना के लिए संगठन 1 जून दिन शनिवार को दोपहर 11बजे अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण निगम लिमिट

संक्षिप्त खबरें

कच्ची कांवरिया पथ मार्ग में हाड़ अटेक आने से हुई एक कांवरिया की मौत

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज अजगैविनाथ धाम के कच्ची कांवरिया पथ में एक कांवरिया को हाड अटेक आने पर उसकी मौत मौके पर ही हो गई। वही घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीण एंव कांवरिया ने आनन फानन में मृतक कांवड़िया हावड़ा लिलवा के वार्ड 62 के रहनेवाले कमल सिंह को रेफरल अस्पताल लाने पर ड्यूटी पर मौजूद अस्पताल प्रभारी डॉ. कुंदन भाई पटेल ने ईलाजोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। वही अस्पताल प्रभारी डॉ. कुन्दन पटेल ने कांवड़िया कमल सिंह को हाड अटेक से मौत होने की पुष्टि की। इस घटना को लेकर मृतक कांवड़िया से संबंधित जानकारी अस्पताल के प्रभारी डॉ. कुंदन पटेल ने उनके सहयोगी कांवरिया के माध्यम से लेते हुए घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। वही पुलिस पुरे घटना कि जानकारी प्राप्त कर घटना कि छानबीन में जुट गई है।

गुलाबबाग के व्यवसायियों की कठिनाई को लेकर डीएम को लिखा पत्र

पूर्णिया। सदर विधायक विजय खेमका ने गुलाबबाग कृषि उत्पादन बाजार समिति अंतर्गत व्यवसायियों की कठिनाई सम्बंधित एक पत्र लिखकर जिला पदाधिकारी को अवगत कराया है। विधायक ने पत्र में बाजार प्रांगणों के आधुनिकरण एवं विकास हेतु गुलाबबाग मार्केटयार्ड में जीर्णोद्धार प्रस्तावित कार्य की चर्चा करते हुए कहा है कि प्रशासन द्वारा व्यवसायी बंधुओं को अपनी अपनी आवंटित दूकान निश्चित समय तक खाली कर देने का नोटिस दिया गया है। जबकि प्रशासन एवं संवेदक द्वारा व्यवसाय के लिए किसी भी प्रकार की सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था अबतक मुहैया नहीं कराई गयी है। जो दुकान गोदाम व्यवसायी द्वारा खाली कर दिए गए है उनपर संवेदक द्वारा अबतक निर्माण भी शुरू नहीं किया गया है। वर्षों से आवंटित स्थान पर व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों द्वारा अल्प समय में दूसरे स्थान पर सामान को स्थान्तरित करना संभव नहीं है।

दो दिवसीय महा अष्टयाम का हुआ समापन, कीर्तन भजन से भक्तिमय रहा माहौल

पूर्णिया/ केनगर। प्रखंड के बहोरा पंचायत के वार्ड संख्या 18 स्थित मसुरिया गांव में बुधवार की रात से आयोजित दो दिवसीय महा अष्टयाम संकीर्तन का समापन गुरुवार की रात को हवन पूणार्हुति देने के साथ संपन्न हो गया। दो दिनों तक चले इस अष्टयाम संकीर्तन में आसपास के कुल 5 कीर्तन मंडलियों ने हरे राम हरे कृष्ण की धुन पर विभिन्न देवी देवताओं की आकर्षक झांकियां भी निकाली। दो दिनों तक इस अष्टयाम संकीर्तन स्थल पर दर्जनों श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। बनमनखी अंचल के अंचलाधिकारी अर्जुन विश्वास और बनमनखी प्रखंड के प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी के अलावा अन्य प्रखंड क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भी इस धार्मिक आयोजन का बड़ी संख्या में हिस्सा बने रहे। अष्टयाम संकीर्तन का आयोजन दयानंद विश्वास द्वारा किया गया।

स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

पूर्णिया/ केनगर। गणेशपुर पंचायत के वार्ड सं०-05 चक परोरा में ग्रामीणों ने स्मैक तस्कर मो मजहर पिता सोहन अली को पकड़कर केनगर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मो मजहर द्वारा लगातार परोरा, बनभाग चूनापुर, काझा, आदमपुर, मुगलटोली आदि गांवों में स्मैक बेचता है तथा खासकर युवा वर्ग में नशे की लत को बढ़ा रहा है। स्मैक के नशेड़ियों के कारण क्षेत्र में चोरी की घटना बढ़ गई है। स्मैक पीने की लत के कारण स्मैकिया क्षेत्र में बराबर चोरी की घटना को अंजाम देते रहता है। ग्रामीण मो नूर आलम ने बताया कई बार समाजिक स्तर पर मजहर को स्मैक नहीं बेचने के लिए हिदायत दी गई परन्तु वह किसी की बात हीं नहीं मान रहा था। ग्रामीण परेशान होकर स्मैक के साथ मो मजहर को पकड़कर पुलिस के हवाले करते हुए कठोर कार्रवाई करने की मांग किया है।

बालासोर रेल हादसे के मृतक एवं घायल के परिजनों को मिला मुआवजा

पूर्णिया। उड़ीसा के बालासोर में हुए भीषण रेल दुर्घटना में पूर्णिया जिला के तीन व्यक्तियों की मृत्यु हुई एवं तीन गंभीर रूप से घायल हुए थे। मुख्यमंत्री के द्वारा प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रूपए एवं गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए अनुग्रह अनुदान राशि देने का घोषणा किया गया। जिस पर जिलाधिकारी कुन्दन कुमार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए धमदाहा प्रखंड के मृतक तौशीक आलम, भवानीपुर अंचल के मृतक क्रमश मिथिलेश कुमार एवं ललित कुमार के निकटतम परिजनों को 02- 02 लाख रूपए का चेक दिया गया। साथ ही साथ गंभीर रूप से घायल अंचल रुपौली के बटन मंडल, अंचल भवानीपुर के बाबू साहब एवं अंचल के नगर के मुशकूर आलम को 50 -50 हजार रुपए का चेक दिया गया।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी व अन्य पुलिस कर्मी हुए निलंबित : एसपी

बकरीद पर्व की ड्यूटी के क्रम में क्षेत्र गस्त करने के बजाय फरमा रहे थे आराम : एसपी सुशांत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला एसपी सुशांत कुमार सरोज ने देर रात अपनी विशेष टीम के साथ भवानीपुर ओपी के औचक निरीक्षण किया।

इस क्रम में ड्युटी में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिस पदाधिकारी सहित चार पुलिस कर्मी को निलंबित कर दिया। इस संबंध में एसपी ने बताया कि देर रात को भवानीपुर ओपी का

औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान देखा गया कि गश्ती गाड़ी रोड के बजाय ओपी में ही लगी हुई थी, पुलिस पदाधिकारी व अन्य लोग आराम कर रहे हैं, जबकि बकरीद पर्व शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी पुलिस पदाधिकारी को अलर्ट मोड में रखा गया था।

जबकि पुलिस पदाधिकारी रोड पर गश्ती ड्यूटी निर्वाह करने के बजाय ओपी में आराम कर रहे थे। वही देखा गया कि सभी पुलिस कर्मी ड्युटी के मुद्रा में भी नहीं थे, जिसकों लेकर प्रभारी ओपी प्रभारी राजीव कुमार यादव, प्रशिक्षु अनुसंधानकर्ता सरमानंद राम, चालक बिनोद कुमार, मनैजर जितेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया और संबंधित पुलिस पदाधिकारी को निलंबित करते हुए नवगछिया पुलिस लाइन हाजिर किया गया है।

पुलिस लाइन स.अनि. पंकज कुमार को भवानीपुर ओपी का प्रभारी ओपी अध्यक्ष बनाया गया हैं, ओपी प्रभारी रमेश कुमार छुट्टी पर गए हैं, रमेश कुमार के आने तक पंकज कुमार ओपी प्रभारी ड्यूटी कार्य का निर्वहन करेंगे।

दूर की रिश्ते की बहन ने बनाई थी गंदी फोटो करती थी ब्लैकमेल : पीड़िता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला परिक्षेत्र अंतर्गत कजरेली थाना क्षेत्र के तमौनी की रहने वाली 12वीं क्लास की एक छात्रा ने सल्फॉस की टिकिया खा कर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि नसरतखानी स्थित एक लॉज में रह रही छात्रा ने विगत 26 जून को लॉज से अपने घर पहुंच कर सल्फास की टिकिया खा लिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजन द्वारा छात्रा को आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए त्वरित छात्रा को लेकर जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड पहुंचे जहां भर्ती करने के साथ ही चिकित्सक द्वारा इलाज शुरू किया गया था। वही छात्रा ने घटना को लेकर बताया कि लॉज में उसकी दूर के रिश्ते में बहन राखी भी

साथ रह कर पढ़ाई करती है। जिसके द्वारा विगत दिनों छुप कर बाथरूम में नहाने के क्रम में उसका अश्लील वीडियो बना लिया और वह अपने एक दोस्त तुलसी नामक युवक के साथ शादी करने का दबाव बनाने लगी थी। वहीं जब छात्रा के द्वारा इसका विरोध किया गया तो बहन राखी के द्वारा दोस्त के साथ मिलकर छात्रा की मां और पिता की हत्या करने की धमकी दी गयी साथ ही बाथरूम में स्नान करते हुए बनाया अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दिये जाने के बाद दूर की बहन राखी ने घर जाने के क्रम में उसे जहर का पैकेट दिया गया और कहा गया कि अगर तुम शादी नहीं करोगी तो जहर खा लो, नहीं तो तुम्हारे माता-पिता की हत्या कर दी जाएगी, और तुम्हारा वीडियो भी वायरल कर दिया जाएगा। उक्त बात से आहत हो पीड़ित छात्रा ने घर पहुंचते ही जहर खा कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। जब इसकी जानकारी घरवालों को लगी तो आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां वह ठीक होने के बाद बरारी थाना पुलिस पदाधिकारी के समक्ष अपना लिखित फर्द बयान में उक्त बातों को बताते हुए अंकित कराया है और साथ ही दोषी दूर की बहन राखी और उसके दोस्त के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाते हुए मांग की है।

समाजसेवी अशोक घोष की धूमधाम से मनाई 74वीं जयंती

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बूढ़ानाथ स्थित अशोक घोष सभागार में अशोक घोष सेवा संस्थान के द्वारा समाजसेवी स्व. अशोक घोष की 74वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि सह लघुकथाकार पारस कुंज ने की। कार्यक्रम का मंच संचालन अभिजीत घोष ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार राज्य बालश्रम आयोग के अध्यक्ष डॉ. चक्रपाणि हिमांशु, डॉ. जयंत जलद, लोकगायक कपिलदेव कृपाला, गौतम बनर्जी, पार्षद संजय कुमार सिन्हा, कुमकुम द्विवेदी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उमा घोष ने आगन्त अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. चक्रपाणि, पारस कुंज, पार्षद संजय सिन्हा, डॉ. जयंत जलद, गौतम बनर्जी, कुमकुम द्विवेदी, मृत्युंजय सिन्हा आदि ने बारी बारी से समाजसेवी अशोक घोष से जुड़े संस्मरण स्मृति वक्तव्यों को सुनाते हुए कई महत्वपूर्ण बातों पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान कवि पारस कुंज ने अपने विचारों को रखते हुए बूढानाथ चौक से मंदिर पहुंच पथ सड़क का नाम ह्यअशोक घोष पथह्न रखने की मांग की तो डॉ. चक्रपाणि हिमांशु ने उस पथ पर उनकी प्रतिमा लगवाने पर पूर्णजोर बल दिया। बताते चलें कि सीधे, सरल, धोती कुरता वाली वेशभूषा में सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के अशोक घोष जेपी आन्दोलन के क्रांतिकारी नेताओं में एक थे। उस समय ही पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, वर्तमान मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी उनके साथ थे। मौके पर कन्हैया कुमार, शिव कुमार, ई. अमन कुमार सिन्हा, पूनम श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में निकिता घोष ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मेला की तैयारी व जायजा लेने सुलतानगंज स्टेशन पहुंचे, मालदा डीवीजन के डीआरएम

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज रेलवे स्टेशन का जायजा लेने के लिए मालदा डीवीजन के डीआरएम विकास कुमार चौबे अपनी स्पेशल सैलुन से पहुंचे। इस दौरान बांका सासंद प्रतिनिधि पवन केसान, स्टेशन अधिक्षक दिपक कुमार, आरपीएफ इंचार्ज पियूष कुमार, एसएम राजेश बिहारी भारती के द्वारा उनके आगम पर भव्य स्वागत किया।

इस दौरान बांका सासंद प्रतिनिधि पवन केसान ने रेलवे स्टेशन पहुंच पथ रोड जर्जर होने पर दुरुस्त करने की मांग की, रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर ट्रेन का समय सारणी की सुचना पुरे शहर में होडिंग बोर्ड लगाकर देने की भी मांग की, साथ ही रेल यात्रियों एंव कांवरियों को ठहरने के लिए जगह को बढाने की

मांग की गई है। इन सभी विंदुओं पर डीआरएम विकास कुमार चौबे ने जल्द कार्य शुरू होने की बात कही गयी। इस दौरान डीआरएम विकास कुमार चौबे ने मिडिया प्रतिनिधि से बातचीत में उन्होंने बताया कि कांवरियों की सुविधाओं को लेकर रेलवे द्वारा सारी तैयारी पूरी कर ली गई है, सभी ट्रेन का ठहराव व मेला स्पेशल ट्रेन को प्रतिनिधि करते हुए सालों भर चलाने का निर्माण लिये जाने की बात कही हैं, साथ ही कांवरियों की सुरक्षा के लिए हर ससमय स्टेशन परिसर में रेल पुलिस बल तैनाती रहने की बात कही गयी। इस निरीक्षण के दौरान डीआरएम के साथ रेल विभाग के तमाम अधिकारी स्टेशन परिसर में मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 11 अस्थाई स्वास्थ्य जांच शिविर की मिलेगी सुविधा : संयुक्त सचिव

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। मेला में आने वाले कांवरिया व श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेला क्षेत्र में 11 अस्थाई स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में किस तरह की चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया करायी जायेगी, इसकी जानकारी प्राप्त करने स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव सुधीर कुमार सिंह सुल्तानगंज पहुंचे। वही स्वास्थ्य सचिव ने शिविर लगाए जाने वाले स्थलों का निरीक्षण किया। इसके बाद उनके द्वारा रेफरल अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस मौके पर मौजूद सीएस डॉ. अंजना कुमारी एवं रेफरल अस्पताल प्रभारी डॉ. कुंदन भाई पटेल से संयुक्त सचिव ने मेडिसिन इंडेक्स की जानकारी प्राप्त की। वही मुख्यालय रवाना होने से पूर्व उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में कांवड़ियों व श्रद्धालुओं के बीच स्वास्थ्य जांच सेवा का लाभ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इधर सीएस ने बताया कि दो महिने की इस आयोजित मेले में डाक्टर एवं पारा मेडिकल स्टाफ की दो टीमें बनाई गई है, जो 15-15 दिन 24 घंटे स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित होकर कांवरियों व श्रद्धालुओं के बीच चिकित्सीय सुविधाएं लाभ उपलब्ध करायी जायेगी।

अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम तैयारी को लेकर राजद कार्यकर्ताओं का किया आवाहन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। राजद के प्रदेश के नेतृत्व में निदेर्शानुसार पंचायत एवं बूथ स्तरीय अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम दो चरण में जारी किया जाना था, जिसमें प्रथम चरण 29 जून से 2 जूलाई तक चलाया जाना है तो वही दूसरे चरण में 7 जूलाई से 20 जूलाई तक सभी पंचायतों के दलित, वंचित टोला एवं गांव में चलाया जाना शुनिश्चित हुआ है। इस अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद यादव के द्वारा पूर्व में ही नियमित प्रखंड पर्यवेक्षक एवं सहायक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था, सभी नियमित प्रखंड पर्यवेक्षक अपने अपने प्रखंडध्यक्ष के साथ पंचायत पर्यवेक्षक नियुक्त कर जल्द से जल्द जिला कार्यालय में जमा करने को कहा गया था। इसके साथ ही पंचायत व बूथ स्तरीय अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम को विधानसभा के स्तर से पार्टी विधायक एवं विधानसभा प्रत्याशी निगरानी करने की बात कही गई थी। अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम के दौरान सभी प्रखंडध्यक्ष अपने अपने प्रखंडों में बूथ कमिटी एवं पंचायत कमिटी बनना शुनिश्चित करने के साथ जिला कार्यालय में जमा कराया जाना था। साथ ही आगामी 05 जूलाई 2023 को राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यालय (एमएस पैट्रोल पंप खिरिबांध) भागलपुर में राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद यादव की अध्यक्षता में दिन के 11:00 बजे पार्टी (लालटेन छाप) का झंडोत्तोलन कर पार्टी प्रदेश कार्यालय द्वारा दिए गए लालटेन छाप के चित्र को स्थापित कर पार्टी के मजबूत नई रणनीति पर विचार विमर्श किया जाना तय है। वही आगामी 05 जूलाई को पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के सभी क्रियाशील सदस्य गण, सभी बूथध्यक्ष, पंचायतध्यक्ष, प्रखंडध्यक्ष, सभी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष, जिला के सभी प्रदेश पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद व पूर्व सांसद, विधान पार्षद व पूर्व विधान पार्षद, विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गण के साथ साथ राष्ट्रीय जनता दल के सभी कार्यकर्ता को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आवाह्न किया है।

पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया के कुलपति ने कुलपति जैसे गरिमामय पद को किया तार तार

पूर्णिया। पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया आए दिन अपने नए नए कारनामे के लिए विख्यात होता जा रहा है। अब नया कारनामा पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया के कुलपति वित्तीय परामर्शी एवं वित्तीय पदाधिकारी के द्वारा वेतन के नाम पर अधिक राशि लेने का मामला सामने आया। शिक्षा विभाग के पत्र जारी होने के बावजूद भी कुलपति के द्वारा यह बयान दिया जाना कि इनके द्वारा सही तरीके से वेतन लिया जा रहा है यह काफी चिंतनीय विषय है।

शायद कुलपति को यह ज्ञात नहीं है कि बिहार राज्य में वित्तीय नियमावली राज्य सरकार के द्वारा लागू किया जाता है ना कि कुलाधिपति कार्यालय के द्वारा। कुलपति का यह मामला जानबूझकर की गई गलती है। यह गलती एक तरह की धोखाधड़ी एवं जालसाजी है। यह इसलिए है कि पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने इन तीनों के वेतन पर रोक लगाने की बात संचिका पर लिखी थी लेकिन अपने पद का दुरुपयोग कर कुलपति ने सिर्फ अपने ही गलत वेतन लिया बल्कि वित्तीय परामर्शी एवं वित्तीय पदाधिकारी को भी गलत वेतन का भुगतान करने का दबाव बनाकर भुगतान कराया। यह एक बहुत ही गंभीर मसला है कि किस तरह एक कुलपति अपने पद के दुरुपयोग कर कर अपने नीचे वाले पदाधिकारी को डरा धमका कर काम करने को बेबस करते हैं।

कुलसचिव जैसे पद पर बैठे आसीन व्यक्ति के साथ भी दुर्व्यवहार करने की बात सामने आ रही है। यह काफी चिंतनीय है यह बात सामने आई है कि जो गलत काम करना कुलसचिव नहीं चाहते हैं तो उस पर गलत दबाव बनाकर कुलपति करवाने का प्रयास करते हैं और अगर कुलसचिव नहीं करते हैं तो कुलसचिव को बायपास कर उप कुलसचिव से संचिका बटवाकर उसका अनुमोदन पद का दुरुपयोग कर कुलपति कर देते हैं। आलोक राज ने कहा कि वर्तमान कुलपति के लिए बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम और भारतीय संविधान कोई मायने नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर कुलसचिव पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया को एक आवेदन दिया जाएगा कि वह इन सभी आरोपी पर मुकदमा दर्ज कराएं। साथ ही साथ बिहार के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को भी इस बात की जानकारी दी जाएगी और कुलाधिपति को एक पत्र लिखकर आग्रह किया जाएगा कि पद के दुरुपयोग करने एवं धोखाधड़ी करने एवं जालसाजी करने का मुकदमा पूर्णिया विश्वविद्यालय पूर्णिया के तत्कालीन कुलपति पर दर्ज कराई जाए और अविलंब इन्हें पद मुक्त किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्णिया विश्वविद्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए जल्द ही जन आंदोलन भी की जाएगी।

बड़का झुठा पार्टी बीजेपी के बड़का झुठा गृह मंत्री अमित शाह : ललन सिंह

लखीसराय में जुमले बाजी करने से पहले आपको अपना ज्ञानवर्धन करना चाहिए था...

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लखीसराय में दिए गए भाषण पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि श्री साह को चुनौती देते है कि वे साबित करें कि मुंगेर में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खुलवाने में केंद्र सरकार का एक रुपया भी लगा है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मुंगेर इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार की योजना का प्रतिफल है कि मुंगेर में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खुलवाने में सत प्रतिशत राज्य सरकार का रुपया लगा है। जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने दावे के साथ कहा कि इसमें केंद्र सरकार का एक रुपया भी नहीं लगा है। श्री सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार की उपलब्धि भी

प्राधानमंत्री नरेंद्र नरेंद्र मोदी के नाम करने का साहस कोई झुट्ठा में व्यक्ति ही कर सकता है, ऐसी झूठा वायान है केंद्रीय मंत्री ही कर सकता है श्री सिंह ने कहा कि यदि साहस है तो केंद्रीय मंत्री अमित शाह बताइए कि "हर घर नल का जल योजना" में केंद्र सरकार का कितना रुपया लगा है ? जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहब मुंगेर सांसद श्री सिंह ने कहां की इस योजना के लिए केंद्र सरकार के ऑफर को नीतीश सरकार ने ठुकरा दिया और एक रुपए भी केंद्र की सरकार से नहीं लिया। नीतीश सरकार ने राज्य के कोष से राज्य सरकार के 2015 में सात निश्चय योजना के तहत इसे बिहार में चालू करवाया है। श्री सिंह ने कहा कि मुंगेर और बेगूसराय को जोड़ने वाला पुल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की देन नहीं है, बल्कि भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी की सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि पुलवामा में सीआरपीएफ के 40 जवानों की शहादत पर जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री सत्यपाल मल्लिक जी के खुलासे पर आप मौन क्यों हैं ? जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहां कि शायद आज श्री साह अधिक तनाव में थे, इसलिए आर के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार की उपलब्धियों को भी अपने खाता में डाल रहे थे। ऐसा अमित साह ही कर सकते हैं और यही देश के साथ भी कर रहे हैं। श्री सिंह ने आमित साह से मीडिया के माध्यम से कहा है कि आखिर आप इतने घबराए हुए क्यों थे कि लगातार आपके मुंह से 'लखीसराय' की जगह 'मुंगेर' निकल रहा था...? माना कि आपको आगामी लोकसभा चुनाव में अपने हश्र का अंदाजा है, लेकिन इतना घबराना देश के गृह मंत्री के स्वास्थ के लिए अच्छा नहीं है।

कालाजार उन्मूलन को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया। कालाजार बीमारी में बुखार, वजन घटाने, एनीमिया के साथ ही पेट का बड़ा आकार बढ़ने की विशेषता है। यह बीमारी काफी हद तक गरीबों के बीच देखने को मिलती है। डीएनडीआई के द्वारा रेफरल अस्पताल रुपौली के सभागार में कालाजार बीमारी के मुख्य लक्षण, बचाव और उसके उपचार को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से आशा कार्यकर्ता एवं आशा फैसिलिटेटर के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नीरज कुमार, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक कुंदन कुमार, डब्ल्यूएचओ के बीएम कुमुद कुमार चौधरी, वीबीडीएस रूपेश कुमार, बीएचडब्ल्यू अशोक कुमार मालाकार, डीएनडीआई के संचालन प्रमुख अमित मल्लिक और राज्य सलाहकार डॉ गौरब मित्रा, आईईसी बिहार के समनवयक राज किशोर राय, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी सहित अन्य कर्मी उपस्थित

थे। वेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ राजेंद्र प्रसाद मंडल ने बताया कि बिहार में कालाजार जैसी बीमारी को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से कार्य करने वाली डीएनडीआई संस्था के द्वारा जिले के अनुमंडलीय अस्पताल धमदाहा एवं बनमनखी, बी कोठी, के नगर, कसबा, जलालगढ़, अमौर एवं रुपौली में प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षित कर जागरूक किया जा रहा है। ताकि क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें किसी और को जागरूक करने में कोई कठिनाई नहीं हो। पोस्ट कालाजार डर्मल लीशमैनियासिस (पीकेडीएल) और विसरल लीशमैनियासिस (वीएल) के इलाजरत मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में रोगियों की जांच, इलाज एवं रहने या भोजन की व्यवस्था पूरी तरह से निःशुल्क है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नीरज कुमार ने आशा कार्यकर्ता एवं आशा फैसिलिटेटर को संबोधित करते हुए कहा कि कालाजार के मरीजों में 15 दिन से अधिक बुखार आना, वजन कम होना, चेहरे के रंग काला होना और पेट का बड़ा आकार होना मुख्य लक्षण हैं। कालाजार रोग से संबंधित लक्षण की पहचान जब तक नहीं होगी तब तक उसका उपचार करना मुश्किल होगा। जिसको लेकर कालाजार से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

डीएनडीआई के संचालन प्रमुख अमित मल्लिक ने कहा कि कालाजार के लक्षण और बचाव को लेकर जिले के विभिन्न अस्पतालों में आशा कार्यकर्ता एवं आशा फैसिलिटेटर को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ताकि डोर टू डोर भ्रमण के दौरान ग्रामीणों को बीमारी से संबंधित जानकारी देते हुए उसे सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया जा सके।

श्रावणी मेला की शुरूआत होने में 3 दिन बाकी प्रशासनिक तैयारी शून्य

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरूआत में महज 3 दिन बाकी है। प्रशासनिक स्तर पर भी कांवरिया पथ एवं धर्मशाला में श्रद्धालुओं को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्रावणी मेले की तैयारियों के निरीक्षण के लिए शुक्रवार को उप विकास आयुक्त संजय कुमार एवं विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा कांवरिया पथ एवं धर्मशाला का निरीक्षण किया गया। प्रखंड क्षेत्र के कांवरिया पथ पर खैरा में बन रहे 500 बेड के टेंट सिटी का भी पदाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उप विकास आयुक्त श्री कुमार ने संवेदक को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया तथा बारिश के मौसम में टेंट सिटी में पानी का प्रवेश नहीं हो इसके लिए निर्देशित किया।

मनियां धर्मशाला के निरीक्षण के क्रम में धर्मशाला में आराम कर रहे छत्तीसगढ़ के कांवरिया कान्हा प्रधान संदीप साहू पवन स्वामी जगदीश चंद्राकर इत्यादि ने पदाधिकारियों से धर्मशाला के हॉल में पंखा नहीं लगे होने की शिकायत की। कांवरियों ने कहा कि बिजली रहने के बावजूद हॉल में पंखा नहीं लगा है जिस वजह से यहां ठहरने पर परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर उप विकास आयुक्त ने संवेदक को फटकार लगाते हुए एक घंटे के दौरान पंखा लगाने का निर्देश दिया। कांवरिया पथ के निरीक्षण के क्रम में नहर मोड़ से कुमारसार धर्मशाला की ओर जाने वाली कांवरिया पथ इस 2 दिन के बारिश में पूरी तरह से कीचड़ मय हो गया था। सड़क इस तरह से कीचड़ में समाया हुआ है कि मेले के दौरान कांवरियों को इस पर चलना काफी कष्ट कार होगा तथा उनके गिरने की संभावना बनी रहेगी। पदाधिकारियों ने इस पर चर्चा तो की परंतु पथ निर्माण विभाग के किसी पदाधिकारी के उपस्थित नहीं रहने से मामले पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस संबंध में पथ निर्माण विभाग बांका से बात की जाएगी और जल्द से जल्द इसका सुधार करवाया जाएगा। अगर पिछले साल के श्रावणी मेले से तुलना की जाए तो कांवरिया पथ पर पिछले साल बिछाए गए बालू की तुलना में इस बार आज ही बालू ही बिछाई गई है। जिस वजह से हल्की बारिश के बाद ही कांवरिया पथ कीचड़मय हो चुका है।

3 इडियट्स के बाद दोबारा साथ नजर आए मोना-शरमन जोशी

जस्सी जैसी कोई नहीं से बतौर बाल कलाकार कैरियर की शुरूआत करने वाली मोना सिंह सीरियल, रियलिटी शोज, फिल्म, सीरीज में काफी काम करके मनोरंजन जगत में अपना एक नाम और मुकाम बनाया है। इन दिनों मोना सिंह कफस वेब सीरीज को लेकर चर्चा में हैं।

मेरे किरदार का नाम सीमा वशिष्ठ है। सीमा ब्यूटीशियन है। पार्लर में काम करती है। वह पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना चाहती थी, लेकिन उनका सपना पूरा नहीं हुआ। वह एक बैकग्राउंड डांसर बन कर रह गई। कहीं न कहीं उनका सपना अधूरा रह गया। वह अपना सपना बेटे के जरिए पूरा करना चाहती की थी। उसके बेटे को सुपर डैड नाम की एक फिल्म भी मिली। अब सीमा को लगने लगा कि उसकी नैया पार हो गई। उसका बेटा सारे सपने पूरा करेगा, तभी एक ऐसी घटना घटती है, जिससे उनकी जिंदगी ऊपर नीचे हो जाती है और सारी दुनिया बदल जाती है। फिर सीमा वशिष्ठ क्या करती है यह बहुत इंटरेस्टिंग कहानी है।

शूटिंग की बारी आने तक हम अपने किरदार में घुस चुके थे

किरदार की तैयारी इसलिए मैं ही नहीं, बल्कि हम सब एक्टर अपने राइटर, डायरेक्टर के साथ बैठकर रीडिंग करते थे। शूटिंग शुरू होने तक हमने काफी रीडिंग और रिहर्सल किया। शूटिंग की बारी आई, तब तक हम सब अपने किरदार में घुस चुके थे। मुझे वेब सीरीज की सबसे अच्छी बातें ही लगती है कि शूटिंग से काफी पहले स्क्रिप्ट मिल जाती है ताकि किरदार को अच्छे से जीवंत कर पाएं।

शरमन के साथ दोबारा काम करके अच्छा लगा

शरमन जोशी और मैने साल 2009 में एक साथ '3 ईडियट' में काम किया था। इसकी यादें अभी भी ताजा हैं। शरमन के साथ कनेक्ट करके मुझे बहुत अच्छा लगा। उनके साथ दोबारा काम करके बहुत मजा आया। इस बार तो बहुत अच्छा काम हुआ है। सीनियर एक्टर हैं, पर सुलझे हुए हैं। उनके साथ काम करके सीखने को बहुत मिलता है।

हम रियल लाइफ किस्से सुनते हैं, जो हमें इंस्पायर करते हैं

इसके लिए किसी से कोई रेफरेंस नहीं लिया। दरअसल, जब स्टोरी इतनी अच्छी लिखी जाती है, तब रीडिंग और रिहर्सल होते हैं। हम लोग रियल लाइफ किस्से जो सुनते हैं, उनसे भी बतौर एक्टर इंस्पायर होते ही हैं। स्टोरी जब इतने डार्क प्वाइंट को छू रही है, तब बतौर एक्टर उसे जितना बारीकी से समझे और एक्ट करें तो वह स्क्रीन पर भद्दा नहीं लगता। ऐसा नहीं था कि हम बहुत गोल तरीके से दिखा रहे हैं कि अब क्या होगा! हमारे राइटर और डायरेक्टर, सबने श्योर किया था कि यह सेंसटिव टॉपिक है, इसे बहुत ग्रेसफुली और ब्यूटीफुली शूट करेंगे।

अकैडमी मेंबर न बनाए जाने से नाखुश हैं एसएस राजामौली

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर ने पश्चिमी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ राम चरण और जूनियर एनटीआर स्टारर यह मूवी भारतीय सिनेमा को वैश्विक मानचित्र पर लाने में सफल रही। गोल्डन ग्लोब्स 2023 के साथ ऑस्कर 2023 अवॉर्ड अपने नाम करने के बाद यह फिल्म भारत का गौरव बन गई। वहीं, 29 जून को यह घोषणा की गई कि जूनियर एनटीआर, राम चरण, एमएम कीरावनी, केके सेंथिल कुमार, चंद्रबोस और साबू सिरिल को अकैडमी का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। हालांकि, एसएस राजामौली का नाम इस लिस्ट से बाहर है। इसी को लेकर अब डायरेक्टर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अकैडमी ने जारी की सदस्यों की लिस्ट

29 जून को अकैडमी ने डायरेक्टर्स, एक्टर्स और तकनीशियनों की एक लंबी लिस्ट जारी की, जिन्हें सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस वर्ष टीम आरआरआर से छह सदस्यों को चुना गया है, लेकिन इस लिस्ट से डायरेक्टर एसएस राजामौली का नाम बाहर है।

एसएस राजामौली का पोस्ट

इस अनाउंसमेंट के बाद एसएस राजामौली ने एक ट्वीट कर लिखा, बेहद गर्व है कि हमारी आरआरआर टीम के छह सदस्यों को इस वर्ष अकैडमी पुरस्कारों के लिए सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया है। तारक, चरण, पेद्दन्ना, साबू सर, सेंथिल और चंद्रबोस गारू को बधाई। साथ ही भारतीय सिनेमा से जुड़े उन सदस्यों को भी बधाई, जिन्हें इस वर्ष निमंत्रण मिला। एसएस राजामौली का यह पोस्ट देख फैंस कयास लगा रहे हैं, कि उन्होंने इसके जरिए अकैडमी पर तंज कसा है।

संजय मिश्रा की गिद्ध को ऑस्कर में मिली एंट्री!

एक्टर संजय मिश्रा की शॉर्ट फिल्म गिद्ध- द स्केवेंजर ने ऑस्कर्स की शॉर्ट फिल्म कैटिगरी में अपनी जगह बना ली है। फिल्म ने एशिया इंटरनेशनल 2023 में जीत हासिल की है। इसके अलावा इसने कई और विदेशी फिल्म फेस्टिवल्स में धमाल मचाया है। इस फिल्म ने एशिया इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन जीतने के बाद अब ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह संजय मिश्रा के साथ-साथ उनक फैन्स के लिए बड़ी गुड न्यूज है।

संजय मिश्रा बॉलीवुड के उन एक्टर्स में शुमार हैं, जो हर किरदार में अपनी एक्टिंग से जान डाल देते हैं। करियर की शुरुआत में कठिन स्ट्रगल करने के बाद भी संजय मिश्रा ने हिम्मत नहीं हारी। आज उनकी गिनती बॉलीवुड के प्रतिभाशाली कलाकारों में होती है। इस वक्त संजय मिश्रा शॉर्ट हिंदी फिल्म गिद्ध के कारण चर्चा में हैं। इस फिल्म ने शॉर्ट शॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल और एशिया 2023 में एशिया इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन जीता है। फेस्टिवल में संजय मिश्रा को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला, जबकि उनकी शॉर्ट फिल्म को बेस्ट शॉर्ट फिल्म के खिताब से नवाजा गया। यानी अब संजय मिश्रा की यह फिल्म ऑफशियली ऑस्कर की शॉर्ट फिल्म कैटिगलरी के लिए क्वालिफाई कर चुकी है।

इन फेस्टिवल्स में भी गिद्ध का जलवा

गिद्ध हमारे समाज के लिए एक आइने का काम करती है। इसमें समाज की उन कटोर वास्तविकताओं के बारे में बताया गया है, जिनसे अधिकतर लोग मुंह मोड़ लेते हैं। गिद्ध को ग्लोबली काफी पसंद किया गया है। इसे यूएसए फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी फानलिस्ट चुना गया था। अपनी इस फिल्म की सफलता से संजय मिश्रा बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्तर पर हमारी फिल्म गिद्ध को जो प्यार मिला है, उससे मैं खुशी से फूला नहीं समा रहा हूं। यह एक ऐसी जर्नी रही है, जिसे कभी भूल नहीं सकता। कमाल के क्रू के साथ काम करने का मौका मिला, जिसका एक्सपीरियंस हमेशा मेरे साथ रहेगा।

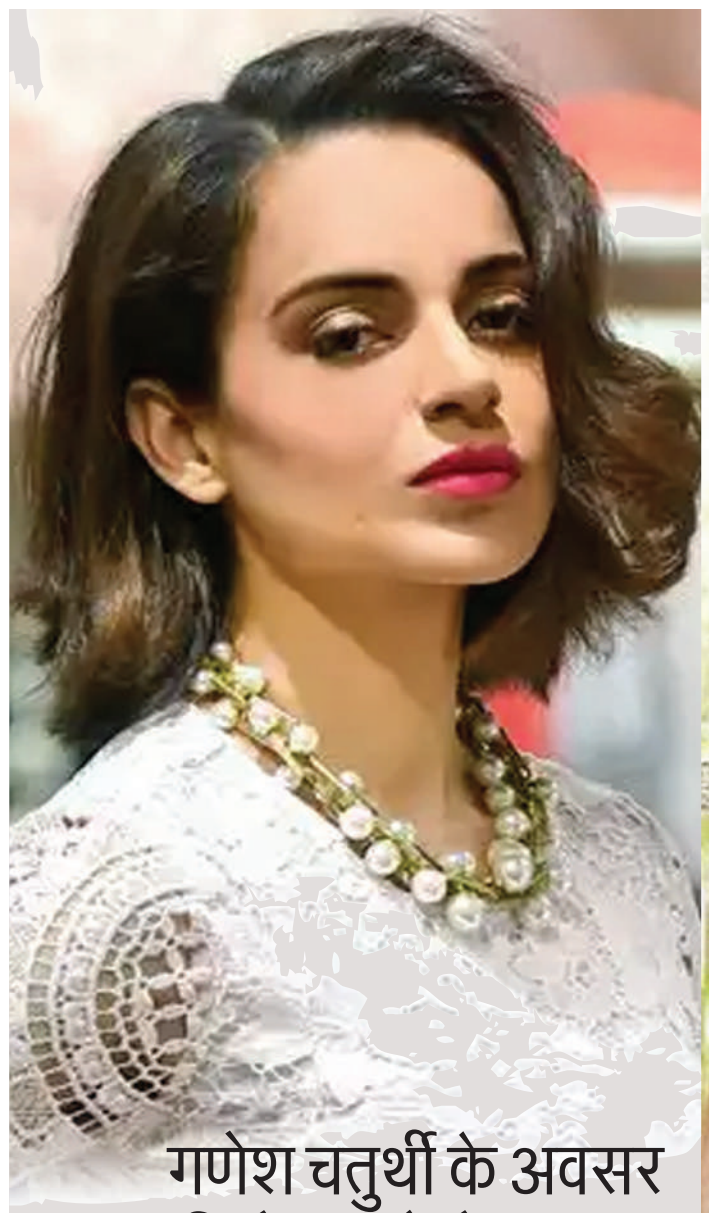

गणेश चतुर्थी के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी कंगना की चंद्रमुखी 2

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौण इन दिनों लगातार लाइमलाइट में छाई हुई हैं। अभिनेत्री की तमिल फिल्म चंद्रमुखी 2 का मेकर्स ने 29 जून को पोस्टर जारी कर दिया है। इसकी के साथ ही फिल्म के रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। फिल्म इस साल गणेश चतुर्थी के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिलीज की तारीख की घोषणा गुरुवार को राघव लॉरेंस के एक नए पोस्टर के साथ की गई। बी-टाउन की क्वीन कही जाने वाली कंगना ने इस फिल्म के पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है।

शानदार लुक में दिखे राघव

चंद्रमुखी 2 के पोस्टर में राघव को एक दरवाजे के छेद से देखते हुए दिखाया गया है। यह घोषणा प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस के सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। इसेक साथ ही कैप्शन में लिखा है, हम यह घोषणा करते हुए रोमांचित हैं कि बहुप्रतीक्षित सीक्वल चंद्रमुखी 2 के दरवाजे गणेश चतुर्थी से खुलेंगे। कंगना ने भी पोस्टर भी शेयर करते हुए लिखा, इस सितंबर वह वापस आ रही है...क्या आप तैयार हैं -चंद्रमुखी2

सामने आया कंगना का लुक

फिल्म मेकर पी वासु के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2005 में आई सुपरस्टार रजनीकांत स्टारर फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। चंद्रमुखी 2 से कंगना रनौण का लुक कुछ हफ्ते पहले सामने आया था, जब राघव लॉरेंस के एक फैन पेज ने फिल्म के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की थी। कंगना ने किरदार का गेटअप पहन रखा था और भारी आभूषण पहने हुए थे।

ये दिग्गज कलाकार भी हैं फिल्म का हिस्सा

कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो कुछ दिनों पहले ही एक्ट्रेस की फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी किया गया है। इसके अलावा अभिनेत्री चंद्रमुखी 2 का भी हिस्सा हैं। फिल्म में रादिका सरथकुमार, वाडिवेलु, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, रवि मारिया और सुरेश मेनन भी अहम किरदार में हैं।

रितिक रोशन के साथ फाइटर में नजर आएंगे अक्षय ओबेरॉय

बॉलीवुड सुपरस्टार रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशन में बनी फाइटर भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म है। इस फिल्म में रितिक रोशन भारतीयर वायुसेना के पायलट का किरदार निभाते नजरआने वाले हैं। वहीं इस फिल्म में अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। अक्षय ओबेरॉय फाइटर में वायुसेना के पायलट की भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय ने फाइटर में अपनी भूमिका के कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए 10 किलोग्राम वजन घटाया है। अक्षय ओबेरॉय ने बताया कि मैं फिल्म फाइटर की शूटिंग से पहले और उसके दौरान बड़े पैमाने पर काम कर रहा हूं। मुझे मांसपेशियां बढ़ाना था, जिसके लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से खुद को प्रशिक्षित किया। मुझे वायुसेना पायलट की भूमिका के लिए उपयुक्त दिखने के लिए व्यापक शारीरिक ढांचे की जरूरत थी। अक्षय ने कहा, मांसपेशियां हासिल करने के लिए मैंने बीच-बीच में कार्डियो के साथ शक्ति प्रशिक्षण किया। मैं एक वायुसेना अधिकारी की भूमिका निभा रहा हूं और उसकी शारीरिक उपस्थिति चरित्र के अनुरूप होनी चाहिए और इसलिए मैंने इस परिवर्तन से गुजरने का बीड़ा उठाया, क्योंकि यह एक आवश्यकता थी। मुझे कई महीनों तक कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। फिल्म फाइटर को सिद्धार्थ आनंद निर्देशित कर रहे हैं। इससे पहले रितिक और सिद्धार्थ बैंग बैंग और वॉर में साथ काम कर चुके हैं। फाइटर, 25 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। फिल्म में अनिल कपूर की भी अहम भूमिका है।

डेटिंग की अफवाहों के बीच अनन्या ने शादी पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। अनन्या का नाम आए दिन अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़ा जाता है। दोनों अक्सर मीडिया में स्पॉट होते रहते हैं। अब डेटिंग की अफवाहों के बीच अनन्या पांडे ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में अपनी शादी की योजना के बारे में खुलासा किया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी डाइट का भी खुलासा किया और साइबर बुलिंग के बारे में भी बात की।

अनन्या को नहीं पसंद वर्कआउट

अपने डाइट प्लान के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें वर्कआउट करना पसंद नहीं है, इसलिए वह कम खाती हैं। हालांकि, अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स के लिए चिंता जताते हुए अभिनेत्री ने तुरंत कहा, 'कम खाना भी अच्छा नहीं है। इसलिए किसी भी भोजन को पूरे दिल से खाना चाहिए और वह वर्कआउट करना चाहिए जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है।'

साइबर बुलिंग के विषय पर की बात

आगे इंटरव्यू में अनन्या ने साइबर बुलिंग के बारे में खुलकर बात की और कहा कि सभी को इस अपराध के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए क्योंकि समाज में रह रहे ज्यादातर लोग साइबर बुलिंग के बारे में खुलकर बात नहीं करते हैं, इसलिए अनन्या ने इस गंभीर अपराध के खिलाफ बोलने का फैसला किया। शादी की योजना पर कही यह बात आगे शादी के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री ने कहा कि वह शादी के लिए अभी बहुत छोटी हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि फिलहाल उनकी शादी की कोई योजना नहीं है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री फिलहाल अपने आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए दिल्ली में हैं। अनन्या 'ड्रीम गर्ल 2' में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी।

ज्यादा थिएटर नहीं कर पाने का है मलाल

बड़े पर्दे पर 40 साल तक दर्शकों का मनोरंजन करने और कई यादगार किरदार निभाने वाले बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर की अधूरी ख्वाहिशों मे अधिक थिएटर करना और दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करना शामिल है। द नाइट मैनेजर में अनिल कपूर का किरदार सभी को पसंद आया था। पहले सीज़न को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और हर कोई शो के दूसरे सीजन को देखने के लिए बेहद उत्साहित है। शो की कास्ट और क्रू के साथ मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनिल कपूर ने शो, इंडस्ट्री में अपने अब तक के सफर और अन्य विषयों पर विस्तार से बात की। अपनी अधूरी ख्वाहिशों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे सबसे बड़ा अफसोस इस बात का है कि मैं थिएटर नहीं कर सका। काश मैंने अपने करियर में और अधिक थिएटर किया होता। इससे आपको दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने का शानदार अनुभव मिलता है। ऐसा करने के लिए अधिक थिएटर निश्चित रूप से मेरी बकेट लिस्ट में है। द नाइट मैनेजर में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- इस भूमिका के लिए हमारे पास एक किताब थी, हमारे पास देखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय शो था। इसके अलावा, हर अभिनेता के पास चरित्र में डूबने का एक अलग तरीका होता है। मुझे भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से चरित्र में ढलना था। मैं भूमिका के बारे में सपने देखता था। मैं वॉयस ओवर रिकॉर्ड करता था और इसे अपने निर्देशक और लेखक को भेजता था। मैं ऐसी फिल्में देखता था जिनमें इस तरह के रोल हों। जब हमने अपना करियर शुरू किया था, उस समय हमें आर्काइव देखने के लिए पुणे जाना पड़ता था। आज सब कुछ आपकी उंगली की क्लिक पर उपलब्ध है। यही कारण है कि आज हमारे अभिनेता अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं के बराबर हैं।

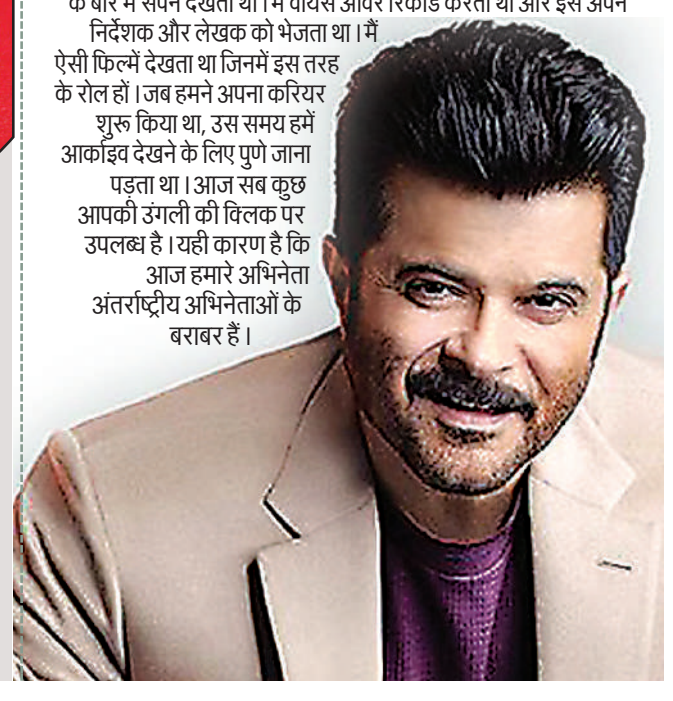

सेंसेक्स
64708.81 पर बंद
निफ्टी
19188.20 पर बंद

सोना
57,850
चांदी
68,170

अन्य देशों के मुकाबले 27 फीसदी कम कीमत में किलर ड्रोन खरीद रहा भारत, अब तक शुरू नहीं हुई बातचीत : सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अमेरिका के बीच ड्रोन सौदे को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए और खरीद समझौते में पूरी पारदर्शिता की मांग की थी। इस बीच, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को दावा किया भारत के लिए एमक्यू-9बी प्रीडेटर यूएवी ड्रोन की उन अन्य देशों की कीमत से 27 फीसदी कम कीमत में खरीद रहा है, जिन्होंने इसे अमेरिका से खरीदा है। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारत अगर अतिरिक्त उपकरण की मांग नहीं करता है तो बातचीत के दौरान इसकी कीमत और नीचे जा सकती है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और प्रीडेटर ड्रोन सौदे पर कई संदेह उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि हम इस प्रीडेटर ड्रोन सौदे में पूरी पारदर्शिता की मांग करते हैं। भारत को महत्वपूर्ण सवालों के जवाब चाहिए। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि अबतक मूल्य निर्धारण के मुद्दे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, क्योंकि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर यूएवी ड्रोन खरीदने के समझौते को मंजूरी दी थी। साथ ही उन्होंने कहा कि कीमत का मुद्दा इसका हिस्सा नहीं है। हालांकि, अमेरिकी सरकार द्वारा बनाए गए ड्रोन की अनुमानित लागत 3,072 मिलियन यूएस डॉलर है। सूत्र के मुताबिक, हर एक ड्रोन की अनुमानित लागत लगभग 99 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। साथ ही उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात को प्रति ड्रोन 161 मिलियन यूएस डॉलर की लागत आई थी। उन्होंने कहा कि भारत जिस एमक्यू-9बी ड्रोन को खरीदना चाहता है, वह यूएई के बराबर है, लेकिन उसका कॉन्फ़िगरेशन यूएई वाले ड्रोन की तुलना में काफी बेहतर है। भारत और अमेरिका ने 31 हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस ड्रोन के लिए तीन अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से नौसेना को 15 सीगार्जियन ड्रोन मिलेंगे, जबकि थलसेना और वायुसेना को आठ-आठ स्काईगार्जियन प्राप्त होंगे। यूके द्वारा खरीदे गए सोलह में से एक ड्रोन की कीमत 69 मिलियन यूएस डॉलर थी, लेकिन यह ग्रीन एयरक्राफ्ट था। जिसका तात्पर्य है कि यह विमान निर्माण के तत्काल बाद दिया गया है और इसमें सेंसर, हथियार जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गुरुवार को रक्षा मंत्रालय के सूत्र ने स्पष्ट किया कि 31 एमक्यू 9 बी ड्रोन की खरीद से वायु सेना भी सहमत है। वस्तुत~यह अमेरिकी ड्रोन भारत को पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों की गतिविधियों से मुकाबले के लिए ज्यादा मजबूती से तैयार करेगा। अधिकारी ने यह भी बताया कि फिलहाल एक ड्रोन की कीमत 99 मिलियन डॉलर मानी जा रही है जो ब्रिटेन, यूएई, मोरक्को जैसे देशों को दिए गए कीमत के मुकाबले काफी कम है। अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि जब बात कीमत पर बातचीत शुरू होगी तो इसकी कीमत और नीचे आ सकती है बशर्ते भारत उसमें कुछ और अत्याधुनिक उपकरण लगाना चाहे। अधिकारी ने आशंका जताई कि इस उन्नत ड्रोन की खरीद से भारत की रक्षा क्षमता में होने वाली बढ़ोत्तरी से कुछ देश परेशान होंगे और वह नही चाहेंगे कि यह सौदा हो। बहरहाल दोनो देशों के बीच पूरा समझौता और सौदा होने के बाद भारत 11 ड्रोन तत्काल खरीदेगा और बाकी का निर्माण भारत में होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह सौदा अमेरिका के फारेन मिलिट्री सेल्स के तहत हो रही है जिसमें केवल मित्र देशों को यह सुविधा दी जाती है। इस सौदे में अमेरिकी सरकार कोई मुनाफा नहीं कमाएगी।

अज़ीम प्रेमजी विवि द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला में अनिल गुप्ता का सम्बोधन

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षक और चिन्तक अनिल के गुप्ता सम्बोधित करेंगे। श्री गुप्ता एक संवेदनशील, रचनात्मक और एक सहयोगी शिक्षक बनने की दिशा में विषय पर महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक साधन के रूप में साथियों, विद्यार्थियों, अपरिचितों और समुदाय के सदस्यों के साथ सहयोग के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अपनी बात रखेंगे। चार दशक तक आईआईएम (ए) में पढ़ाने के बाद अनिल के गुप्ताअब वहाँ विजिटिंगफैकल्टी के सदस्य हैं। वह कई प्रमुख पहलों के संस्थापक भी रहे हैं, जिनमें द हनी बी नेटवर्क, नेशनल इनोवेशनफ़ाउण्डेशन और सोसाइटी फ़ॉररिसर्च एंडइनिशिएटिव्सफ़ॉरसस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टीट्यूशंस शामिल हैं।

कौन बनेगा करोड़पति, एक नए रूप में!

मुंबई, एजेंसी। भारत ने बदलाव को गले लगाया है, एक बदलाव जो विकास को बढ़ावा देता है, एक बदलाव जो हमारी सोच में निखार लाता है और एक बदलाव जो नए अरमानों को पंख लगाता है। भारत में बड़ी शान से, बड़े ध्यान से देखो, सब कुछ बदल रहा है, और इसी बदलाव की झलक लेकर आ रहा है, देश का सबसे बड़ा गेम शो - कौन बनेगा करोड़पति। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने इस शो का एक प्रोमो लॉन्च किया है, जो बदलाव के इसी हौसले का जश्न मनाता है। इस फ्लैगशिप शो का 15वां सीज़न एक बिल्कुल नए अवतार में दर्शकों का मनोरंजन करने का वादा करता है।

इंटरनेट बंद होने से चालू वर्ष की की पहली छमाही में देश को 1.9 अरब डॉलर का नुकसान : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। इंटरनेट बंद होने के कारण 2023 की पहली छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था को 1.9 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हाल ही में पंजाब और मणिपुर में प्रशासन ने इंटरनेट-बंद किया। वैश्विक गैर-लाभकारी इकाई इंटरनेट सोसायटी ने अपनी रिपोर्ट 'नेटलॉस में बताया कि 'बंदी से लगभग 11.8 करोड़ डॉलर के विदेशी निवेश का भी नुकसान हुआ है और लगभग 21,000 नौकरियां भी गई। रिपोर्ट में कहा गया, सरकारें अक्सर यह गलत धारणा बना लेती हैं कि इंटरनेट बंद करने से अशांति कम होगी, भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर रोक लगेगी या साइबर सुरक्षा खतरों से नुकसान की आशंका कम हो जाएगी लेकिन 'बंदी से आर्थिक गतिविधियों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इसमें कहा गया कि कानून व्यवस्था बनाने के लिए भारत में लगातार इंटरनेट बंद किए जाने के कारण यहां इस साल अब तक इसका जोखिम 16 प्रतिशत हो गया है, जिससे भारत दुनिया में इस साल सबसे ज्यादा जोखिम वाले देशों में से एक हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ''इंटरनेट बंद होने से ई-कॉमर्स बंद हो जाता है, जिससे त्वरित किए जाने वाले लेन-देन नहीं होने से घाटा होता है, बेरोजगारी बढ़ती है, व्यापार-ग्राहक संवाद बाधित होता है और कंपनियों के लिए वित्तीय एवं साख संबंधी जोखिम पैदा होते हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि वह 'बंदी के खिलाफ है और उसने सरकारों से इसे लागू करने से परहेज करने का आग्रह किया, जिससे देश की अर्थव्यवस्था, समाज और इंटरनेट ढांचा प्रभावित होते हैं।

जर्मनी की जनसंख्या से ज्यादा एचडीएफसी के पास ग्राहक, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कंपनी

लोन से लेकर एफडी तक 1 जुलाई से बदल जाएगा सबकुछ

नई दिल्ली, एजेंसी।
1 जुलाई से एचडीएफसी लिमिटेड-एचडीएफसीबैंक का मर्जर लागू हो जाएगा। जिस कंपनी ने 30 हजार के पहले लोन बांटकर शुरुआत की थी, 1 जुलाई से एचडीएफसी बैंक में मिल जाएगा। इस मेगा मर्जर का असर एचडीएफसी बैंक के खाताधारकों के लेकर एचडीएफसी लिमिटेड से लोन लेने वालों, एफडी करवाने वालों पर तो पड़ेगा ही। इसके साथ-साथ इसका असर एचडीएफसी के शेयरों पर होने वाला है। 30 जून यानी आज एचडीएफसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक बोर्ड की अहम बैठक होगी। इस विलय के बाद

एचडीएफसी बैंक के सभी ब्रांच में एचडीएफसी की सेवाएं मिलती रहेंगी। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि जब सब ठीक चल रहा था तो आखिर एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी डेवलपमेंट फाइनेंश कंपनी का मर्जर क्यों हो रहा है? इस मर्जर के बाद क्या कुछ बदल जाएगा? ब्लूमबर्ग के मुताबिक इस मर्जर के बाद मार्केट कैप के हिसाब से एचडीएफसी बैंक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। इस विलय के बाद एचडीएफसी अमेरिकी और चाइनीज बैंकों के लिए एक बड़ा चैलेंजर बनकर उभरेगा। कंपनी के मार्केट वैल्यूएशन की तुलना करें तो एचडीएफसी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक जेपी मॉर्गन, इंडस्ट्रियल एंड कॉमर्शियल बैंक ऑफ चीन, बैंक ऑफ अमेरिका के बाद एचडीएफसी सबसे बड़ी कंपनी होगी। मार्केट कैपिटलाइजेशन के मुताबिक विलय के बाद एचडीएफसी बैंक की वैल्यू 172 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगी। विलय के बाद दुनिया के बड़े बैंकों को ही नहीं बल्कि एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक को भी पछाड़ देगा। जून 2022 के डेटा के मुताबिक एसबीआई का मार्केट कैप जहां 62 करोड़ डॉलर का है तो वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 79 अरब डॉलर का है।

होम लोन लेने वालों पर असर : विलय के बाद सारे लोन एक्सटर्नल बेंच मार्क लेडिंग रेट के आधार पर तय होंगे। मर्जर के बाद जब एचडीएफसी फाइनेंस एचडीएफसी बैंक का हिस्सा बन जाएगा तो उसे भी इस नियम का पालन करते हुए लोन को ईबीएलआर से लिंक करना होगा। विलय के बाद सभी लोन को एक्सटर्नल बेंच मार्क लेडिंग रेट के आधार पर तय करना होगा। आपको बता दें कि ईबीएलआर रिजर्व बैंक द्वारा तय किया जाता है, जबकि बेंचमार्क लेंडिंग रेट इंटर्नल बेंचमार्क रेट होता है, जो बैंक या फाइनेंस कंपनी अपने हिसाब से अलग-अलग बेस पर तय करती हैं। जैसे ही लोन ईबीएलआर से लिंक हो जाएंगे, उन्हें आरबीआई की ओर से रेपो रेट में की जाने वाली कटौती का लाभ तुरंत मिलेगा। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि मर्जर के बाद एचडीएफसी बैंक होम लोन ग्राहकों को सस्ती ब्याज दर पर लोन ऑफर कर सकता है। हालांकि लोन के नियमों और शर्तों में बदलाव की संभावना बहुत कम है। एचडीएफसी बैंक में जिनकी एफडी है, उनकी ब्याज दरों में बदलाव हो सकता है। आपको बता दें कि एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक की ब्याज दरों में अंतर है।

जर्मनी का जनसंख्या से एचडीएफसी के ग्राहक?

1 जुलाई के बाद से एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों की संख्या करीब 120 करोड़ पर पहुंच जाएगी। यानी एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों की संख्या जर्मनी का जनसंख्या से अधिक हो जाएगी। वहीं एचडीएफसी के पास 8300 ब्रांच हो जाएंगे। इस विलय के बाद एचडीएफसी के पास 177000 कर्मचारी हो जाएंगे। एचडीएफसी-एचडीएफसी बैंक इस मर्जर से खुद को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस विलय के बाद एचडीएफसी बैंक के असुरक्षित कर्ज का जोखिम और कम होगा। पूंजी आधार पर मजबूती आएगी। इस विलय के बाद एक छत के नीचे लोगों को होम लोन से लेकर बाकी बैंकिंग सर्विस मिलेगी।

सोने के भाव बिक रहा जीरा

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई की हालत ऐसी है कि हरी सब्जियों से लेकर दाल, मसाले, चीनी, आटा सब महंगा हो गया है। महंगाई ने किचन से खाने-पीने की चीजें गायब कर दी है। टमाटर हो या फिर मसाले सबके के रेट जेब को खाली करने का काम कर रहे हैं। महंगाई की हालत ऐसी हो गई है कि पहले सब्जियों से टमाटर गायब हो गया तो अब बिना छौंके वाली दाल खाने की आदत डालनी पड़ेगी। मसालों का राजा कहलाने वाले जीरे का दाम सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

टमाटर के बाद जीरे से बिगाड़ा स्वाद- जीरे की कीमत रॉकेट के रफ्तार से भाग रही है। जीरा थोक में लगभग 57,500 -58,500 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया है। रिटल में जीरे की कीमत 700 से 900 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। जीरे की कीमत की तुलना अगर ड्राईफ्रूट से करें तो ये काजू-बादाम से महंगा बिक रहा है। बादाम के रिटेल कीमत जहां मार्केट में 650 से 700 रुपये किलो के रेट पर बिक रहा है तो वहीं जीरा पिछले एक हफ्ते में चढ़कर 700 से 900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। जो जीरा अब तक 150 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा था, पिछले एक हफ्ते में वो बढ़कर 700 से 900 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। पिछले बुधवार को राजस्थान के नागौर मंडी में जीरा की होलसेल प्राइज 57,500 से 58,500 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया है।

अब तक के उच्चतम स्तर पर जीरा- कमोडिटी एक्सपर्ट्स की माने तो गुजरात में बिपरजॉय तूफान के बाद जीरे के आयात पर असर पड़ा है। आयात कम होने से कीमत में उछाल देखने को मिला है। जीरे की कीमत पर मांग का असर पड़ता दिख रहा है। टर्की और सीरिया का जीरा जुलाई तक मार्केट में आ सकता है। जीरे के साथ-साथ हल्दी की कीमत में भी भारी देखने को मिल रहा है। दोनों की वायदा भाव में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी जा रही है।

इंटरनेट बंद होने से चालू वर्ष की पहली छमाही में देश को 1.9 अरब डॉलर का नुकसान : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। इंटरनेट बंद होने के कारण 2023 की पहली छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था को 1.9 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हाल ही में पंजाब और मणिपुर में प्रशासन ने इंटरनेट-बंद किया। वैश्विक गैर-लाभकारी इकाई इंटरनेट सोसायटी ने अपनी रिपोर्ट 'नेटलॉस में बताया कि 'बंदी से लगभग 11.8 करोड़ डॉलर के विदेशी निवेश का भी नुकसान हुआ है और लगभग 21,000 नौकरियां भी गई। रिपोर्ट में कहा गया, सरकारें अक्सर यह गलत धारणा बना लेती हैं कि इंटरनेट बंद करने से अशांति कम होगी, भ्रामक सूचनाओं के प्रसारण पर रोक लगेगी या साइबर सुरक्षा खतरों से नुकसान की आशंका कम हो जाएगी लेकिन 'बंदी से आर्थिक गतिविधियों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इसमें कहा गया कि कानून व्यवस्था बनाने के लिए भारत में लगातार इंटरनेट बंद किए जाने के कारण यहां इस साल अब तक इसका जोखिम 16 प्रतिशत हो गया है, जिससे भारत दुनिया में इस साल सबसे ज्यादा जोखिम वाले देशों में से एक हो गया है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में लगातार आ रही गिरावट

एसएमएस करके भी जान सकते हैं पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चा तेल में भी गिरावट देखी जा रही है। डब्लूटीआई क्रूड ऑयल 0.27 फीसदी गिरकर 69.70 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि ब्रेंट क्रूड ऑयल 74.38 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर यह लंबे समय तक 75 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बना रहता है तो इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कटौती की जा सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पिछले साल मार्च में एक समय कच्चे तेल की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थी जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर था। बता दें कि अमेरिका में स्टॉक में कमी आई है और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी सप्लाई टाइट है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है। इस बीच भारत में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार पिछले साल अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव किया था। मई में केंद्र ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम की थी। उसके बाद से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तेल कंपनियों ने आज भी स्थिर रखी हुई हैं कीमतें

राजधानी में पेट्रोल-डीजल के भाव- दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल का भाव 89.62 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से चुनावी साल में लोगों को पेट्रोल-डीजल की महंगाई से राहत मिल सकती है। इस साल कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और फिर अगले साल देश में आम चुनाव होंगे। हाल में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया था कि पेट्रोल-डीजल की कीमत में कटौती की जा सकती है। उन्होंने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों से अपनी सहूलियत और गुंजाइश के हिसाब से पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमत में बदलाव करने की अपील की है।

पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलने की व्यवस्था है। यदि इसमें बदलाव होता है तो सुबह 6 बजे दाम अपने आप अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का आज का रेट आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर आरएसपी स्पेस पेट्रोल पंप का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल के ग्राहक आरएसपी लिख कर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल के ग्राहक एचपी प्राइज लिख कर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

नौकरी के बदले रिश्वत मामले में छह कर्मचारी बर्खास्त, टीसीएस चेयरमैन चंद्रशेखरन ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीसीएस ने नौकरी के बदले रिश्वत मामले में छह कर्मचारी और छह स्टाफिंग फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा कि टीसीएस ने संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति में कुछ स्टाफिंग फर्मों से लाभ लेने का दोषी पाए जाने के बाद छह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

चंद्रशेखरन ने टीसीएस की 28वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में बोलते हुए कहा कि कंपनी अपने तीन और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर रही है। शेयरधारकों के सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि हमने छह कर्मचारियों और छह स्टाफिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि कंपनी को फरवरी के अंत और मार्च में भारत और अमेरिका में हुई हायरिंग में गड़बड़ी से जुड़ी दो शिकायतें मिलीं थीं। ये शिकायतें बिजनेस एसोसिएट्स की भर्ती में पक्षपात करने और बदले में कुछ फायदा लेने से जुड़ी थीं। हमने इन शिकायतों की जांच कराई और छह कर्मचारियों को टाटा कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन का दोषी पाया और उन पर कार्रवाई की। टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा कि टीसीएस अपनी आपूर्तिकर्ता प्रबंधन प्रक्रिया की समीक्षा करेगी और उसे सख्त करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगे नौकरी घोटाले जैसी घटनाएं दोबारा न हों। कंपनी आगे सप्लायर मैनेजमेंट प्रोसेस की जांच करेगी और कमजोरियों का पता लगाएगी।

सोने की कीमतों में आई गिरावट, चांदी के दाम भी घटे

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार सुबह सोना गिरावट के साथ ट्रेड करता दिखा। एमसीएक्स पर 4 अगस्त 2023 की डिलीवरी वाला सोना शुक्रवार सुबह गिरावट के साथ 58,005 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, 5 अक्टूबर 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.01 फीसदी या 3 रुपये की गिरावट के साथ 58,303 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली हैं। वैश्विक स्तर पर भी शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है।

चांदी में गिरावट- सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार की सुबह 5 सितंबर 2023 की डिलीवरी वाली चांदी गिरावट के साथ 69463 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी।

सोने का वैश्विक भाव- सोने की वैश्विक कीमतों में शुक्रवार की सुबह गिरावट देखने को मिली है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.07 फीसदी या 1.30 डॉलर की गिरावट के साथ 1916 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड

करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.01 फीसदी या 0.19 डॉलर की बढ़त के साथ 1908.39 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव- कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 0.14 फीसदी या 0.03 डॉलर की बढ़त के साथ 22.83 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत 0.29 फीसदी या 0.07 डॉलर की बढ़त के साथ 22.63 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

टीवीएस एक्सएल 100 हैवी ड्यूटी अब बहुत किफायती कीमत पर उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की जानी-मानी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने लोगों की पसंदीदा टीवीएस एक्सएल 100 को बहुत किफायती और रोमांचकारी प्राइज रेंज में पेश किया है- टीवीएस एक्सएल 100 का किक स्टार्ट वेरिएंट अब मात्र 44,999 रुपए (एक्स-शोरूम) में मिलेगा। यह ऑफर ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पहचानने और उन्हें वाहन की सवारी का किफायती समाधान प्रदान करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का सबूत है। टीवीएस मोटर कंपनी अपने ग्राहकों का कितना ख्याल रखती है, यह इस पहल से झलकता है। कंपनी भारतीय बाजार की जरूरतों को पूरा करते हुए किफायती मोबिलिटी समाधान बनाने का प्रयास करती रही है। टीवीएस एक्सएल 100 हैवी ड्यूटी 99.7 सीसी सिंगल-सिलेंडर फोर-स्ट्रोक इंजन से दौड़ेगी, जिसे बी एस -6 नियमों के पालन में कार्बोरेटेड से फ्यूल-इंजेक्टेड में अपडेट किया गया था। यह 6,000 आरपीएम पर 4.3बी एचपी और 3,500 आरपीएम पर 6.5 एनएम का उत्पादन करती है और सिंगल-स्पीड गियरबॉक्स वाली है। टीवीएस एक्सएल 100 ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन क्वॉलिटी और ईंधन की एक-एक बूंद के इस्तेमाल वाली दक्षता से पहचान बनाई है। यह शहरियों, ग्रामीणों की आवाजाही में मददगार होने के साथ-साथ काम-धंधे में काम आती है और ऐसे विविध क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए पसंदीदा विकल्प बन गई है। अपने शक्तिशाली इंजन और विश्वसनीय सस्पेंशन के साथ टीवीएस एक्सएल चुनौतीपूर्ण इलाकों में भी सहज और आरामदायक सफर करवाती है। इसका बड़ा फ्रंट फ्लोरबोर्ड और रियर लोड कैरियर से बैठने की ज्यादा क्षमता, पूरी सुविधा और ज्यादा सामान ले जाने की जगह मिलती है। यही नहीं, अपनी श्वञ्ज-स्न्द्ब तकनीक के साथ टीवीएस एक्सएल 100 से मिलती है 15 प्रतिशत अधिक माइलेज, जिससे खर्चा होता है कम और बचत होती है ज्यादा। टीवीएस एक्सएल 100 हैवी ड्यूटी किक स्टार्ट, हैवी ड्यूटी आई-टच, हैवी ड्यूटी विन एडिशन और कम्फर्ट आई-टच वेरिएंट में उपलब्ध है। तो देर किस बात की, मात्र 2999 रुपए के डाउन पेमेंट के साथ भी आप अपनी टीवीएस एक्सएल 100 खरीद सकते हैं।

दादा के बाद पोता पद्मनाभ बने पोलो चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर के महाराजा मान सिंह द्वितीय ने 1950 में जिस पोलो चैंपियनशिप को जीत देश का नाम ऊंचा किया था उसे 73 साल बाद उनके पोते पद्मनाभ सिंह ने फिर से दोहराया है। मान सिंह के पोते पद्मनाभ ने फ्रांस की सैंट मेस्मे टीम से खेलते हुए 129 डिग्री प्रतियोगिता में मौजूदा चैंपियन कजाक को हराकर खिताबी जीत हासिल की। पद्मनाभ सिंह की टीम ने कजाक के खिलाफ 11 गोल दागकर मैच को अपने नाम किया जबकि उनके विरोधी ने सिर्फ 9 गोल किए।

फाइनल मुकाबले में पद्मनाभ का प्रदर्शन काफी दमदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए कुल तीन गोल किए। पद्मनाभ पिछले चार साल से सैंट मेस्मे के साथ जुड़े हुए हैं। इस जीत के बाद पद्मभान सिंह ने कहा कि, चैंपियनशिप को जीतना हमारे लिए गर्व की बात है। ऐसा इसलिए भी कि मैं महान पोलो खिलाड़ी महाराजा सवाई मान सिंह की विरासत को जी रहा हूं।

जयपुर में विश्व स्तर का पोलो मैदान

पोलो चैंपियनशिप में ऐतिहासिक जीत के बाद पद्मनाभ सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता के लिए मैंने जयपुर और

महाराज मान सिंह ने 73 साल पहले जीता था खिताब

अर्जेंटीना में तैयारी की थी। जयपुर में दुनिया के सबसे शानदार पोलो ग्राउंड में से एक हैं। मेरी इस जीत के बाद मुझे उम्मीद है कि जयपुर में युवाओं को इससे हौसला मिलेगा। हालांकि पिछले साल हमें इसी टीम के कजाक के खिलाफ हार मिली थी लेकिन उसे भुलाते हुए इस बार हमने जीत हासिल की है।

अपने दादा जी के समय के खेल के बारे में बात करते हुए पद्मनाभ सिंह ने कहा कि, महाराजा मानसिंह के समय का खेल और आज के समय में पोलो बहुत बदल गया है। पहले के घोड़े के कद काफी बड़े होते थे। आज के घोड़ों का कद छोटा हो गया है। इसके अलावा अब इस खेल में तकनीकों इस्तेमाल होने लगा है। चोट से बचाव के लिए कई तरह के गियर आ चुके हैं जो कि पहले नहीं था। हमारे दादा जीतने उस वक्त इस खेल के लिए ऑस्ट्रेलिया से घोड़े लेकर आए थे।

इस खेल के जोखिम के बारे में बताते हुए पद्मनाभ सिंह ने कहा, पोलो फार्मूला वन की तरह एक जोखिम भरा खेल है। घोड़े पर बैठकर 40 किलोमीटर की रफ्तार से पोलो खेलना आसान काम नहीं है। इसमें चोटिल होने की संभावना बहुत रहती है।

किर्गिस्तान और हंगरी जाएंगे विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) एथलीट विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के लिए किर्गिस्तान और हंगरी जाएंगे।खेल मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) की टॉप्स टीम को अपने प्रस्ताव भेजे और उनके अनुरोध के 24 घंटों के भीतर इसे मंजूरी दे दी

गई।ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया 36 दिनों के प्रशिक्षण शिविर के लिए इस्सिक-कुल, किर्गिस्तान जाएंगे, वहीं विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट पहले एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए बिश्केक, किर्गिस्तान जाएंगी और फिर 18 दिनों के प्रशिक्षण शिविर के लिए टाटा, हंगरी जाएंगी। विनेश के साथ फिजियोथेरेपिस्ट अश्विनी जीवन पाटिल, स्पैरिंग पाटर्नर संगीता फोगाट और कोच सुदेश होंगे, बजरंग के साथ कोच सुजीत मान, फिजियोथेरेपिस्ट अनुज गुप्ता, स्पैरिंग पाटर्नर जितेंद्र और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग विशेषज्ञ काजी हसन होंगे।सरकार विनेश, बजरंग के अलावा संगीता फोगाट और जितेंद्र को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न व्ययों को वहन करेगी। इसके अलावा पहलवानों के साथ आने वाले अन्य सहायक कर्मचारियों का खर्च ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट (ओजीक्यू) द्वारा वहन किया जाएगा। विनेश और बजरंग जुलाई के पहले सप्ताह में रवाना होने वाले हैं।

मैरी कॉम बनीं 'ग्लोबल इंडियन आइकन ऑफ द ईयर'

लंदन (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज मैरी कॉम को दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के विंडसर में वार्षिक यूके-इंडिया अवार्ड्स में 'ग्लोबल इंडियन आइकन ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से नवाजा गया है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने मैरी कॉम को गुरुवार देर रात यहां आयोजित समारोह में पुरस्कार दिया। मैरी कॉम ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा- मैं 20 वर्षों से प्रोफेशनल बॉक्सिंग में हूं और अपनी जिंदगी में बेहतर करने की कोशिश और कड़ी मेहनत कर रही हूं। यह अवॉर्ड मेरे लिए काफी मायने रखता है। अपने देश के लिए, अपने परिवार के लिए बलिदान दे रही हूं। मैं वास्तव में इस सम्मान के लिए दिल से धन्यवाद देती हूं।

शेखर कपूर को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हो चुकी 'एलिजाबेथ' द गोल्डन एज' के निर्माता शेखर कपूर को यूके-इंडिया वीक के हिस्से के रूप में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) द्वारा आयोजित पुरस्कारों में दोनों देशों में सिनेमा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' दिया गया। ये पुरस्कार व्यापार, पेशेवर सेवाओं, सरकार, संस्कृति और सामाजिक प्रभाव में लोगों के उत्कृष्ट योगदान और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं।

राहुल को लक्ष्मण की सलाह- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले घरेलू मैच खेलें

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने बल्लेबाज केएल राहुल को अंतरराष्ट्रीय सर्किट में वापसी से पहले घरेलू मैच खेलने की सलाह दी है। दाएं हाथ का खिलाड़ी चोट लगने और जांघ की सर्जरी के बाद बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पुनर्वास के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार केएल राहुल के राष्ट्रीय टीम में लौटने और कुछ हफ्तों में अपनी बल्लेबाजी अभ्यास शुरू करने की उम्मीद है।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने इस संबंध में अपना रुख व्यक्त किया और कहा, उनकी मैच फिटनेस और बल्लेबाजी फॉर्म का आकलन करने के लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। भारतीय टीम में वापसी करना इतना आसान नहीं होना चाहिए, आप नेट्स में बल्लेबाजी करें और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तैयार रहें।

एशिया कप 2023 और एकदिवसीय विश्व कप नजदीक होने के साथ यह उम्मीद की जा रही है कि बल्लेबाज उपरोक्त दो आयोजनों से पहले अपनी वापसी कर सकता है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के बाद के चरण के दौरान राहुल को जांघ में चोट लग गई और बाद में उन्हें बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया।

इसके अलावा लंदन के द ओवल में हाल ही में संपन्न आईसीसी विश्व टेस्ट

चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2021-23 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया की करारी हार के दौरान बल्लेबाज को साइडलाइन तक ही सीमित रखा गया था। इस बीच राहुल की यूके में सर्जरी हुई और अपने व्यापक पुनर्वास कार्यक्रम के लिए बेंगलुरु लौट आए।

शीर्ष पाकिस्तानी खिलाड़ी माजिद अली ने की आत्महत्या, अवसाद बीमारी से थे पीड़ित

कराची (एजेंसी)। प्रसिद्ध पाकिस्तानी स्नूकर खिलाड़ी और एशियाई अंडर-21 रजत पदक विजेता माजिद अली ने गुरुवार को पंजाब में फैसलाबाद के पास अपने गृहनगर समुंदरी में आत्महत्या कर ली। वह 28 वर्ष के थे। पुलिस के अनुसार माजिद अपने खेल के दिनों से ही कथित तौर पर अवसाद से पीड़ित थे और उसने लकड़ी काटने वाली मशीन का उपयोग करके अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्रीय सर्किट में शीर्ष क्रम के खिलाड़ी थे। माजिद एक महीने में मरने वाले दूसरे स्नूकर खिलाड़ी हैं। पिछले महीने एक अन्य अंतरराष्ट्रीय स्नूकर खिलाड़ी मुहम्मद बिलाल

की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई थी। उनके भाई उमर ने कहा कि माजिद किशोरावस्था से ही अवसाद से पीड़ित था और हाल ही में उसे एक और अवसाद का सामना करना पड़ा। उमर ने कहा, यह हमारे लिए भयावह बात है क्योंकि हमने कभी नहीं सोचा था कि वह अपनी जान ले लेगा। पाकिस्तान बिलियर्ड्स और स्नूकर के अध्यक्ष आलमगीर शेख ने कहा कि माजिद की मौत से पूरा समुदाय दुखी है। उन्होंने कहा, उनमें बहुत प्रतिभा थी और वह युवा थे और हमें उनसे पाकिस्तान का नाम रोशन करने की बहुत उम्मीद थी। शेख ने कहा कि माजिद को कोई वित्तीय समस्या नहीं थी। मुहम्मद यूसुफ और मुहम्मद आसिफ जैसे सितारों द्वारा विश्व और एशियाई चैम्पियनशिप खिताब जीतने में मदद करने के बाद स्नूकर देश में एक हाई-प्रोफाइल खेल बन गया है जबकि कुछ खिलाड़ी पेशेवर सर्किट में भी स्नातक हो गए हैं।

वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच पर बोले क्रिस गेल, खिलाड़ियों को करनी चाहिए ज्यादा पैसे की मांग

मुंबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप के मैचों को लेकर हमेशा मचने वाली हाइप को देखते हुए यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल ने चुटकी लेते हुए कहा कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे की मांग करनी चाहिए। उन्होंने यह बात मजाकिया लहजे में कही। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप का मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाना है और इसके लिए अभी से शहर में होटलों के दाम आसमान छूने लगे हैं।

गेल ने कहा, 'जब भी ये दोनों टीमें आपस में खेलती है और खासकर विश्व कप में तो जमकर कमाई होती है। एक ही मैच पूरे आईसीसी टूर्नामेंट के बराबर कमाई कर सकता है। मुझे तो लगता है कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे की मांग करनी चाहिए। इतना पैसा एक मैच लेकर आता है चाहे प्रसारण राजस्व हो या टिकटों से होने वाली कमाई। वहीं गेल ने कहा, भारत के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उसे अपनी धरती पर खेलने का फायदा भी मिलेगा। लेकिन भारतीय टीम पर खिताब जीतने का दबाव भी होगा क्योंकि भारत में सभी चाहते हैं कि अपनी धरती पर भारतीय टीम ही जीते। उनके हिसाब से विश्व कप में सेमीफाइनल में कौन सी टीमें पहुंचेंगी, यह पूछने पर गेल ने कहा, 'यह बहुत कठिन सवाल है लेकिन मुझे लगता है कि भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड चार टीमें होंगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज ने टेस्ट कैंप के लिए हुई टीम की घोषणा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ 12 जुलाई से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी शिविर के लिए शुक्रवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। विशेष रूप से रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, काइल मेयर्स और जेसन होल्डर जैसे प्रमुख सदस्य कैंप का हिस्सा नहीं हैं। जिम्बाब्वे में चल रहे वनडे विश्व कप क्वालीफायर के साथ ये सभी स्टार खिलाड़ी 9 जुलाई तक टीम में शामिल हो जाएंगे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, सीडब्ल्यूआई पुरुष चयन पैनल ने आज कैरेबियन में भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले तैयारी शिविर के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। शिविर शुक्रवार 30 जून को एंटीगुआ में सीसीजी में शुरू होगा। टीम रविवार 9 जुलाई को डोमिनिका की यात्रा करेगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट के लिए

वेस्टइंडीज की प्रारंभिक टीम = क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़, जर्मेन ब्लैकवुड, नक्रूमा बोनर, टैगेनारिन चंद्रपॉल, रहकीम कॉर्नवाल, जोशुआ डा सिल्वा, शैनन गेब्रियल, केवम हॉज, अकीम जॉर्डन, जायर मैकएलिस्टर, किर्क मैकेंजी, मार्क्विनो मिंडले , एंडरसन फिलिप, रेमन रीफ़र, केमर रोच, जेडन सील्स, जोमेल वारिकन।

भारत ने पहले ही रोहित शर्मा की अगुवाई में अपनी 16 सदस्यीय टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि टी20 टीम की घोषणा करना अभी बाकी है।

भारत की टेस्ट टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

भारत की वनडे टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मो. सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद ओमान को एक और झटका, आईसीसी ने लगाया भारी जुर्माना

बुलावायो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) विश्व कप क्वालीफायर मैच में धीमी ओवर गति के लिए ओमान पर मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल के मोहम्मद जावेद ने तय समय में ओमान को दो ओवर कम गेंदबाजी करने के कारण यह सजा सुनाई।

न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ की आचार संहिता के नियम 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनकी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। कप्तान जीशान मकसूद ने इस प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं हुई। इस बीच ओमान के खिलाड़ी कलीमुल्लाह को मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई है। कलीमुल्लाह को खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह 'ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है जो अपमानजनक हैं या अंतरराष्ट्रीय मैच में बल्लेबाज के आउट होने पर उसकी आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़का सकती हो। इसके अलावा कलीमुल्लाह के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमैरिट अंक जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है। यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 12वें ओवर में घटी, जब कलीमुल्लाह ने जिम्बाब्वे के कप्तान क्रेग एर्विन को आउट करने के बाद उनके खिलाफ आक्रामक भाव भंगिमा दिखाई। इस खिलाड़ी ने सजा स्वीकार कर ली इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं हुई।

संन्यास से वापसी कर रही कैरोलिन वोज्नियाकी को अमरीकी ओपन में मिला वाइल्डकार्ड

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी और 2018 आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन कैरोलिन वोज्नियाकी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह संन्यास लेने के तीन साल बाद प्रतियोगिताओं में वापसी कर रही हैं।अमरीकी टेनिस संघ ने कहा कि वह उन्हें अमेरिकी ओपन में भाग लेने के लिए वाइल्ड कार्ड निमंत्रण देगा। वोज्नियाकी ने ट्विटर पर लिखा कि खेल से दूर रहने के

दौरान पिछले तीन साल में मैंने अपने परिवार के साथ समय नहीं बिताने की भरपाई की, मैं मां बनी और अब मेरे दो बच्चे हैं। लेकिन मैं अब भी कुछ हासिल करना चाहती हूं, मेरे कुछ लक्ष्य हैं। मैं अपने बच्चों को दिखाना चाहती हूं कि कोई भी उम्र हो, तुम अपने सपने साकार कर सकते हो।

58 घंटे की यात्रा कर लॉर्ड्स में दूसरा टेस्ट देखने पहुंचा फैन, लेकिन टिकट खरीदना भूल गया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा एशेज टेस्ट 28 जून को लॉर्ड्स में शुरू हुआ। मेजबान टीम ने बादल छाए रहने की स्थिति में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और ट्रैविस हेड की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया ने पहला दिन अपने नाम करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 339 रन बनाए। यहां तक कि जब मेहमान बल्ले से हावी हो रहे थे, तब एक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसक को लॉर्ड्स स्टेडियम के बाहर टिकट मांगते हुए देखा गया जो 58 घंटे की यात्रा करके लॉर्ड्स टेस्ट देखने आया था। उक्त फैन की तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

उस व्यक्ति ने तस्मानिया से साइप्रस और चीन होते हुए लंदन पहुंचने के लिए 58 घंटे की भारी यात्रा की थी लेकिन वह टिकट खरीदना भूल गया था। इंग्लैंड की बार्मी आर्मी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक, जिसे मैट के नाम से जाना जाता है, का एक वीडियो पोस्ट किया, जो 'वांटेड 1 टिकट' की तख्ती के साथ खड़ा था। तख्ती पर लिखा था, मैंने यहां तक पहुंचने के लिए 58 घंटे की यात्रा की है। दिलचस्प बात यह है कि बाद में वीडियो पर टिप्पणियों में से एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि उक्त ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसक को मैच का टिकट मिल गया और वह बीच में मैच देखने में सक्षम था।

जहां तक मैच का सवाल है दिन का खेल खत्म होने तक स्मिथ 149 गेंदों में 10 चौकों की मदद से नाबाद 85 रन बनाकर दिन के स्टार रहे जिन्होंने दूसरे दिन अपना शतक पूरा किया। ट्रैविस हेड और डेविड वार्नर ने भी शानदार अर्धशतक बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 416 पर ढेर हो गया जिसके बाद इंग्लैंड ने एक बार फिर तूफानी पारी खेलते हुए दूसरे दिन के अंत तक 278-4 का स्कोर बनाया। इस दौरान बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 98 रन बनाए जबकि जैक क्रॉली (48) और ओली पोप (42) अर्धशतक से चूक गए। वहीं जो रूट 10 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हैरी ब्रूक (45) और कप्तान बेन स्टोक्स (17) क्रीज पर टिके रहे।

ओली रॉबिन्सन सीरीज में बिल्कुल भी खतरनाक नहीं दिखे : पॉंटिंग

लंदन (यूके) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन एशेज में खतरनाक नहीं दिखे क्योंकि उन्होंने केवल पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट लिए हैं। गुरुवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लिश गेंदबाज ने तीन विकेट लिए हैं। उन्होंने पहले एशेज टेस्ट में भी पांच विकेट लिए थे।

आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह सीरीज में बिल्कुल भी खतरनाक दिख रहे हैं। मेरा मतलब है, अगर आप विकेटों को देखें, तो उन्होंने प्रत्येक गेम में पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट किया है। हां, उन्होंने इस पारी में मार्नस (लैबुशेन) को आउट किया है। लेकिन फिर उसे (नाथन) लायन का विकेट मिला और फिर उसे (जोश) हेजलवुड का विकेट मिला। इसलिए अगर वह 10 और 11 रन नहीं बना पाया, तो वह चार रन प्रति ओवर से अधिक की दर से एक विकेट के साथ अपनी पारी समाप्त करता है। उन्होंने कहा, वह एक बहुत ही कुशल गेंदबाज है, इसमें कोई संदेह नहीं है और कोई भी ओली रॉबिन्सन के बारे में एक शब्द भी नहीं कहता अगर उसने पिछले कुछ हफ्तों से हो रहे इस पूरे जैसे को तैसा के लिए उकसाया न होता। ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि पूरी बात को जरूरत से ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में बात करने में हर किसी को आनंद आता है और कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इसमें कूदने का आनंद लिया है, लेकिन दिन के अंत में वह एक कुशल गेंदबाज है और जैसा कि आप कहते हैं, उसकी अब तक की संख्या श्रृंखला वास्तव में ठीक है।

पोलैंड ने रूस के हॉकी खिलाड़ी को हिरासत में लिया, जासूसी का संदेह

वारसॉ (पोलैंड) (एजेंसी)। पोलैंड ने शुक्रवार को रूस के एक हॉकी खिलाड़ी को जासूसी करने के संदेह में हिरासत में लिया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह खिलाड़ी पोलैंड की शीर्ष हॉकी लीग में खेलता है।

पोलैंड के न्याय मंत्री बिगन्यू जियोब्रो ने कहा, 'रूस के जासूस एक एक करके पकड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एक एथलीट के भेष में काम कर रहे एक जासूस को पकड़ा गया है। जियोब्रो ने कहा कि यह संदिग्ध एथलीट पहले लीग क्लब के लिए खेल चुका है और हिरासत में लिए गये जासूसी नेटवर्क का 14वां सदस्य था।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में 10वीं की छात्रा से बलात्कार, 20 वर्षीय इंस्टाग्राम फ्रेंड गिरफ्तार

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में 10वीं क्लास में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर 20 वर्षीय एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। नोएडा पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार लिया। आरोपी से लड़की की दोस्ती सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई थी। पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी पास के ही हापुड जिले का रहने वाला है, उस पर यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि 17 वर्षीय लड़की के माता-पिता के अनुसार, वह 6 जून को अपने घर से लापता हो गई थी जिसके बाद उन्होंने स्थानीय सेक्टर 39 पुलिस स्टेशन में मामले की सूचना दी थी, जहां भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (लापता) के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई थी और एक जांच शुरू की गई। अधिकारी ने बताया कि लड़की को बरामद किए जाने और उसके परिवार से मिलाने के बाद पुलिस ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और अधिनियम की संबंधित धाराएं भी जोड़ी गईं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, गुरुवार को स्थानीय पुलिस टीमों के इनपुट के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई और उसे नोएडा के बॉटेनिकल गार्डन बस स्टैंड से पकड़ा गया। वह 7 जून से वॉन्टेड था। अधिकारी ने कहा, आरोपी ने इंस्टाग्राम के जरिए पीड़ित नाबालिग लड़की से दोस्ती की और उसे अपने साथ चलने का लालच देकर अपने साथ बहला-फुसला लिया और फिर उसके साथ बलात्कार किया।

एक अक्टूबर से डीजल जनरेटर पर बैन

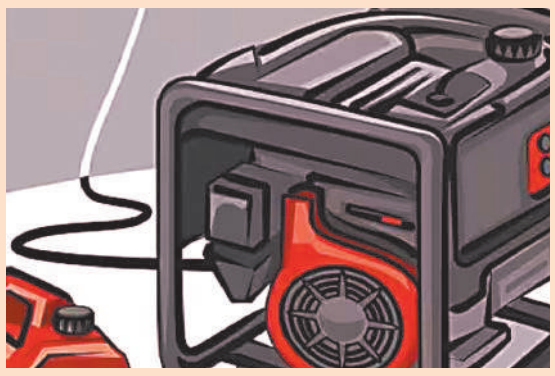

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक अक्टूबर से डीजल जनरेटर चलाने पर पांबदी रहेगी। बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए। आपातकालीन सेवाओं के लिए डीजल जनरेटर का प्रयोग किया जा सकेगा। इस आदेश के बाद उद्योग और जिन सोसाइटियों में बिजली कनेक्शन नहीं है, उनकी चिंता बढ़ गई है। आयोग के इस फैसले के बाद गुरुग्राम के उन लोगों की चिंता बढ़ गई है जो अपनी सुविधा के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर रहते थे। आयोग के आदेश के बाद 1 अक्टूबर से उन्हें इसे चलाने की अनुमति नहीं रहेगी सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर में आबोहवा जहरीली हो जाती है। इसको देखते हुए पांबदी लगाई गई है। आयोग ने निर्देश में साफ किया है कि डीजल जनरेटर पर पांबदी सिर्फ ग्रैप के दौरान ही रहेगी। जिले में ग्रैप एक अक्टूबर से 15 मार्च तक लागू रहेगा। ऐसे में जिन उद्योगों में पावर बैकअप के तौर पर डीजल जनरेटर का प्रयोग किया जाता है, उनके लिए दिक्कतें बढ़ने वाली है। उद्योगपतियों का कहना है कि वह जनरेटर को पीएनजी में बदलने के लिए तैयार हैं, लेकिन आईएमटी मानेसर में पीएनजी पाइपलाइन का ढांचा नहीं है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की रोक के बाद एक सवाल सामने आया है कि क्या गुरुग्राम में सभी जगहों पर डीजल जनरेटर बंद कर दिया जाएगा? इस पर यह बात सामने आई कि डीजल जनरेटर को चलाने के लिए कुछ जगहों पर छूट दी जाएगी। इनमें एलिवेटर चलाने के लिए, मेडिकल सर्विस के लिए, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए और मेट्रो सेवाओं के लिए भी डीजल जनरेटर का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा आयोग ने रेलवे, एयरपोर्ट और बस टर्मिनल पर डीजल जनरेटर चलाने की अनुमति जारी रहेगी।

डिब्रूगढ़ जेल में भूख हड़ताल पर बैठे अमृतपाल सिंह, टेलीफोन की सुविधा मांग रहे खालिस्तान समर्थक

डिब्रूगढ़ , एजेंसी। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों ने असम की डिब्रूगढ़ जेल में भूख हड़ताल शुरू कर दी है। खालिस्तान समर्थकों ने टेलीफोन सुविधा और खराब खाने की शिकायत करते हुए भूख हड़ताल कर दिया है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत इन्हें इस जेल में बंद कर रखा गया है। भूख हड़ताल की जानकारी अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर ने गुरुवार को जेल में उनसे मुलाकात के बाद दी है। अपने पति के साथ एकजुटता दिखाते हुए किरणदीप ने कहा कि उन्होंने भी भूख हड़ताल शुरू करने का फैसला किया है। फोन पर बात करते हुए किरणदीप ने कहा, मैं हर हफ्ते अपने पति से मिलने के लिए अमृतसर से डिब्रूगढ़ जेल जाती हूं। आज उनसे मेरी मुलाकात भी हुई। मुलाकात के दौरान पता चला कि अमृतपाल समेत सभी सिख कैदी भूख हड़ताल पर हैं। उनकी हड़ताल के पीछे एक कारण यह है कि पंजाब सरकार द्वारा उन्हें अपने-अपने परिवारों से फोन पर संपर्क करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यदि उन्हें यह सुविधा दी जाए तो जेल में मिलने आने वाले परिवारों के 20,000 से 25,000 रुपये बच जाएंगे। हर परिवार यह खर्च वहन नहीं कर सकता। किरणदीप ने आगे कहा, टेलीफोन सुविधा की कमी के कारण वे अपने कानूनी सलाहकार के साथ बातचीत नहीं कर पाते हैं, जिससे केस लड़ने में समस्या आती है। जेल में खाने की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। कभी-कभी चपातियों में तम्बाकू पाया जाता है। खाना भी अच्छी गुणवत्ता का नहीं है। यह भोजन तम्बाकू सेवन करने वालों द्वारा तैयार किया जाता है, जो सिख आचार संहिता के खिलाफ है। ये समस्याएं उनके स्वास्थ्य पर असर डाल रही हैं। सरकार को इन मुद्दों का समाधान करना होगा। वे बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। वीआईपी ट्रीटमेंट की नहीं।

2000 के नोटों की गड्डी बैंक में जमा करने जा रहा था, पुलिस ने नक्सली के सहयोगी को किया अरेस्ट

रायपुर, एजेंसी। 2000 रुपए की नोटों की गड्डी बैंक में जमा करवाने जा रहे नक्सली के सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक संयुक्त अभियान में, आवापल्ली पुलिस और सीआरपीएफ जवानों ने बीजापुर जिले से नक्सली के कथित सहयोगी को 6.2 लाख रुपए नोटों के बंडल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान महेश बाडसे के तौर पर हुई है। पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि बासागुड़ा के नक्सली कमांडर ने आरोपी महेश को अलग-अलग बैंकों में जमा करने के लिए नकदी दी थी। अब तक करीब 1.20 लाख रुपये जमा हो चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में 2000 रुपये के नोटों को सर्कुलेशन से वापस ले लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है। इसी बीच, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी। सुकमा जिला पुलिस के अनुसार, 28 जून को नक्सलियों ने जन अदालत का आयोजन किया जिसमें माड़वी गंगा (ताड़मेटला के उपसरपंच) और कवासी सुक्का (शिक्षादूत) नामक दो ग्रामीणों की हत्या कर दी।

वायु गुणवत्ता में आएगा सुधार, तीन तरीकों से कम होगा प्रदूषण; तैयारी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
वर्ष 2019 में पीएम 2.5 के आधार पर गाजियाबाद विश्व का सर्वाधिक प्रदूषित शहर था। वहीं, वर्ष 2022 में एक्यूआई एयर के अध्ययन में दुनिया का 11वां प्रदूषित शहर घोषित किया गया। अब बोर्ड पांच वर्ष में गाजियाबाद को प्रदूषित शहरों की सूची में 40वें स्थान से ऊपर रखने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सुधार की तीन योजनाएं बनाई गईं हैं। वर्ष 2018 में गाजियाबाद में खराब श्रेणी की हवा के 218 दिन दर्ज किए गए थे। वर्ष 2022 में ऐसे दिनों की संख्या घटकर 174 रह गई। बीते कुछ वर्षों में हुए कामों की वजह से प्रदूषण में गिरावट आ रही है। गाजियाबाद में बीते कुछ वर्षों में हालात सुधरे हैं। यह सुधार मेरठ एक्सप्रेस और ईस्टर्न पेरिफिरल एक्सप्रेस वे शुरू होने से हुआ। इसके अलावा ई वाहनों की बिक्री में इजाफा होने, पानी का छिड़काव भी सुधार की वजह बना। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस सुधार को आगे ले जाने की दिशा में काम कर रहा है। सुधार के लिए भविष्य में तीन

प्रमुख कारणों पर निगाह बनी हुई है। इनमें औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों में सुधार, तेजी से पुराने वाहनों को हटाना और उद्योगों के बाहर हरियाली बढ़ाना शामिल है। एआरटीओ प्रशासन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि पांच साल में जनपद में सालाना 55 हजार वाहन अपनी मियाद पूरी होने के बाद हटाए जाने हैं, जबकि 2.75 लाख मियाद पूरी कर चुके हैं। पांच वर्ष में सड़कों से साढ़े पांच लाख वाहन हटेंगे, जबकि 3.75 लाख वाहन सड़क पर उतरेंगे।

1. **सड़कों से पुराने वाहनों को हटाना:** गाजियाबाद में 8.45 लाख वाहन पंजीकृत हैं, इनमें से 2.75 लाख वाहन 15 वर्ष की मियाद पूरी कर चुके हैं। वहीं सालाना 75 हजार वाहन पंजीकृत होते हैं और अगले पांच साल तक प्रत्येक वर्ष 55 हजार वाहन सड़कों से हटाए जाने हैं। ऐसे में पांच वर्ष में जितने वाहन सड़क से हटेंगे, उतने नए वाहन नहीं उतरेंगे।
2. **40 सड़कों में सुधार:** जनपद के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों की हालत खराब है। नगर निगम ने औद्योगिक क्षेत्रों की 40 सड़कें चिन्हित की हैं, इन्हें 184 करोड़ की लागत से सुधारा जाएगा। प्रदूषित नियंत्रण बोर्ड का मानना है कि इस कदम से रैंकिंग में 20 स्थान का सुधार हो जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों की 40 सड़कें को 184 करोड़ की लागत से सुधारना है। यूपीसीडा को रुपये देने हैं। रुपये मिलने के बाद सड़कों का काम शुरू होगा।
3. **उद्योगों के बाहर हरियाली:** औद्योगिक इकाइयों के बाहर धूल उड़ती रहती है। जिलाधिकारी ने बीते दिनों हुई उद्योग बंधु की बैठक में उद्योगों से जुड़े प्रतिनिधियों को यूनिट के बाहर मिट्टी की जगह हरियाली करने का सुझाव दिया था। इससे हवा में धूलकणों में कमी जाएगी। क्षेत्रीय निवासी उत्सव शर्मा ने कहा, पांच वर्षों में जिले को विश्व के प्रदूषित शहरों की सूची में 40वीं रैंक से भी ऊपर ले जाने का लक्ष्य है। चार गुना सुधार के लिए प्रयास गंभीरता से करने होंगे। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौर ने कहा, औद्योगिक क्षेत्रों की 40 सड़कें को 184 करोड़ की लागत से सुधारना है। यूपीसीडा को रुपये देने हैं।

गुरुग्राम नगर निगम बेचने जा रहा जमीन; करोड़ों में है कीमत, बताया यह कारण

गुरुग्राम, एजेंसी।
मिलेनियम सिटी के लोगों को जल्द ही नगर निगम की जमीन खरीदने का मौका मिल सकता है। गुरुगाम नगर निगम ने आय बढ़ाने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण(एचएसवीपी) की तर्ज पर अपनी जमीन को ई- नीलाम करने की योजना बनाई है। सरकार से अनुमति मिलने के बाद शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा इसके लिए एक पोर्टल तैयार किया जा रहा है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में ट्रायल के तौर नीलामी की तैयारी है।

नगर निगम ने बीते तीन माह में जिन जमीन को कब्जामुक्त करवाया है, उन्हीं को ई-नीलामी के लिए चिन्हित किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा जमीन नए गुरुग्राम में है। ऐसे 70 स्थानों को चिह्नित किया गया है। हालांकि इनमें से कुछ जमीन पर अवैध रूप से दोबारा झुग्गियां, सब्जी मंडी लगा ली गई है, जबकि खाली पड़ी इन जमीन की कीमत करोडों में है। नीलामी के पीछे दूसरी वजह यह भी है कि इन जमीन पर दोबारा लोगों द्वारा कब्जा नहीं किया जा सके। ज्यादातर जमीन को व्यवसायिक गतिविधियों के लिए ही ई-नीलाम करने की योजना है। अधिकारियों का अनुमान है कि इन जमीन को नीलाम करने से एक बार फिर निगम का खजाना भर जाएगा।

दोबारा कर लिया जाता है कब्जा

नगर निगम के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार निगम की करीब 152 एकड़ जमीन पर लोगों ने कब्जा किया हुआ है। इसको लेकर निगम की तरफ से कई बार इनको कब्जामुक्त करने के लिए अभियान चलाया गया। लोगों को नोटिस दिया गया। एक बार कब्जामुक्त कराने के बाद दोबारा कब्जा कर लिया जाता है। गुरुग्राम के निगमायुक्त पीसी मीणा ने बताया निगम की कब्जा की गई जमीन को कब्जामुक्त करवाकर उन्हें एचएसवीपी की तर्ज पर ई-नीलाम किया जाएगा। जगह के हिसाब से अस्पताल, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, पेट्रोल पंप आदि के लिए नीलामी की जाएगी। इसके लिए 70 से ज्यादा जगहों की पहचान की जा चुकी है। अगले माह से इस योजना पर काम शुरू होगा।

मिशन 2024 के लिए भाजपा का मेगा प्लान, 2139 टोलियां घर-घर जाकर मोदी सरकार के लिए समर्थन मांगेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत की हैट्रिक पक्की करने के लिए अभी से मिशन 2024 की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए नई-नई नीतिओं और योजनाओं पर काम चल रहा है। भाजपा द्वारा मोदी सरकार के कामों और नीतियों को घर-घर पहुंचाने के लिए बूथ स्तर से लेकर जिलास्तर तक के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं।

भाजपा महासंपर्क अभियान के समापन दिवस पर महानगर इकाई की 2139 टोलियां गाजियाबाद में घर-घर जाकर मोदी सरकार के लिए समर्थन मांगेंगी। इस दौरान मंत्री और स्थानीय विधायक से लेकर संगठन के वरिष्ठ नेता भी समाज के विभिन्न तबकों से जुड़े गणमान्य लोगों के घर जाएंगे और मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाएंगे। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि महानगर में 2,139 बूथ

हैं। हरेक बूथ से 100 कार्यकर्ताओं की टोली नजदीक के घरों में जाकर संपर्क से समर्थन अभियान चलाएंगी। एक जून से प्रारंभ महासंपर्क अभियान का शुक्रवार को अंतिम दिन है। अभियान के तहत प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने गुरुवार को राजनगर, नवयुग मार्केट समेत कई इलाकों में जाकर समर्थन मांगा। उन्होंने वरिष्ठ रक्षा वैज्ञानिक कुशमाकर शुक्ला, एसडी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य रामौतार और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विपिन त्यागी जैसे गणमान्य लोगों के घर जाकर मोदी सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई।

एनडीए में फूट डालने के लिए किया था एनसीपी ने भारतीय जनता पार्टी का समर्थन, शरद पवार का खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी।
वरिष्ठ राजनेता शरद पवार ने स्वीकार कर लिया है कि साल 2019 में चुनाव के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी भारतीय जनता पार्टी के साथ संपर्क में थी। हालांकि, वह दावा कर रहे हैं कि नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एन डी ए) में दरार डालने के लिए एनसीपी समर्थन देने की चर्चा कर रही थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया था कि 2019 में सरकार बनाने के बाद एनसीपी ने ही कदम वापस ले लिए थे।

पवार ने कहा, 2014 में एनसीपी ने भाजपा को सरकार बनाने के खुलकर बाहर से समर्थन दिया था, जिसका मकसद राज्य में एनडीए के साथियों के बीच दरार डालना था। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के साथ बैठकें हुईं। जब भाजपा नेता दावे कर रहे हैं कि मैंने देवेंद्र फडणवीस

और अजित पवार के शपथ ग्रहण से कुछ समय पहले ही मन बदल लिया और सरकार नहीं टिकी। उन्होंने आगे कहा, यह मेरी सोची समझी चाल थी, यह दिखाने के लिए कि भाजपा सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और एनसीपी सत्ता के पीछे नहीं है। साल 2019 में जब शिवसेना और भाजपा अलग हुईं, तो एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस ने महाविकास अघाड़ी सरकार का गठन किया, जिसके मुखिया उद्धव ठाकरे बने।

कहा जा रहा है कि 2014 में एनसीपी ने यह मानते हुए भाजपा को समर्थन दे दिया था कि कि एनडीए के दलों में मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद होगा, लेकिन शिवसेना से ज्यादा सीटें जीतकर भाजपा आगे रही। ऐसे में एनसीपी का दांव फेल हो गया और शिवेसना ने सीएम पद के लिए भाजपा की दावेदारी स्वीकार कर ली। हालांकि, 2019 में स्थिति बदल गई और शिवसेना 5 साल भाजपा के सीएम बनाए रखने पर राजी नहीं हुई। शिवसेना से अलग होकर भाजपा ने अजित पवार का समर्थन हासिल कर लिया था, लेकिन एनसीपी ने सरकार को समर्थन नहीं दिया और नतीजा हुआ कि सरकार गिर गई। बाद में एमवीए सरकार का गठन हुआ। जून-जुलाई 2022 में अविभाजित शिवसेना के विधायक एकनाथ शिंदे ने 40 विधायकों के साथ मिलकर बगावत कर दी थी। इसके बाद उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली एमवीए सरकार गिरी और भाजपा-शिंदे की सरकार बनी, जिसमें शिंदे सीएम और फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने। उपमुख्यमंत्री फडणवीस राज्य के गृह मंत्री भी हैं। उन्होंने हाल ही में एक टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में दावा किया था कि पवार 2019 में भाजपा के साथ सरकार बनाने के लिए सहमत हुए थे लेकिन फिर तीन-चार दिनों के बाद वह पीछे हट गए। फडणवीस ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि आखिरकार पवार को सच बताना पड़ा।

संयुक्त राष्ट्र से भारत को मिली राहत, बच्चों पर सशस्त्र संघर्ष के प्रभाव से जुड़ी रिपोर्ट से हटा नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।
भारत को संयुक्त राष्ट्र से एक राहत भरी खबर मिली है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने बच्चों पर सशस्त्र संघर्ष के प्रभाव को लेकर 13 साल बाद 2023 की वार्षिक रिपोर्ट से भारत का नाम हटा दिया है। उन्होंने कहा कि इस पर चिंता जताने के बाद भारत सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहतर उपाय किए।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट में भारत का नाम पाकिस्तान, नाइजीरिया, कैमरून, फिलीपींस, बुर्किना फासो आदि के साथ 2010 में शामिल किया गया था। इसमें जम्मू-कश्मीर में सशस्त्र समूहों द्वारा लड़कों की भर्ती करना, इसके बाद सुरक्षा बलों द्वारा सशस्त्र समूहों से संबद्धता को लेकर इन्हें हिरासत में लेने का आरोप लगाया गया था।यूएन महासचिव ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष प्रतिनिधियों के जरिये इस चिंता से निपटने में भारत सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की थी। यूएन महासचिव ने बच्चों पर सशस्त्र संघर्ष के असर को लेकर 2023 की रिपोर्ट में कहा, भारत सरकार द्वारा बच्चों की सुरक्षा को लेकर बेहतर उपाय किए गए इसलिए भारत का नाम इस रिपोर्ट से हटाया जाता है। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को लेकर और काम करने की जरूरत वाले क्षेत्रों की पहचान को लेकर जुलाई, 2022 में तकनीकी मिशन कार्यालय के विशेष प्रतिनिधियों से भारत सरकार के समन्वय का विशेष उल्लेख किया और कहा कि इसके बाद नवंबर 2022 में जम्मू-कश्मीर में बच्चों की सुरक्षा मजबूत करने और शिक्षा देने को लेकर संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर वर्कशाप का आयोजन किया गया था। यूएन महासचिव ने जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, असम, झारखंड व ओडिशा में बच्चों की सुरक्षा के लिए हुए काम की प्रशंसा की है।

भारत में आयोजित वर्चुअल एससीओ बैठक में मौजूद रहेंगे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

बीजिंग, एजेंसी।
चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले सप्ताह भारत की मेजबानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन का हिस्सा होंगे। इस बात की जानकारी शुक्रवार को एक आधिकारिक घोषणा जारी करते हुए दी गई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, राष्ट्रपति शी 4 जुलाई को बीजिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एससीओ के प्रमुखों की परिषद की 23वीं बैठक में भाग लेंगे और महत्वपूर्ण टिप्पणियां देंगे। गौरतलब है कि भारत की मेजबानी में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में शी की भागीदारी के बारे में यह पहली आधिकारिक घोषणा है। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है। एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन के दौरान रूस, चीन,

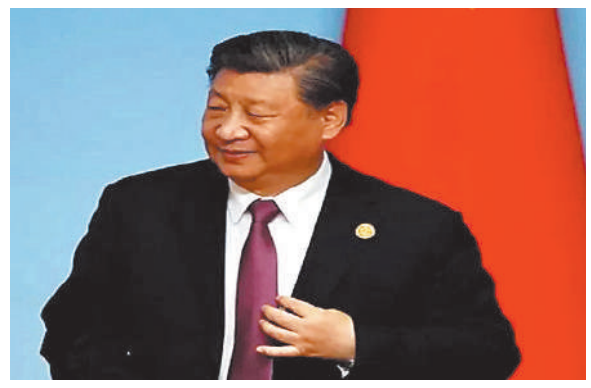

किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा की गई थी। 2017 में भारत और पाकिस्तान इसके स्थायी सदस्य बने हैं। इस साल भारत द्वारा इस संगठन की अध्यक्षता की जा रही है। भारत की अध्यक्षता में पहली बार आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन से पहले, भारत ने मंगलवार को बीजिंग में एससीओ सचिवालय में एक उत्कृष्ट डिजाइन वाले नई दिल्ली हॉल का उद्घाटन किया। जबकि एससीओ के छह संस्थापक सदस्यों, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के हॉल उनकी संस्कृतियों और अनूठी विशेषताओं को दर्शाते हैं। हॉल का उद्घाटन करते हुए, विदेश मंत्री, एस जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि नई दिल्ली हॉल की कल्पना भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने वाले एक मिनी-इंडिया के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, आपको भारत की कलात्मक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान की गहराई का एहसास कराने के लिए, हॉल को पूरे भारत में पाए जाने वाले समृद्ध वास्तुशिल्प शिल्प कौशल का प्रतिनिधित्व करने वाले पैटर्न और रूपांकनों के साथ डिजाइन किया गया है। पिछले साल, एससीओ शिखर सम्मेलन उज्बेक शहर समरकंद में हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी और उनके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित समूह के सभी शीर्ष नेताओं ने भाग लिया था। सितंबर में, भारत जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसके लिए वह शी और पुतिन के अलावा ब्लॉक के अन्य नेताओं को आमंत्रित करने की तैयारी में लगा है। नए थीम पर दिया जाएगा ध्यान सेक्यूअर एससीओ की ओर है। सेक्यूअर का संक्षिप्त नाम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2018 एससीओ शिखर सम्मेलन में गढ़ा गया था और इसका अर्थ सुरक्षा है; अर्थव्यवस्था और व्यापार; कनेक्टिविटी; एकता; संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान; और पर्यावरण है।

फ्रांस में हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी, 400 से अधिक गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी।
फ्रांस में ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस द्वारा 17 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या करने के मामले में देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। अभी तक 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीएनएन ने गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन के हवाले से बताया कि गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक विरोध प्रदर्शन में कम से कम 421 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बीएफएमटीवी ने पेरिस पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि उनमें से आधे से अधिक गिरफ्तारियां पेरिस क्षेत्र में हुईं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विरोध प्रदर्शन गुरुवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। हिंसा रोकने में मदद के लिए विशेष पुलिस बल को बोर्डो, ल्योन,

रूबैक्स, मार्सेल और लिली शहरों में तैनात किया गया। पेरिस के एक उपनगर नानटेयर में नाहेल एम. को मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी ने गोली मार दी थी। नाहेल ने ट्रैफिक पुलिस पर रुकने से इनकार कर दिया था और गाड़ी चला कर भागने लगा, जब पुलिस ने गोली मारी।

उपनगर से प्राप्त फुटेज के अनुसार, जलते हुए मलबे के बीच, नैनटेयर में एक दीवार पर नाहेल के लिए बदला पेंट किया हुआ दिखाई दिया। उपनगर में एक बैंक में भी आग लगा दी गई और लड़के की याद में आयोजित मार्च के हिंसक हो जाने के बाद पुलिस ने 15 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। इस बीच, सीएनएन ने एक रिपोर्ट में बीएफएमटीवी के हवाले से कहा कि मार्सेल में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर बम फेंके। उत्तरी शहर लिली के विडीयो में सड़कों पर आग जलती हुई और दंगा करने वाले पुलिस अधिकारियों को भागते हुए देखा गया है।

क्षेत्रीय प्राधिकारी ने कहा कि लिली में अधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के बाद छह लोगों को पूछताछ के लिए ले जाया गया। लिली में बसें और ट्रामवे रात 8 बजे के बाद बंद कर दिए गए, जबकि पेरिस के कई उपनगरों में कर्फ्यू लगा दिया गया। गुरुवार रात से ही पेरिस के कई हिस्सों में बस और ट्राम सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इस बीच, गृह मंत्रालय ने कहा कि उसने पेरिस में 5,000 सहित देश भर में 40,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात करने की योजना बनाई है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने दावा किया कि जब मंगलवार रात पहली बार दंगा भड़का तो 40 कारें जला दी गईं और झड़पों में 24 पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

कनाडा के जंगलों की आग के धुएं के कारण 120 मिलियन से अधिक अमेरिकी प्रभावित

लॉस एंजिल्स, एजेंसी।
कनाडा के जंगलों में लगी आग से निकले धुएं के कारण मध्य पश्चिम से पूर्वी तट तक एक दर्जन से अधिक अमेरिकी राज्यों में 120 मिलियन से अधिक लोग वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। गुरुवार को कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, कनाडा में सैकड़ों जगहों पर आग लगी हैं। इनमें से 250 से अधिक स्थानों पर तो यह नियंत्रण से बाहर है।

यूएस नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार धुएं को देखते हुए न्यूयॉर्क, आयोवा, विस्कॉन्सिन, इलिनोइस, इंडियाना, मिशिगन, डेलावेयर और मैरीलैंड सहित एक दर्जन से अधिक अमेरिकी राज्यों में वायु प्रदूषण संबंधी अलर्ट जारी किया गया है। आईक्यू एयर के वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, गुरुवार सुबह तक, वाशिंगटन डी.सी., शिकागो और डेट्रॉइट दुनिया में सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले शहरों में से थे।

सीएनएन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका की एक तिहाई से अधिक आबादी वायु गुणवत्ता अलर्ट के अधीन है, इसके कुछ ही सप्ताह बाद पूर्वोत्तर में इसी तरह की जंगल की आग का धुआं छा जाने के बाद अधिकारियों ने जनता से सुरक्षा सावधानी बरतने का आह्वान किया है। एनडब्ल्यूएस ने चेतावनी दी है कि, कनाडा के जंगल की आग का कोई अंत नहीं दिख रहा है, इसलिए खराब वायु गुणवत्ता जारी रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को चिंता है कि धुआं यात्रा में बाधा डाल सकता है और 4 जुलाई की छुट्टियों के दौरान अमेरिकियों के लिए उड़ान में देरी और रद्दीकरण हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129